रिवस्द्री सं• बी (बी)--73



प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 25 |

नइं बिस्ली, शनिवार, जून 23, 1979 (आषाढ़ 2, 1901)

No. 25 1

NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 23, 1979 (ASADHA 2, 1901)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था हो जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

#### भाग Ш—वज्य 1

## PART III—SECTION 1

उच्च ग्यायालयों, नियंद्रक और महालेखापरीकक, संब लोक सेवा आयोग, रेल विमाग और मारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India.]

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो नई विल्ली, विनांक 4 जुन 1979

सं॰ ए॰-35018/6/78-प्रशासन-I—पुलिस उप-महानिरी-क्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतव्हारा, गुजरात राज्य पुलिस के निरीक्षक श्री वी॰ पी॰ दवे को विनांक 1-5-79 के पूर्वाहन से ग्रगले ग्रावेश तक के लिए केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो के दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग की ग्रहमदाबाद शाखा में ग्रस्थायी रूप से प्रतिनियुक्ति पर पुलिस निरीक्षक नियुक्त करते हैं।

> हीरो ए० साहनी प्रशासनिक प्रधिकारी (स्था०) केन्द्रीय भन्वेषण ब्यूरो

गृह महासय

महानिवेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्ली-110001, दिनांक 2 जून 1979

16-5-1979 के पूर्वाह्नन से केवल तीन माह के लिये मथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो, उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा प्रधिकारी के पद पर तवर्थ रूप में नियुक्त किया है।

दिनांक 4 जून, 1979

सं श्रो० वो० 1032/75-स्थापना-महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्ष पुलिस बल ने डाक्टर (श्रीमती) ज्योत्सनामाई नायक को 19-12-1977 से 9-1-78 तक केन्द्रीय रिजर्ष पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा श्रीधकारी के पद पर तदर्ध रूप में नियुक्त किया है।

वाई० पी० बक्शी सहायक निदेशक (प्रशासन)

भारत के महापंजीकार का कार्यालय
नई विल्ली-110011, दिनांक 30 मई 1979
सं० 11/28/78-प्रणा० एक 9062-राष्ट्रपति, नई
दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में ग्रन्थेयक

(4781)

श्रीर इस समय उसी कर्रिक्य में पूर्णतः श्रम्थाई श्रीर तदर्थ श्राधार पर अनुसंधान श्रधिकारी के पद पर कार्यरत श्री यू० एस० चतुर्येदी को गुजरात, ग्रहमदाबाद सें जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 17 मई, 1979 के पूर्वाहून में ग्रगले आदेशों तक नियमित श्राधार पर, श्रम्थाई क्षमता में, महायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री चतुर्वेदी का मुख्यालय श्रहमदाबाद में होगा। दिनांक 2 जून 1979

सं० 11/74/79-प्रणा० एक 9340-राष्ट्रपति, भारतीय प्रणासनिक सेवा के सिक्किम संवर्ग के प्रधिकारी, श्री जे० के० थापा को तारीख 16 मई, 1979 के पूर्वाह्म से श्रगले भादेशों तक पूर्णकालिक भ्राघार पर सिक्किम, गंगटोक में जनगणना कार्य निदेशक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री थापा का मुख्यालय गंगटोक में होगा ।

विजय पाल पाण्डे भारत के उप महापंजीकार

# राष्ट्रीय पुलिस अकादमी हैदराबाद, दिनांक 29 मई, 1979

सं० 41/6/76-स्थापना-केन्द्रीय सरकार में प्रतिनियुक्ति अविधि की समाप्ति पर श्री प्रेमधर मालवीय, भा० पु० से० (मध्य प्रदेश 1957) ने धिनांक 26-5-79 के भपराह्म से श्रकादनी के उपनिदेशक (प्रशासन) के पद का कार्य-भार छोड़ दिया ।

पी० ए० रोशा, निवेशक

#### वित्त मंत्रालय

# श्रार्थिक कार्य विभाग बैंक मोट मुद्रणालय,

देवास, दिनांक 29 मई, 1979

फा॰ सं॰ बीएनपी/सी/5/79-इस कार्यालय की सम-संख्यक श्रधिसूचना दिनांक 10-3-79 के श्रनुक्रम में निम्न-लिखित तदर्थ नियुक्तियों की श्रवधि उन्हीं शतों पर दिनांक 1-6-79 से श्रागामी तीन माह के लिये या पद के नियमित रूप से भरे जाने तक जो भी पहले हो, बढ़ाई जाती है।

			ा हत हो। अकाई जाता है।
ऋम	नाम		पद जिस पर तदर्थ भाधार
सं०			पर नियुक्त किये गये
1	2		3
सर्वश्री			
1. ए०	एस०	व्हटकर	तकनीकी श्रधिकारी
_			(मुद्रण व प्लेट निर्माण)

2. एम० पोन्तुथुराई -यथा-

3. डी० भार० कोंडावर

-यथा-

·	<del></del>
1 2	3
4. व्हाय० जनार्दन राव	तकनीकी अभिकारी (मृद्रण व प्लेट निर्माण)
<ol> <li>राम पाल सिंह</li> </ol>	~य <b>या</b> —
<ol> <li>एन० ग्रार्० जयरामन</li> </ol>	~य <b>था</b> —
7. समरेन्द्र दास	~यथा
8. एम०  द <del>ता</del>	तकनीकी श्रधिकारी
	(ग्रभिकल्पन एवं उस्की- र्णन)
9 ग्ररुण कुमार इंगले	तकनीकी श्रधिकारी
	(स्याही कारखाना, भनु- संघान एवं प्रयोगणाला)
10. जे॰ एन॰ गुप्ता	तकनीकी भ्रधिकारी (स्याही कारखाना उत्पा- दन)

# दिनांक 1 जून 1979

फा० सं० बीएनपी/सी/5/79-इस विश्वाग की अधिसूचना कमांक बीएनपी/सी/24/76 दिनांक 28-5-76 व संयुक्त अधिसूचना कमांक बी०एन०पी० सी०/24/76 दिनांक 1-6-78 के धनुक्रम में श्री सी० सी० उण्णिक्षण्यन स्थानापन्न प्रशासकीय श्रिधकारी के रूप में बीक नोट मुद्रणालय, देवास की नियुक्ति की दिनांक 24-4-80 तक एक वर्ष के लिये बढ़ाई जाती है।

पी० एस० शिवराम महाप्रबंधक

# प्रतिभूति कागज कारखाना होशंगाबाय, दिनांक 26 मई 1979

सं० ई० 11/4-चूंकि श्री श्रार० कृष्णामृति सहायक श्रिमयन्ता (विद्युत) की श्रीभयन्ता (विद्युत) के पद पर तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप में पदोन्तित हो गई है इसलिए श्री बी० श्रार० बरमैया, फोरमैन (विद्युत) को रू० 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 के वतनमान में सहायक श्रीभयन्ता (विद्युत) के पद पर दिनांक 20-4-79 से तदर्थ श्राधार, पर पदोन्तत किया जाता है।

# दिनांक 29 मई 1979

सं० पी० एफ० 7(36)1715---इस कार्यालय की प्राधिसूचना ऋ० 7(36) 7688 दिनांक 5-12-78 के ऋभ में श्री एस० टी० सिरसट को 31-3-79 से तीन माह की श्रवधि श्रथवा पष के नियमित रूप से भरे जाने तक इनमें से जो भी पहले हो के लिये श्रिमिशमन श्रिधकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से सदर्थ श्राधार पर कार्य करने की श्रनुमति दी जाती है।

श्रो० पी० शर्मा मुख्य श्रभियम्ता भारतीय लेखा तथा लेखानरीआ विशाग भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 31 मई 1979

सं० 877-सी० ए० I/378-69--श्रपर उप नियंत्रक-महालेखा परीक्षक वाणिज्यक ने श्री एघ० के० नायर लेखा परीक्षा प्रधिकारी/वाणिज्यक को भारत सरकार पृष्ट मंत्रालय के कार्यालय ज्ञापन संख्या 25013/7/77 स्थापना /ए/दिनांक 26-8-77 के उपबंध के श्रधीन तारीख 11-4-79 श्रपरा ह्या से सरकारी सेवा से स्वेन्छा पूर्वक सेवा निवृत्त होने की श्रनुमति दे दो है।

मोहन सिंह ग्रोबर ुउप निदेशक (वाणिष्यिक)

# कार्यालय महालेखाकार गुजरात, विनांक 29 मई 1979

सं० स्था० (ए) जी ग्रो/प्रोमोशन/1800-महालेखाकार गुजरात ने ग्रधीन लेखा-सेवा के स्थायी सदस्यों को उनकी नामावली के सामने दर्शाए दिनांक से लेकर ग्रगला श्रादेश मिलने तक महालेखाकार गुजरात के कार्यालय में स्थानापन लेखा अधिकारी के रूप में नियुक्ति देने की ध्रुपा की हैं।

- 1. श्री कें ० एन० रामस्वामी-4-5-1979 पूर्वाह्म से
- श्री एम० बी० वेंकट रामन--14--5--1979
- 3. श्री कें**० कें**० पिल्ला**इ**-4-5-1979

केः० पी० लक्ष्मण राव उप महालेखाकार (प्रशासन)

पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान भहानिदेशालय (प्रशासन धनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 1 जून 1979

सं० ए-1/1(1123)—पूर्ति तथा निपटान महानिवेशालय कलकत्ता के कार्यालय में स्थानापन्न सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-2) श्री टी० के० चक्रवर्ती निवर्तमान भाषु (58 वर्ष) होने पर दिनांक 31 मई, 1979 के श्रपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत हो गए हैं।

> कृष्ण किशोर उप निदेशक (प्रशासन) इत्ते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

इस्पात भ्रौर खान मंत्रालय खान विभाग भारतीय खान ब्यूरो नागपुर, दिनांक 29 मई, 1979

सं० ए-19011/242/78-स्था० ए०—संघ लोक सेवा भाषोग की सिफारिश से राष्ट्रपति श्री के० बी० गोस्वामी को विताक 24-4-79 के पूर्वाह्न से आगामी आदेण होने तक भारतीय खान ब्यूरो में उप खान नियंत्रक के पद प सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

> एस० बालागोपाल, कार्यालय श्रध्यक्ष भारतीय खान ब्यूरो

## श्राकाणवाणी महानिदेशालय

मं० 31/1/76-एम-दो-आकाशवाणी महानिदेशक श्री ए० सी० मज्जी, फील्ड रिपॉटर, आकाशवाणी कटक को आकाशवाणी कटक पर विस्तार अधिकारी के पद पर तदर्थ और अस्थाई आधार पर 17 मई 1979 (पूर्वीह्न) से नियुक्त करते हैं।

> जं० आर० लिखी उपप्रशासन निदेशक **ह**ते महानिदेशक

# स्वास्थ्य सेवा महानिदेशासय

नई दिल्ली, दिनांश 29 मई, 1979

मं० ए०12023/1/79-प्रणासन-1-स्वास्थ्य सेवा महा-निदेशक ने श्री जोगेन्द्र कृष्ण पुरी को 15 मार्च, 1979 की पूर्वाह्म से आगामी श्रादेशों तक कलावती सरन बास प्रसाल नई दिल्ती में प्रगानिक श्रीक्षकारी के पद पर निवाह प्राप्तार गर निवृत्त क्षिया है।

दिनांक 31 मई, 1979

सं० ए० 12025/22/77-गगः ता-1-स्व स्थ्य देवः सर् तिदे-गान ने मब्रास कस्टम हाऊन ले बोरेटरी, मद्राम के रमायन सहायक ग्रेड-1 डा० सत्य प्रकाण को 30 मार्च, 1979 की पूर्वाह्म से श्रागामी श्रादेशों तक खाद्य श्रनुसंघान भीर मनकी करण लेबोरेटरी, गाजियाबाय में कनिष्ठ विश्लेषक के पद पर ग्रस्थाई ग्राधार पर नियुक्त कर दिया है।

> शाम लाल कुठियाला उपनिदेशक प्रशासन (स० व०प०)

उत्हाष्ठन प्रशिक्षण केन्द्र परियोजना

देहरादून, दिनांक 1 जून, 1979

5-1/78 उ० प्र० के० प० -श्री चन्द्र कान्त जोशी किन्छ प्रकाष्ठ श्रनुदेशक, चन्द्रपुर केन्द्र को दिनांक 22-5-79 से श्रागामी श्रादेशों तक प्रकाष्ठ श्रनुदेशक के पद पर उसी केन्द्र में तदर्थ (एड-ही ह रूप से) नियुक्त किया जाता है।

भ० प्र० मलेंठा प्रधिशासी प्रधिकारी कृषि श्रौर सिंचाई मंस्रालय ग्राम विकास विभाग विपणन एवं निरीक्षण निदेशलय प्रधान कार्यालय

फरीदाबाद, दिनांक 31 मई, 1979

सं० ए० 19025/9/79-प्र० III सं लोकः सेवा ग्रायोग की संस्तुतियों के ग्रनुसार श्री राकेश सक्सेना को इस निदेशालय में दिनांक 14-5-79 के (पूर्वाह्म) से ग्रगले ग्रादेशों तक स्थानापन्न रूप में सहायक विपणन ग्रिधकारी (धर्ग 1) नियुक्त किया गया है।

> बी॰ एल॰ मनिहार निदेशक, प्रशासन **कृते** कृषि विपणन सलाहकार

# परमाणु ऊर्जा विभाग ऋय एवं भंडार निदेशालय

मद्रांस-6, विनांक 18 मई 1979

सं० एम आर० पीयू/200 (12) /79-प्रशासन-इस कार्यालय की तारीख 21-4-79 की समसंख्या प्रधिसूचना के कम में, कय एवं भंडार निदेशालय, मद्रास के त्रीय क्य यूनिट, मद्रास के श्रस्थायी क्रय सहायक श्री टी० वी० रामास्त्रामी की सहायक कम ग्रिधकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से की गई नियुक्ति की श्रवधि 31-5-79 के श्रपराह्म तक बढ़ा दी गई हैं।

एस० रंगाचारी क्रय स्रधिकारी

# भारी पानी परियोजना बम्बई-400008, दिनांक मई 1979

सं० 05000/रा-128/2467-भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के, श्री तुलसीवास पेसुराम राजस्थ, स्थायी सहायक कार्मिक अधिकारी को भारी पानी परियोजना (मुख्य कार्यालय) में 28 मई, 1979 (पूर्वाह्न) से आगे आदेश होने तक के लिए सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त किया जाता है।

के॰ शंकरनारायणन वरिष्ठ प्रशासन ब्रधिकारी इसे विशेष कार्य ब्रधिकारी

# तारापुर परमागु बिजलीधर महाराष्ट्र±401504, बिनांक 2 म्रप्रैल 1979 मादेश

सं० ता० प० बि० घ०/प्रशा/स० एवं प०/59(86)/ 79—जबिक श्री के० एन० पडवले, माली 'ए' को इ्यूटी से निस्तर भनधिकत रूप से श्रनुपस्थित रहने के कारण कार्यालय ज्ञापन सं० ता० प० बि० घ०/प्रशा/सं० एव प०/ 59(86)/876, दिनांक 20 जनवरी, 1979 के श्रनुसार ग पत्र जारी किया गया था;

जबिक उनके घर के पते पर भेजा गया ध्रारोप पत्न ग्रवितरित वापस प्राप्त हुन्ना क्योंकि श्री पडवर्ल ग्रपने निवास स्थान पर उपलब्ध नहीं थे;

जबिक लोकसत्ता, महाराष्ट्र (दिनांक 15 फरवरी, 1979) में नोटिस प्रकाशित कर के श्री पडवले को उनके विरुद्ध की जाने वाली श्रनुशासनिक कार्यवाही के बारे में सूचित किया गया था तथा श्रधोहस्ताक्षी के समक्ष, नोटिस के प्रकाशन के 30 दिनों के श्रन्दर, स्वयं को प्रस्तुत करने के लिये कहा गया था;

जबिक श्री पडवले नोटिस में दिये गये समय के ग्रन्दर ग्रधोहस्ताक्षरी के समक्ष उपस्थित नहीं हुये;

भ्रौर जबकि उपर्युक्त तथ्यों को दृष्टिगत रखते हुये, भ्रधोहस्ताक्षरी के विचार में, उनके विकद्ध जांच भ्रायोजित करना व्यवहारोचित नहीं है;

भ्रब इसिलिये भ्रधोहस्ताक्षरी श्री के० एन० पडवले, माली 'ए' को इस श्रादेश के प्रकाशन की तिथि से सेवा से निष्कासित करने का भादेश देते हैं।

> ए० **डी० देसाई** मुख्य प्रणासनिक ग्रधिकारी

# सिविल इंजीनियरी वर्ग

कलपाक्कम-603 102, दिनांक 25 मई 1979

सं० सी० ई० जी० [(6) 79-प्रशासन—सिविल इंजीनियरी वर्ग, परमाणु ऊर्जा विभाग परियोजनाएं, कलपाक्कम के मुख्य इंजीनियर (सिविल) अस्थायी वैज्ञानिक सहायक 'सी' (सिविल) श्री एन० पलानी को 1 फरवरी, 1979 के पूर्वाह्म से श्रगले श्रादेश तक के लिए सिविल इंजीनियरी वर्ग, कलपाक्कम में अस्थायी रूप से वैज्ञानिक श्रिधकारी/ इजीनियर ग्रेड एस बी नियुक्त करते हैं।

> भार० सुब्रहमण्यन कृते प्रशासनिक एवं लेखा मधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक, 27 मई, 1979

सं० ए० 12025/5/75-ई डब्ल्यू-केन्द्रीय भौशोगिक सुरक्षा बल में सहायक कमाइट (फायर) के रूप में नियुक्त होने पर श्री ए० चट्टोपाध्याय, सहायक श्रीज्युशमन श्रीधकारी, विमान क्षेत्र श्रीधकारी का कार्यालय, सिंबिल विमान क्षेत्र गोहाटी ने दिनांक 31-3-1979 (श्रपराह्म) को भपने पद का कार्यभार त्याग दिया था।

> सस्य वेव शर्मा उप निवेशक प्रशासन कृते महानिवेशक नागर त्रिमानन

नई दिल्ली, दिनांक 30 मई 1979

सं० ए० 32014/1/79-ई० सी-महानिदेशक नागर विमानन ने श्री जगजीत सिंह सरीन, तकनीकी सहायक, वैमानिक संचार स्टेशन, नूह को दिनांक 24-4-79 (पूर्वा-ह्न) से नियमित ग्राधार पर सहायक तकनीकी ग्राधिका र के रूप में नियुक्त किया है ग्रीर उन्हें प्रिमिपल, नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र, इलाहाबाद के कार्यालय में तैनात किया है।

सत्यदेव शर्मा उप निदेशक प्रणासन

नई दिल्ली, विनांक 10 मई 1979

सं० ए० 32013/8/76-ई०-1—इस विभाग की दिनांक 15-12-1977 की प्रधिसुचना सं० ए० 32013/8/76-ई०-1 के कम में राष्ट्रपित ने श्री बी० हाजरा को दिनांक 31-12-78 के बाद एक वर्ष की श्रवधि के लिए श्रथवा श्री एच० डी० कृष्ण प्रसाद के वापिस लौटने तक, जो भी पहले हो, कलकत्ता क्षेत्र, कलकत्ता एयरपोर्ट पर क्षेत्रीय निदेशक के रूप में तद्दर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है।

सी० के० वत्स सहायक निवेशक प्रशासन

## नई दिल्ली, दिनांक 22 मई 1979

सं० ए० 32013/10/77-ई०-I—इस विभाग की दिनांक 20-11-78 की प्रधिसूचना सं० ए० 32013/10/77-ई०-I के कम में महानिदेशक नागर विमानन ने श्री एस० डब्ल्यू एच० जाफरी, स्थायी पुस्तकाध्यक्ष की नागर विमानन विभाग में मुख्य पुस्तकाध्यक्ष (ग्रुप ख राजपितत) के पन्न पर तदर्थ नियुक्ति को 16-5-1979 (श्रपराह्न) के बाद छः माह के लिए श्रथवा पद के नियमित रूप में भरे जाने तक जो भी पहले हो, जारी रखने की मंजूरी दे दी है।

सं० ए० 32013/2/79-ई०-І—राष्ट्रपति ने श्री ग्रार० नर्रासहन, वरिष्ठ वैज्ञानिक ग्रधिकारी को नागर विमानन विभाग में दिनांक 9 ग्रप्रैल 1979 से छः माह के लिए ग्रथवा पद के नियमित रूप में भरे जाने तक जो भी पहले हो, तवर्थ ग्राधार पर उपनिदेशक ग्रनुसंधान एवं विकास के रूप में नियुक्त किया है।

संख्या ए० 32013/3/79-ई०-I---राष्ट्रपति ने श्री एफ० सी० शर्मा, वैज्ञानिक अधिकारी को विनांक 19-4-1979 से छः माह के लिए अथवा पद के नियमित रूप में भरे जाने तक जो भी पहले हो, नागर विमानन विभाग में वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी के रूप में तथर्ष आधार पर नियुक्त किया है।

वि॰ वि• जौहरी सहायक निदेशक प्रशासन, केन्द्रीय जल श्रायोग

नई दिल्ली-22, दिनांक 26 मई 1979

सं० ए-32012/2/70-प्रशा० पांच--समसंख्यक म्रिधिपूचना दिनांक 10-5-79 का म्रांशिक संशोधन करते
हुए, म्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल म्रायोग, इस समय स्थानापन्न रूप
में केन्द्रीय जल तथा विद्युत म्रनुसंधान शाला, पुणे में महायक
मनुसंधान म्रधिकारी (भौतिकी) के रूप में कार्य कर रहे
निम्नलिखित भ्रधिकारियों को उसी पर ६० 650-30740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-६० रो०
40-1200 के वेतनमान में प्रत्येक के सामने दी गई तारीखों
से, म्रागामी भ्रादेश होने तक, नियमित म्राधार पर नियुक्त
करते हैं:-

- 1. श्री एन० एम० महाजन--12-7-78 (पूर्वाह्न)
- 2. श्री एम० डी० कांबले--8-9-78 (पूर्वाह्म)

2 ये भ्रधिकारी सहायक श्रनुसंधान श्राधिकारी (भौतिकी) के पदों पर उस श्रणी में नियमित नियुक्ति की तारीखों से दो वर्ष पर्यन्त परिवीक्षा पर रहेंगे ।

सं० ए-32012/2/70-प्रशा० पांच—विभागीय पदोन्नति समिति (ग्रुप 'ख') की सिफारिश पर श्रव्यक्ष, केन्द्रीय जल श्रायोग, स्थानापन्न रूप में तदर्थ श्राधार पर केन्द्रीय जल श्रायोग में महायक श्रनुसंधान श्रिधकारी (भौतिकी) के रूप में कार्य कर रहे श्री डी० एस० कलोटी, को उसी पद पर ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के बेतनमान में 19 मई, 1978 की पूर्वाह्म से श्र्याले श्रादेश होने तक नियमित श्राधार पर नियुक्त करते हैं।

श्री डी० एस० कलोटी, सहायक श्रनुसंधान श्रिकारी (भौतिकी) के पद पर 19-5-1978 से दो वर्ष पर्यन्त परिबीक्षा पर रहेंगे ।

> जे० के० साहा भवर सिवय केन्द्रीय जल श्रायोग

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

"कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 ग्रौर पठानकोट गडस कैरियर प्राईबेट लिमिटेड के विषय में

.जालंधर, विनांक, 1 जून 1979

सं ेजी |स्टेट|560|30 ड 1 — कम्पनी पिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एसब्दारा यह सूचना वी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर पठानकोट गुडस कैरियर प्राईबेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण द्यांगत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया आएगा झोर उक्त कम्पनी विघटित कर दी आएंगी ।

> ग्रो० पी० जैन कम्पनी रिजस्ट्रार पंजाब, हिमाचल, प्रदेश एवं चण्डीगढ़

"कम्पनी श्रिधिनियम 1956 श्रीर विमी फाईनेस एन्ड चिट फन्ड स्कीम प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

जालंधर, दिनांक 4 जून 79

सं० जी/स्टेट/560/3044—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एसतद्वारा सूचना दी जाती है कि विमी फाईनेन्स एन्ड चिट फन्ड स्कीम प्राईवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

> सत्य प्रकाश सायल कस्पनी रजिस्ट्रार, पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं चण्डीगढ

कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 एवं मेससं स्टार रेडियो ग्रेन्ड इन्जीनियरस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में बम्बई, दिनांक 31 मई 1979

सं० 3641/560(3)—कम्पनी श्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एततद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर मेसर्स स्टार रेडियो एन्ड इन्जीनियरस प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया आएगा श्रीर उक्त कम्पनी विश्वटित कर दी जाएगी।

एस० एम० गुप्ता कम्पनियों का घतिरिक्त रजिस्टार महाराष्ट्र

कम्पनी मधिनियम 1956 भीर मेसर्स एफ॰ पी॰ वाडिया बदर्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

**प्र**हमवाबाव, विनांक 29 मई 79

सं० 560/194—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के ग्रनुसरण में एततद्वारा यह सूचना वी जाती है कि, इस तारीख से तीन मास के अबसान पर मेससे एफ० पी० वाडिया बदर्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट विया जाएगा और उक्त कम्पनी विभटिक कर दी जाएगी।

कम्पनी भश्चितियम, 1956 श्रौर मेसर्स अग्नवाल बेनीफीट प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

अहमदाबाद, दिनांक 29 मई 1979

सं० 560/1248—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (3) के ग्रनुसरण में एततद्वारा यह सूचना दी जाती है कि, इस तारीख से तीन मास के ग्रवसान पर मेसर्स ग्रग्रवाल बेनीफीट प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल वर्षित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 श्रीर मेसर्स वी जयश्री श्रन्टरप्राईसेज् लिमिटड के विशय में

अहमदाबाद, दिनांक 29 मई 1979

सं० 560/1463—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (3) के ग्रनुसरण में एततद्वारा यह सूचना दी जाती है कि, इस तारीख से तीन मास के ग्रवसान पर मेसर्स दी जयश्री एन्टरप्राईसेज़ लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिंगत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा ग्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रीर मेसर्स डेटगाम कंटल फूड इंडस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड के विषय में अहमदाबाद, दिनांक 29 मई 1979

सं० 560/2319—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की घारा 560 की उप-धारा (5) के ग्रनुसरण में एततद्वारा सूचना दी जाती है कि, मेसर्स डंटंगाम कंटल फूड इन्डस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड का नाम ग्राज रिजस्टर से काट दिया गया है ग्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 ग्रीर मेससं गुजरात सोलवन्टस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में अहमदाबाद, विनांक 29 मई 1979

सं० 560/2454—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की श्रारा 560 की उप-धारा (5) के श्रनुसरण में एततद्वारा सूचना दी जाती है कि, मेसर्स गुजरात सोलवन्टस प्राईबेट लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है शौर उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

> जे० गो० गाथा प्रमंडल पंजीयक, गुजरात राज्य, श्रहमदाबाद

#### भागकर विभाग

नई दिल्ली बिनॉक 30 मई 79

सं० सी० ग्राई० टी०/समन्वय/पब्लि/दिल्ली-3/77-78/ \$343- नीले उन व्यक्तियों तथा हिन्दू ग्रविभक्त परिवारों के नाम की सूची दी गई है, जिनका निर्धारण विशीय वर्ष 1977-78 के दौरान 10 लाख रुपए से श्रधिक के धन पर हुम्रा है;

- (एक) में "भाई" व्यक्ति की हैसियत का तथा "एच" हिन्दू श्रविभक्त परिवार का सूचक है तथा (दो) में कर-निर्धारण वर्ष (तीन) में विवरणी में विख्याया गया धन (चार) में कर-निर्धारण धन (पांच) में निर्धारिती द्वारा देय कर (छ:) में निर्धारिती द्वारा दिया गया कर दिखाया गया है :--
  - 22-009-पी वी-7216/डी एल घाई-10(7) संतसेन उज्जल 'सिंह, 12-कर्जन रोड नई दिल्ली (एक) (बाई) (वो) 1977-78 (तीन) 10, 95, 816 (चार) 11,12, 800 (पांच) 16,570 (छ:) 16,140
  - एस० एल० गावा, पुरी इन्बेस्टमेंट, "ई" ब्लाक, कनाट प्लेस, नई दिल्ली (एक) म्राई (दो) 1970-71

- (तीन) 8, 56, 718 (चार) 10,33,500 (पांच) 3914 (छ:) 3914 ।
- 3. विमला विरमानी, 33-मजफगढ़ रोड़, "नई दिल्ली (एक) माई (दो) 1974-75, 1975-76 तथा 1976-77 (तीन) 11, 09, 295-14,22,522 तथा 10,61,161 (चार) 11,37,860; 14,89,984 तथा 11,05,240 (पीच) 19,136; 38,079 तथा 24,210 (छ:) 19,136; 38,079; 24,210 ।
- 4. विनीत विरमानी 33 नजफगहु रोड, नई दिल्ली (एक) एच (दो) 1974-75, 1975-76 (तीन) 15,37,914; 6,63,200 (चार) 23,04,792 ग्रीर 6,64,900 (पांच) 94,380; 21,600 (छ:) 94,800 तथा 21,600

एस० बी० देवा भायकर भायुक्त, दिल्ली-3 नई दिल्ली

# प्रकप माई • टी • एन • एस • -

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

# धारा 269व (1) ने धन्नीत सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली-1 नई दिल्ली-1, दिनांक 2 जून 1979

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस० ग्रार०-III/9-7/ 638---यतः, मुझे, श्रंजनी ग्रोझा,

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उतित बाजार मूल्य 25,000/-इपए से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एस०-448 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है ) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई विल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्राधीन, तारीख 8-9-1978 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृहयमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यचापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्ब्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त धन्तरण शिखित में बास्तविक रूप से कचित नहीं किया गया है :----

- (क) ग्रन्तरण से **हुई** किसी भाग की बाबत, उक्त ग्रांति-नियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के वायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, मौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय द्याय-कर द्वाविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रक्रिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयाथा या किया जाना चाहिए या, शिक्पाने में सविद्या के लिए ।

श्रत: श्रव, अवत अधिनियम की धारा 269-ग के श्र<del>मुसरव</del> में, में, उक्त अधिनियम की बारा 269-व की उपबारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- 1. श्री ग्रमर नाथ वर्मा, निवासी 5-एल्डर रोड मेन्स बुइ, गलासगी-जी/43, (यू० के०) इनके श्रटारनी श्री एस॰ स्वर्ण सिंह के द्वारा, निवासी 4662, गली नं० 37, रेक्ट्रगरपुरा, करौल भाग, नई दिल्ली-5। (भ्रन्तरक)
- 2. श्री जसवीन्द्र सिंह कोह्ली, निवासी 38, कवेनदीश रोड, सलफोर्ड, बूरी-मनचेस्टर (यू० के०) इनके अटारनी एस० हरपीत सिंह, वासी डी-12, महारानी बाग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यहसूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

जनत सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की भविभि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की वामील से 30 दिन की घवति, जो भी प्रविध बाद में समास्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में द्वितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रकोहक्ताक्षरी के पास सिसिदा में किए जा सकेंगे।

**रपथ्टीकरण :--इ**समें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रवि-नियम, के शब्दाय 20क में परिभावित हैं, वही मर्च होचा जो उस सम्याय में दिया गया है।

#### मनुत्रूची

प्लाट जिसका नं॰ एस-448 है घीर क्षेत्रफल 550 वर्ग गज है, निवासी कालौनी ग्रेटर कैलाश- ${f II}$ , नई दिल्ली में **है** ।

> मंजनी मोक्षा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1,

तारीख: 2-6-79

मोहर १

प्रकप ग्राई॰ डी॰ एन॰ एत॰----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269व (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

भजंन रेंज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 29 मई 1979

निर्देश सं० माई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस० मार०-III/ सितम्बर-1(18)/634/78-79-- यतः, मुझे, कुमारी मंजनी

श्रायंकर प्रशिवित्यमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त' प्रशिवित्यमं कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रशीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीवत बाजार मूम्ब 25,000/- ४० से विधिक है

श्रीर जिसकी सं० के० 72-बी है, तथा जो कालका जी नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख की

पूर्णोक्त सम्पत्ति के जिलत बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये मन्तरित की गई है धौर मुझे बड़ विश्वास करने का कारण है कि सवापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिलत बाजार मूस्य, उतके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से प्रक्षिक है धौर मन्तरक (भन्तरकों) धौर मन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के सिएतय पाया क्या प्रतिकृत, निम्निविधित उद्देश्य से खक्त प्रन्तरण सिविद्य में बास्तविक क्य से कवित नहीं कया गया है:—

- (क) सन्तरन से हुई किसी साव की बावत उक्त सकि-नियम, के मधीन कर देने के सन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; जौर/या
- (च) ऐसी किसी धाय या किसी धन या घरण घास्सियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रीव्यनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीव्यनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये वा, जिनाने में सुविधा के लिए;

अतः पव, उक्त पश्चितियम की आरा 269-य के अनुसरक में में, उक्त प्रश्चितियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षीत् :—— 2—116GI/79

- 1. श्रीमती साविती देवी धर्मपत्नी श्री विषव नाथ, स्थान के-72-बी कालका जी, नई दिल्ली।
  - (ग्रन्तरक)
- 2. श्री सतपाल सचदेवा पुत्र श्री मुकन्द लाल सचदेवा जी-33, कालका जी, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की धर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धर्वीध, जो भी धर्वीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में हे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिलका किसी ग्रन्थ स्थावर प्रशिक्षका किसी ग्रन्थ स्थावत ग्रांग, ग्राग्नोहस्ताकारी के पास लिकिट में किये जा सकेंगे।

स्वक्तीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों घोर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं धर्ष होगा, जो उस घडमाय में बिया गया हैं।

# धनुसूची

एक मंजिला मकान नं के-72-बी, जिसका क्षेत्रफल 261 वर्गगज जो कि स्थित है कालका जी में ।

> कुमारी श्रंजनी स्रोझा सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 29-5-1979

प्रस्प भाई० टी॰ इन० एस॰ ---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के भ्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, ममृतसर

श्रम्तसर, दिनांक 31 मई 1979

निर्वेश सं० ——यतः, मुझे, एम० के० धर, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' बहा गया है), की बारा 269-च के प्रधीत सजम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- क० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक मकान है, तथा जो कि मुहत्ला कृष्णा नगर, गुरदासपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गुरदासपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रमीन, नारीख 20 सितम्बर 1978

16) के अधीन, तारीख 20 सितम्बर 1978
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृक्यमान प्रतिकल
के लिए सन्तरित की गई है भीर मुसे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृक्यमान
प्रतिकल से, ऐसे वृक्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और सम्तरक (सन्तरकों) और सन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निक्तित उद्देश्य से
उच्त सन्तरक लिखित में वास्तविक कप से कवित नहीं किया गया
है।—

- (च) धन्तरण से हुई किसी धार्य की बाबत, उक्त घिषिवन के धनीन कर देने के धन्तरक के दायिक में क्सी करने या अससे बचने में तुविधा के किए; धौए/बा
- (क) एसी किसी घाय या किसी घन या घरण आस्तियों को जिन्हें भारतीय धायकार प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा; कियाने में सुविधा के निए;

श्रतः प्रव, उस्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रतुसरण में, में, श्रक्त प्रधिनियम की घारा 269-च की उपघारा (1) के प्रचीन निम्नतिथित व्यक्तियों, प्रचीत्:— 1. श्री शिव चरण दास पुत्र श्री गंगा राम निसासी रोहतक (हरियाणा)

(मन्तरक)

2. श्री महिन्द्र सिंह पुत्र प्रीतम सिंह निवासी तलवंडी विरक तहसीख व जिला श्रमृतसर

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में श्रीर कोई किराएदार हो तो (यह व्यक्ति, जिसके श्रीधभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति इस जायदाद में ठिच रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 48 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी भ्रम्य व्यक्ति, बारा, ममोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, को उक्त प्रधिनियम, के भ्रष्याय 20-क में परिभाषित 🐍 नहीं भर्ष होगा, को उस भ्रष्याय में दिया गया है।

# वपुषुची

एक मकान जो कि मुहस्ला कृष्णा नगर, जनरस पोस्ट आफिस के पीछे, गुरवासपुर में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रड डीड नं० 4030 विनांक 20-9-78 आफ रजिस्ट्रींग अधिकारी गुरवासपुर के कार्यालय में वर्ज है।

> एम० के० घर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (तिरीक्षण) ग्रजैंत रेंज, ग्रमृतसर

तारीख: 31-5-1979

मोहरः

प्रक्ष बाई० टी० एन० एस०--

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा

# 269व (1) के बद्यीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, एर्णाकुलम

कोचीन-16,दिमांक 23 अक्तूबर 1978

निर्देश सं० एल० सी० 253578/79—यतः, मुझे, बी० मोहन लाल,

आयकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात 'उक्त बिधिनियम' कहा गया है), की वारा 269-च के अधीन सक्षम प्रशिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,009/- द के अबिक है

ग्रीर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो मेन्नला पंचायत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कौडून्गसूर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 11-9-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित बहेश्य से उच्न अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) सन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के धधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; धौर या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन व घन्य प्राक्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिषिनियम, या धन-कर घिषिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिमाने सुविधा के लिए:

भतः भन, उनतमधिनियम की घारा 269-म के भनुसरण में, में, उनत प्रधिनियम, की घारा 269-म की उपधारा (1) के भ्रधीन भ्रमीत्:— 1. श्री के० सी० घेरियान

(भन्तरक)

2. श्री पी० के० मोहम्मद और अन्य

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की धविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों से
  सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी
  धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (ब) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में तिहबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त बधि-नियम, के ब्रष्ट्याय 20क में परिभाषित है, वही धर्ष होगा, जो उस ब्रष्ट्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

54‡ Cents with buildings vide document No. 2258/78 of SRO, Kodungallur.

वी० मोहनलास सक्रम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्सक) धर्जन रेंज, एणीक्स्सम

तारीख: 23-10-1978

प्रारूप आई० टी० एन० एस०----

ग्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के भ्रधीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, एणांकुलम

कोचीन-16, दिनांक 3 मार्च 1979

निर्देश सं० एल० सी० 291/78-79—यतः, मुझे, के० नारायण मेनोन,

धायकर शिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाक् 'उक्त शिवित्यम' कहा गया है), की धारा 269-खं के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- चपए से शिवक है

भीर जिसकी सं अनुसूची के अनुसार है, तथा जो विष्र में स्थित है, (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विष्र में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-9-1978

को पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से धिष्क है धौर धन्तरक (धन्सरकों) भौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, एक्ट ग्रिश्चित्यम के ग्रश्चीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घम्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर घिष्टिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्टिनयम, या घन-कर घिष्टिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः ग्रम, उपत ग्रधिमियम की धारा 269-ग के धनुसरण
में, मैं, उपत ग्रिधिमियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :---

1. श्री सी० के० पोल

(ग्रन्तरक)

2. श्री पी० यू० वरगीस

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां कप्रता है।

उन्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की भवधि, जो भी अवधि बाद में सम्बन्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्डीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जी उक्त धर्षितियम, के घटमाय 20-क में परिकाधित हैं, बही धर्ष होगा जो उस घटमाय में दिया गया है।

#### वनसची

16 Cents of land with buildings in Sy. No. 986/2 of Trichur village as per scheduled attached to document No. 4346/78 dt. 28-9-1978 of SRO, Trichur.

के० नारायण मेनोन सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, एर्णाकुलम

तारीख : 3-3-1979

प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰--

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

्कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, एणीकुलम

कोचीन-16, दिनांक 3 मार्च 1979

निर्देश सं० एल० सी० 294/78-79—यतः मुझे, के० नारायण मेनोन,

भागकर श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रीधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- स्पए से प्रधिक है

मौर जिसकी सं श्रमुसूची के श्रमुसार है तथा जो विचूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, विचूर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 28-9-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से घषिक है घौर धन्तरक (धन्तरकों) घौर धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण जिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त श्रीविनियम के श्रवीन कर देने के प्रकारक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर धिवनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिवनियम या घन-कर धिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः मब उक्त प्रिवित्यम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त मिनियम, की धारा 269-व की उपमारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :---

1. श्री सी० के० पोल

(मन्तरक)

2. श्री पी० यू० वरगीस

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपदा में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्नीकरण:—इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पृथों का, जो उक्त मित्रिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भयं होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

16 Cents of land with building in Sy. No. 986/2 of Trichur village as per schedule to document No. 4407/78 dated 30-6-78 of SRO, Trichuh.

के० नारायण मेनोन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, एणक्रिलम

**तारीख: 3-3-1979** 

प्रकप चाई • टी • एन • एस • ----

बायकर मधिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, एर्णाकुलम कोचीन-16, दिनांक 8 मई 1979

निर्देश सं० एल० सी० 297/79-80—यतः मुझे, के० नारायण मेनोन,

बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की बारा 269-प्रके प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- व॰ से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रनुस्ची के श्रनुसार है, तथा जो गुरूबायूर में स्थित है श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोट्टडी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 19-9-1978 को

पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिकल के लिए बन्तरित की गई है जीर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्वापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल से ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पत्तह प्रतिशत श्रीवक है और सन्तरक (सन्तरकों) भौर सन्तरिती (सन्तरितियों) के बीच ऐसे सन्तरण के लिए तय पासा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सन्तरण लिखित में बास्त्रिक का के कवित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्धा के (कए; भ्रीर/या
- (स) ऐसी किसी घाय वा किसी क्षत या प्रश्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर घिषित्रम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रकितियम, ग्रा धन-कर प्रकितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्रा या या किया जाना काहिए था, क्षिपाने में स्विधा के सिए;

वतः प्रवः उक्त प्रविनियम की धारा 269ग के प्रनुसरण वें, में, उक्त प्रविनियम की बारा 269व की उपवारा (1) के बजीन, निम्निजिवित व्यक्तियों, वर्षातः— 1. श्री सी० सी० जोस

(ग्रन्तरक)

श्री एन० प्रभाकरण नायर

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में श्रोई की धाबोच :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की धविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, को भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की वारीज सें 45 दिन के मीतर उक्त स्थापर संपत्ति में बितवड़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा भजोइस्तावारी के पास निश्चित में किए जा सक्तेंगे!

स्वक्यीकरचा: ----इसमें प्रमुक्त बच्चों भीर पदों का, बो उक्त भवितियम के बड़्याय 20-क में परिशावित हैं, वही भवें होगा, को उस भड़्याय में दिया बचा है।

#### वनुजुची

16# Cents of land in R. Sy. No. 115/6 of Gurnvayur Township.

के० नारायण मेनोन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, एर्णाकुलम

तारीख: 8-5-1979

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ष,ण) भर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 30 ग्रप्रैल 1979

निर्वेश सं० सी० ए० 5/एस० ब्रार० ठाना/जनवरी 79/442—यतः मुझे, श्रीमती पी० ललवानी, शायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अचित वाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे क० 107, 108 हिस्सा क० 2, सर्वे कम 108 हिस्सा क० 3, है, तथा जो हुजोरी रोड ठाना में स्थित है, (ग्रीर इससे उपायद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, एस० ग्रार० ठाना में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है और मूझे यह विश्वास करने
का कारन है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिकृत से प्रधिक है और पन्तरक (पन्तरकों) और पन्तरिती (पन्तरित्यों) के बीच ऐसे पन्तरक के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्निजिखित सहेश्य से उक्त प्रन्तरन चिकित में
वास्त्विक कर से कवित नहीं किया नया है:——

- (क) धन्तरण से हुई फित्री जान की बाबत करत बंधिनियम के ब्रामीन कर देने के सन्तरक के दायित्व म कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य धारितमों की, जिन्हों नारतीय धायकर घिष्ठितयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया ना या किया जाना चाहिए ना, क्रियाने में सुविधा के शिए।

बतः वयः क्यतः व्यक्तिनियम की धारा 269 म के बनुतरण में, में, क्यतः विधिनियम की धारा 269 म की क्यवारा (1) भवीन, विश्वविधित श्वकियों, धर्मात् 1→-  श्री शाम जी श्रहुजा मेसर्स सिमेणयूस 132 डा० श्रमी बसंत रोड, वरली मुम्बई।

(ग्रन्तरक)

2. देसेलूलोज प्राडक्टक्स ऑफ इंडिया लि०, पोस्ट ग्राफिस काटनवाडा, डिस्ट्रिक्ट ग्रहमवाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रख्नेन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्षांचित्रयों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवद किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, भश्रोइस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्पब्धीकरण :---इसम प्रमुक्त जन्में भीर पर्दो का, जो उक्त पश्चितियम के प्रकाय 20क में परिचाणित हैं, नहीं धर्ष होगा, जो उस ध्रम्माय में दिया गया है।

# प्रमृत्यी

प्रापर्टी सर्वे क० 107, 108, हिस्सा क० 2, सर्वे क० 108, हिस्सा क० 3, हुजेरी रोड, ठाना । (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क० दिनांक जनवरी, 1979 को सब रजिस्ट्रार ठाना के दप्तर में लिखा है)।

> श्रीमती पी० ललवानी स्वाम प्राविकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) जैन रेंज, पूना

तारीख: 30-4-1979

प्रकप माई• टी• एम• एस•--

भायकर ग्रीविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के ग्रीवीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, पूना पूना-9 विनांक 30 भन्नेल 1979

निर्देश सं० सी० ए० 5/एस० ग्रार० कस्याण/दिसम्बर/
78/443—यत, मुझे, श्रीमती पी० ललवानी,
श्रायकर प्रजिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिते इत्तर्ने
इंडिके वस्त्राम् 'क्वत प्रजिनियम' कहा वथा है), की बररा 269-व के बंधीन सक्तम प्राजिकारी की, वह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार यून्य 25,000/- ४० से

प्रविक्त है

भीर जिसकी सं० सर्वे क० 62, हिस्सा क० 1 बी/2 ए हैं तथा जो कस्याण में स्थित हैं (घीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता भिष्ठतारी के कार्यालय, सब रजिस्ट्रार कस्याण में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख दिसम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के जीवत बाजार मूल्य ते कम के कृश्यमाम प्रतिज्ञाल के जिए प्रमारित की गई है भीर मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि वचापूर्वोक्त सम्मत्ति का खिल बाजार कृश्य, उसके वृश्यमान प्रतिज्ञाल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिज्ञाल का पण्डल प्रतिज्ञत से श्रीक है भीर प्रमारक (अन्तर्कों) भीर सन्तरिती (धन्त्वरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्य के निए तय पासा नया प्रतिप्राण, निम्नजिज्ञित उद्देश्य से उस्त अन्तर्य किज्ञित में बास्त्विक इप से क्षित नहीं किया नया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व मं कमी नरने या उससे बचने में सुचित्रा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रस्थ प्रास्तियों को जिन्हें बारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत प्रधिनियम, वा धन-कर अधिविषम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्व जन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा वा वा किया जाना काहिए वा, जिपानें में सुविधा के लिए।

बतः बन, उन्त प्रविनियम, की बारा 269का के प्रतु-बरूव में; मैं, उन्त प्रविनियम की बारा 269का की वंपवारा (1) के बद्यीन निक्नविविद्य व्यक्तियों, अर्वात् !——

- मावानी कन्स्ट्रक्शन कं० रामनगर डोंजिबरीली (ग्रन्तरक)
- मीना को-म्रापरेटिव हौिसँग सोसायटी लि० टिलकनगर डोंढीवली ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की धवित वा तत्वंवंजी व्यक्तियों कर सूचना की ताजीज के 30 दिव की धवित थो भी अवित बाद में तमान्त होती हो, के बीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के जीतर उक्तं स्थावर सम्पत्ति में हित्तवा किसी प्रत्य व्यक्ति क्षारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरणः—इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उनत स्वधि-नियम के अध्याय 20-कः में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विधा गया है।

# अनुसूची

जमीन का क्षत्नफल 502 वर्गणीटर सर्वे कैं० 62, हिस्सा क० 1-बी/2 ए/गजबहारी पाथोली. ता० कस्याण, धोबिवली। (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क० 882, दिसम्बर 78 को सब रजिस्ट्रार कस्याण के दफ्तर में लिखा है)।

> श्रीमती पी० ललवानी सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 30-4-1979

# प्रकप आई • टी • एन • एस • ———— । प्रायकर अधिनियम 1961 (1981 का 43) की धारा 289थ (1) के सधीन सूचना गारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, पूना

पूना-411009 दिनांक 30 म्रप्रैल 1 979

निर्देश सं० सी० ए० 5/एस० ग्रार० कस्याण/दिसम्बर् 1973 444—यतः मुझे, श्रीमती पी० ललवानी— पानकर प्रविनियम, 1961(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के बसीन समाम प्राधिकारी को नह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाधार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

ग्नौर जिसकी सं० 70/1 ए/हिस्सा क० 4 प्लाट क० 2 पाडाट में है, तथा जो गणेश मंदिर रोड डोबिवली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सब रजिस्ट्रार कस्थाण में रजिस्ट्रीकरण ग्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख दिसम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिकल के लिए धन्तरित की गई है धीर मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उतके वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत धन्तिक है भीर धन्तरक (धन्तरकों) धीर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कचित नहीं किया गया है:---

- (क) सन्तरण से हुई किसी झाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के शबीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या घसरे बचने में सुविधा के सिए; धीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिम्हें भारतीय भाव-कर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधिनियम, या धन-कर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाचे मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त मिनियम की बारा 269-व के भनुसरण में, में, उक्त भिनियम, की घारा 269-व को उन्धारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयात् :---3—116GI/79

- मेसर्स मावानी कन्स्ट्रवशन कं० रामनगर, डोंबिवली । (श्रन्तरक)
- 2. प्रेम सदन को-श्रापरेटिव हौिंसग सोसायटी लि०, डोंबिगली बाटर टैंक के नजदीक गणेश मदिर रोड, डोंबिवली (ईस्ट)

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजेन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तत्सम्बन्धी क्विम्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की नारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थिक्त द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त भग्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, बड्डी प्रयं होना, जो उस प्रध्याय में विमा नया है।

## अनुसूची

प्रापर्टी :---सर्वे ऋ० 70/1 ए, हिस्सा ऋ० 4, प्लाट ऋ० 7 पार्ट गणेश मंदिर रोड, डोबिवली ।

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क० 883, दिसम्बर 78 को सब रजिस्ट्रार कस्याण के दफतर में लिखा है।

> श्रीमती पी० ललवानी सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख : 30-4-1979

प्रकृष भाई • टी • एन • एस • ----

आवकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-व (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सञ्चायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज पुणे-411009

पुणे-411009 दिनोंक 30 अप्रैल 1979

निदेश सं० सी० ए० 5/एस० आर० कस्प्राण/दिसम्बर 445/1979—पतः मुझे, श्रीमती पी० ललवानी आयरुर ग्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रीधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के अशीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- काए से ग्रीधिक है

भौर जिसकी सं० सर्व्ये कं 107 प्लाट नं० 3 है तथा जो रामनगर डोबिवली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार करुशण में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1978

16) के ग्रधान, ताराख सितम्बर, 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिकत के लिए ग्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह् प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों)
और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए
तम पामा गया प्रतिकत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण
लिखित में बास्तविक रुप से कियत नहीं किया गया है:~~

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त प्रक्रिनियम के भ्रष्टीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या श्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर धिवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिवित्यम बा धन-कर धिवित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती ब्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

चत: सब, उनत प्रधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में; मैं, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) स्रधीन निम्नितिबत न्यन्तियों, प्रथात:--- 1 मॉडर्नकन्स्ट्रकणन कं० नैसर्स मावानी कन्स्ट्रकशन कं० रामनगर, डोबिबली

(भ्रन्तरक)

2 वीणा के ऑपरेटिव्ह हौसिंग सोसायटी लि॰ राजाजी पथ, रामनगर, डोबिवली (ईस्ट)

(भ्रन्तरिती)

को यह सुवना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप---

- (क) इस सूचता के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, ओ भी धविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भग्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

क्पब्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्धों भीर पर्वो का, जो उक्त धिधिनियम के भ्रष्टमाय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रषें होगा जो उस भ्रष्टमाय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्रॉपर्टी—सर्क्वे क॰ 107 प्लाट क॰ 3 राजाजी पथ, रामनगर डोंबिवली (ईस्ट)

(जैसे की रिजस्ट्रीइन्त विलेख ऋं० 884 दिसम्बर 78 को सब रिजस्ट्रार कस्पाण के दक्तर में लिखा है)

श्रीमती पी० ललवानी मक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पुणे

ता**रीख:** 30-4-79 मोहर: प्रारूप आई० टी० एन० एस●---

ग्रायकर **गर्धि**नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 289-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (नि किण)

ग्रार्जन रेंज, पूना कार्यालय

पूना-411009, दिनांक 30 मई 1979

सं०—-यतः मुझे, श्रीमती पी० भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'जक्त ग्रधिनियमं कहा गया है), की धारा 269 घ के ब्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 र॰ से अधिक है श्रौर जिसकी सं० सर्व्हेनं० 603 है तथा जो तलेगाव दाथिड में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मावल रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6 श्रप्ततूबर 1978 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और श्रन्तरक (ग्रन्तरकों) गौर मन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11), या एक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269म के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निस्थित व्यक्तियों, अर्थात् : →

- 1 श्री बालासाहेंब हनमतराव जाघव सरस्वती सदन, बैद्य कालोनी तलेंगाव दभाड़ें, ता० मवला, जिला पूने (ग्रन्सरक)
- 2. श्रीमती मुगीलाबाई नथूराव बोंबले (गायकवाड) 1436 मूऋवार पेठ, पूना-2

(श्रन्तरिती)

को यह सूचन। जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा घंधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त ध्रधि-नियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं धर्य होगा जो उस आयक्तर में दिया गया है।

## मनुसूची

भोत जमीन का दूकडा जो सबहें नँ० 603 व तलेगांव दा भाडे, ता० मावल, जि० पुणे में स्थित हैं? मिजका ग्रकार 3 हेंक्टर 9 ग्रार हैं।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क० 808 दिनांक 8 अक्तूबर, 1978 को सब रजिस्ट्रार मावल के 4 एमे लिखा है।)

> श्रीमती पी० लालवानी सक्षम प्राधिका**री**, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जंन रेंज-पूना

तारीख 10-5-1979 मोहर: प्ररूप भाई• टी• एन• एस•⊸

भायकर ग्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, सोनीपत रोड रोहतक रोहतक, दिनांक 15 मई 1979

निर्देश सं० 5 ग्रार० एस०/3/78-79----श्रत: मूझे रक्षीन्द्र कुमार पठानिया ,

सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, रोहतक नायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269न्ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए वे प्रधिक है

श्रीर जिसकी सँ० भूमि क्षेत्रफल 9 16 कनाल 19 मरला है तथा जो सिरसा में स्थित है (श्रीर उपावड श्रनूसूची में श्रीर पूर्ण रुप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सिरसा में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख सितम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से अम के दृश्यमान प्रति-कल लिए सन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है बौर अन्तरिक (अन्तरिकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित जहेरू से उक्त अन्तरण के लिये लिखित में बास्तविक रूप से काक नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त भांध-नियम, के अधीन कर देने के भन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे सक्ते में सुविधा के लिए; भौर/या
- (क) ऐसी किसी धाय या किसी धन या घन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर ध्रिधिनियम, या धन-कर ध्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ ध्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत्तः अस, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उस्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निक्नलिखित व्यक्तियों, अर्थांत् :---

- सर्व/श्री रतन किशन सुखानी मतबना पुत्र श्री बाल कृष्ण पुत्र श्री बन्सीधर निवासी सिरसा (भ्रन्तरक)
- 2. सर्वं/श्री बलवन्त सिंह, गूरदयाल सिंह, पुत्र ईणवर सिंह जोगिन्द्र सिंह पुत्र रिनहाल सिंह, श्रीमित हरबन्स कौर पतनी जोगिन्द्र सिंह निवासी सिरसा अमर सिंह, पुत्र नन्द राम, जगदीण कुमार, पुत्र रामजी लाल निवासी गांव दड़वा कला, जिला सिरसा दनेण कुमार पुत्र श्री कांशी राम, रमेण कुमार, पुत्र जमना दास, शाम लाल पुत्र मोती लाल, रतन लाल पुत्र किदार नाथ, श्रीमित नरबदा देवी पत्नी रतन, लाल श्रीमित बसन्ती देवी विधवा किदार नाथ निवासी सिरसा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ब) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्षी चरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दी भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के भ्रष्टमाय 20-क में स्था परिभावित हैं, वही सर्थ होगा, जो उस भ्रष्टमाय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि 17 कनाल 10 मरले जो 249/18-1 खेवट नैं० 79/91 भ्रन्दर कमेटी, सिरसा में स्थित है ।

सम्पत्ति जैसे के रिजस्ट्रेशन नं० 3448 में दी गई है श्रीर जो रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी सिरसा के कार्यालय में, 4-9-1979 को लिखी गई।

रवीन्द्र कुमार पठानिया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायूक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 16-5-1979

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०---

भागकर प्रसिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज सोनीपत रोड, रोहतक रोहतक, दिनांक 15 मई 1979

निर्देश सँ० बी० जी० श्रार०/डी० एस० श्राई०/24/
78-79--श्रत: मूझे रवीन्द्र कुमार पठानिया,
सहायक श्रायकर श्रायूख्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज रोहतक
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-

६० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं प्रेंग्लाट नं 120, डी प्रिल एफ इन्डस्ट्रीयल एस्टेट नं 1 है तथा जो फरीदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध श्रनूसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 वा 16) के श्रिधीन, दिनांक श्रक्तूबर, 1978।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से धिक है भीर प्रन्तरिक (प्रन्तरकों) भीर प्रक्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखत में वास्तविक कप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त मधि-नियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या घन्य धास्तियों की, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

पतः भ्रव, उक्त मधिनियम की घारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त मधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के मधीन निकासिबित व्यक्तियों मर्थात् :---

- 1. श्री जगत कृष्ण अरोड़ा डी०-254 डिफेंस कालोनी नई दिल्ली-24 (श्रन्तरक)
- 2. मैंर्सज कनस्ट्रकणन मट्रैयित्स श्रजेंसी 116-उदे पार्क' (मस्जद मोथ पकस्टेन्शन) नई दिल्ली-110049 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविध, जो भी घविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रीवित्यम के श्रध्याय 20-क में परिभावित है, वही श्रयं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लाट नं० 120 जो डी० एल० एफ० इन्डस्ट्रीय एस्टेट नें० I में स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 1310 वर्ग गज है।

"सम्पत्ति जैसे के रिजस्ट्रेशन नं० 494 में दी गई है जो रिजस्ट्रीकर्त्ती अधिकारी दिल्ली के कार्यालय में 12-10-78 को लिखा गया "।

> रवीन्द्र कुमार पठानिया, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायूक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, रोहतक

विनांक: 15 मई, 1979

पका प्राई०टी० एन • एस • ----

मायकर प्रविनियम, 1981 (1981 का 43) की धार 269 म (1) के प्रवीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, सोनीपत रोड, रोहतक रोहतक, दिनांक 1 मई 1979

निर्देण सं० जी०आर०जी०/23/78-79—यतः, मुझे, रविन्द्र कुमार पठानिया, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

ग्रायकर ग्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें । इसके पश्चात् 'उमत ग्रिविनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिवीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्ये 25,000/- ६० से ग्रिविक है

भौर जिसकी सं० मकान नं० 194-ए है, तथा जो नथू कालोनी गुड़गांव में स्थित है (भौर इससे उपाबद भ्रनुसूची में भौर पूण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, गुड़गांव में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवम्बर, 1978 की

प्रधान, ताराख नवम्बर, 1978 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इप से क्वत अन्तरण लिखित में वास्तविक इप से क्वत नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाक्त, उक्त मिल्लियम के मधीन कर देने के मन्तरक् के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के निष्; भौर/या
  - (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोंजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, धव, उक्त ग्रधिनियम की वारा 269-ग के प्रमुप्तरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की वारा 269-थ की उपवारा (1) के अधीन निस्तिकित व्यक्तियों, ग्रधीतः--

 श्रीमती प्रेम नागपाल धर्मपत्नी श्री सोम प्रकाश नागपाल 106—डबल स्टोरी नई रिजस्द्र नगर, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

2. श्री कंवल कृष्ण कटियाल पुत्र श्री प्रकाश लाल कटियाल मार्फत मैसर्ज प्रकाश एण्ड कं० सदर बाजार, गुड़गांव

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिये एतबुद्धारा कार्यवाहियां जुक करता हूं।

उन्त सम्बत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को प्रत्रिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद म समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन म प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के मीतर उन्त स्पावर सम्पत्ति में
  हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
  पास निवित में किए जासकेंगे।

स्पक्तीकरण: --इसमें प्रयुक्त गन्दों भीर पर्दों का, जो उक्त भ्रधिनियम के भ्रष्टवाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्य होगा, जो उस भ्रष्टवाय में दिया गय है।

# यमुसूची

मकान नं० 194-ए जो नयू कालोनी गुड़गांव में स्थित है। "सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रेशन नं० 3052 में वी गई है ग्रीर जो रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी गुड़गांव में कार्यालय में 29-11-78 को लिखा गया।"

> रवीन्द्र कुमार पठानिया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, निरीक्षण श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 15 मई 1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---णायकर घिषिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 15 मई 1979

निर्वेश सं० बी० जी० ग्रार०/डी० एल० ग्राई०/32/78-79—यतः, मुझे, रवीन्त्र कुमार पठानिया,

धायकर धर्धिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के धर्धीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- इपए से धर्धिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 139 डी० एल० एफ० इंडस्ट्रीयल एस्टेट नं० I है, तथा जो फरीदाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1978 में

पूर्वोक्त सम्पत्ति के जित्त बाजार भूस्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है घौर मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य जसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) घौर पन्तरिती (पन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित जहेश्य से जक्त प्रन्तरण विश्वित म बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उक्त भिर्मित्यम के प्रधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने का उससे बचने में सुविधा के किए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायें अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः मन, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्बात:—  श्री जय भगवान गोयल बी-177 ग्रेटर कैलाण-1 नई विल्ली-110048

(ग्रन्तरक)

2. (1) श्री ए० एस० डोसा

(2) श्रीमती ए० एस० डोसा डी-60, पन्चशील इन्क्लेब नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से -45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि जो भी भविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति धारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सक्तेंग ।

स्वतीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त भिवित्यम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्लाट नं० 139 क्षेत्रफल 1375 वर्ग गण जो डी० एल० एफ० इंडस्ट्रीयल एस्टेट नं० 1, फरीदाबाद में स्थित है। श्रीर सम्पत्ति जैसे कि रिजस्ट्रेशन नं० 546 में दी गई है जो रिजस्ट्रीकर्ती श्रिधकारी दिल्ली के कार्यालय में 13-12-1978 को लिखी गई।

रवीन्द्र कुमार पठानिया, सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 15 मई 1979

प्रस्प धाई० टी० एन० एस०----

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-भ (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 15 मई 1979

निर्देश सं० ग्रार० टी० के०/4/78-79—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार पठानिया,

भायकर श्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिविनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रिवीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूस्य 25,000/- रुपये से श्रिष्ठिक है

ग्रीर जिसकी सं० गोदाम नं० डब्ल्यू०-19/81 का हिस्सा है तथा जो काठ मण्डी, रोहतक में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबंब श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, रोहतक में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख दिसम्बर,

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित एड्रेश्य से उक्त अन्तरण जिख्य में बास्तविक कप से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रभीन कर देने के प्रश्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; धौर/या
- (ब) ऐसी किसी द्याय या किसी द्वन या धन्य द्यास्तियों को, जिन्हें भारतीय द्यायकर द्यविधियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त द्यविधियम, या धन-कर द्राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य द्यन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविद्या के लिए;

श्रतः धन, उन्त श्रश्चिनियम की भारा 26\$-ग के श्रनुसरण में, में, उन्त श्रश्चिनियम की धारा 269-व की उपवारा (1) श्रजीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रवीत्:---  श्री रोगन लाल पुत्र श्री कालू राम हंम निवासी मकान नं० 17 वार्ड नं० 12 गुरु नानक पुरा, रोहतक

(भ्रन्तरक)

2. सर्वश्री राम किशन, राम फल पुतान श्री भरत सिंह जाट मकान नं० 181-ए, डी० एल० एफ० कालोनी रोहतक।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविति, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की भविति, जो भी भविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण: → इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिषिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भर्ष होगा जो उस श्रष्टवाय में दिया गया है।

# अनुसूची

गोदाम नं० डब्ल्यू०-19/81 का हिस्सा जो काठ मण्डी, रोहतक में स्थित है । "सम्पत्ति जैसे कि रिजस्ट्रेशन नं० 3438 में दी गई है श्रौर जो रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी रोहतक के कार्यालय में 1-12-1978 को लिखी गई ।"

रवीन्द्र कुमार पठानिया, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर न्नायुक्त (निरीक्षण), न्नर्जन रेंज, रोहतक

तारीखा : 15 मई 1979

प्र€प माई० टी∙ एन∙ एस∙───

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-ष (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्मालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 15 मई 1979

निर्देश सं० भ्रार० टी० के० /5/78-79—यतः, मुझे, रबीन्द्र कुमार पठानिया,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पये से प्रधिक है

भौर जिसकी सं गोदाम नं उड्ल्यू०-19/81 का हिस्सा है, तथा जो काठ मन्डी, रोहतक में स्थित है (भौर इससे उपाबब भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, रोहतक में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख दिमम्बर, 1978 में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए पन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत प्रधिक है घोर पन्तरक (प्रकारकों) घौर पन्तरिती (प्रकारितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण विविक्त में बास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त मिश्रियम के अधीन कर दैने के ग्रन्तरक के दापित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी धन या बन्य ब्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ब्रायकर ब्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ब्रिधिनियम, या धन-कर ब्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ब्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त मिमिनयम की घारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त मिमियम की घारा 269-च की उपसारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:—— 4—116G1/79 1. श्री सुभाष चन्द्र पुत्न श्री कृपा राम हंस नियासी श्रार्यं नगर, रोहतक

(ग्रन्तरक)

2. (1) श्री सूरत सिंह पुत्रश्री मधू राम

(2) श्रीमती मान्ती धर्म पल सूरत सिंह निवासी गांव बाहू श्रकबर पुर (रोहतक)

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी
  भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब दें
  किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, ग्रघोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्धों भीर पदों का, जो जक्त भिधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रथं होगा जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

#### अमुसू ची

गोदाम नं० डब्ल्यू०-19/81 का हिस्सा जो काठ मन्डी रोहतक में स्थित हैं। सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रेशन नं० 3690 में दी गई है जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी रोहतक के कार्यालय में 26-12-1978 को लिखा गया !

> रबीन्द्र कुमार पठानियाः सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 15 मई 1979

मोहर ः

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 15 मई 1979

निर्देश सं० बी० जी० आर०/डी० एल० आई०/33/78-79---यत:, मुझे, रवीन्द्र कुमार पठानिया, धायकर घिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त घिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- क० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 141, डी० एल० एफ० इंडस्ट्रीयल एस्टेट नं० 1 है, तथा जो फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1979 में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उवित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उवित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह पतिज्ञत से अधिक है और अन्तरफ (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बाहतविक कप से कियत नहीं किया गया है।——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उकत प्रधिनियम के घ्रधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने पा उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भाग्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भाग-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर ग्रिप्तियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भारतियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या भिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भवः जनत मधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुखरण में, में, उक्त धिधनियम की अारा 269-म की उपशाध (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- 1. श्रीमती बिमला कुमारी गुप्ता धर्म पत्नी श्री डी० श्रार० गुप्ता एन-155 पन्चशील पार्क नई दिल्ली-110017

(भ्रन्तरक)

 मेमर्ज गुडीमानी इन्द्रप्राइज (इण्डिया) 70-न्यू स्रोखला इंडस्ट्रियल कम्पलैक्स फेज-1 नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

जन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकालन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त भ्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राज्यत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
  में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त गन्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियस के भाष्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही भर्ष होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

## **भनुस्**चो

प्लाट नं० 141 क्षेत्रफल 1375 वर्ग गज जो डी० एल० एफ० इंडस्ट्रीयल एस्टेट नं० 1 में स्थित है।

"सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रेशन नं० 13 में दी गई है श्रीर जो रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी दिल्ली के कार्यालय में 12-1-1979 को लिखा गया ।

> रतीन्द्र कुमार पठानिया, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीखा: 15 मई 1979

प्ररूप भाई• टी॰ एन॰ एस॰----

# भायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 17 मई 1979

निर्देश सं० ए० एम० बी०/6/78-79—यतः, मझे, रवीद्र कुमार पठानिया,

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम श्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छिचत बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान नं० 3703/28 है, तथा जो पंसारी बाजार, श्रम्बाला छावनी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ अनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रम्बाला में रिजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1978 में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य सकके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचित अन्तरण लिखित वास्तिक से रूप से कियत नहीं किया गया है।—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रिकि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए।

श्रतः ग्रब, उक्त श्रिधिनियम की घारा 269-ग के श्रनुसरण में, मै, उक्त श्रिधिनियम, की घारा 269-च की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयति :—  श्री श्रोम प्रकाश पुत्र श्री ठाकर दास निवासी चण्डीगढ

(भ्रन्तरक)

 मैसर्ज लछमन दास एण्ड सन्ध पंसारी बाजार, श्रम्बाला छावनी ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति ग्रर्जन के लिए कार्मवाहियां करता हूं।

उस सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम, के शब्दाय 20क में परिभाषित है, वही श्रथं होगा जो उस शब्दाय में दिया गया है।

## क्षनसंची

मकान नं० 3703/28 जो पंसारी बाजार श्रम्बाला छावनी में स्थित है ।

"सम्पत्ति जैसे कि रिजस्ट्रेशन नं० 3216 में दी गई है जो रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी ग्रम्बाला के कार्यालय में 26-9-78 को लिखा गया।"

> रवीन्द्र कुमार पठानिया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रोज, रोहतक

तारीख: 15 मई 1979

## प्रकृप माई• टी• एन• एस•----

# भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रजीत सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सङ्घायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 17 मई 1979

निर्देश सं० जी० आर० जी०/8/78-79—यतः, मुझे, रबीन्द्र कुमार पठानिया,

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्पावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- द॰ से अधिक है

भ्रीर जिसका सं० 4--इन्डस्ट्रीयल एस्टेट है, तथा जो गुड़गांव दिल्ली रोड, गुड़गांव में स्थित है (श्रीर इमसे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गुड़गांव में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908

का 16) के अधीन, तारीख श्रक्तूबर, 1978 में
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
बृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरिस की गई है
धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यशापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से धिषक
है बौर धन्तरक (धन्तरकों) भौर धन्तरिती (धन्तरितियों)
के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल,
निम्निशिक्त उद्देश्य से उक्त धन्तरण शिक्तत में बास्तविक रूप से
क्षित नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण से बुई किसी माय की बाबत, उक्त बिंबिक नियम के मधीन कर देने के मन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के मिए; भीर/या
- (च) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अम्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिश्वित्यम, या धन कर भिश्वित्यम, या धन कर भिश्वित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः प्रव उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण कें; वें उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) ऐ श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचांक्।— 1. मैंसर्ज पेयन टालबरोज लि॰ 13-डी, सागर श्रपार्ट-मटस तिलक मार्ग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. मैं सर्ज सी० एन० ए० एक्सपोर्ट प्रा० लि० ए-46, नारायण इंडस्ट्रीयल एरिया फेंज-1, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के पर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबब किसी ग्रम्थ क्यक्ति द्वारा, ग्रन्नोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पळिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उन्ध ग्रिकियम के प्रध्याय 20-क में परिचावित हैं, वहीं ग्रचं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुतुची

फैक्ट्री नं० 4-इंडस्ट्रीयल एस्टेट जो गुड़गांव-दिल्ली रोड, गुड़गांव में स्थित है श्रीर सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रेशन नं० 2748 में दी गई है जो रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी गुड़गांव के कार्यालय में 27-10-1978 को लिखी गई।

> रवीन्द्र कुमार पठानिया, सक्षम प्राधिकारी ∎हायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारी**ख**: 17-5-1979

मोहरः

## प्रकप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

# भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज रोहतक रोहतक, दिनाक 26 मई 1979

निर्देश सं० जे० डी० म्रार० /4/78-79—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार पठानिया

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उन्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ६० से अधिक है

मौर जिसकी सं० फैक्ट्री इमारत है तथा जो जैसी को कालोनी जगाधरी में स्थित है (ब्रीर इससे उपाबद अमसूची में ब्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ब्रधिकारी के कार्याक्षय जगाधरी में रिजस्ट्रीकरण ब्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1978 में

पूर्वोक्षत संपत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और मन्तरिक (मन्तरिकों) और मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफम, निम्निष्धित उद्देश्य से उक्त मन्तरिक, लिखित में वास्तविक कप से क्षित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रिक्ष नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; ग्रीर/बा
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भागकर भिवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिवित्यम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए बा, फिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के प्रतृ-प्ररूप में, में, उक्त अधिनियम की बारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निक्नलिखित व्यक्तियों। अर्थात् :---- 1. मैसर्जा वी० भ्रार० रोलिंग मिल्जा जगाधरी डारा श्री हकूमत राग पुत्र श्री बिणन दास श्री विजय कुमार सन्त कुमार पुत्रान श्री हकूमत राय (हिस्से-दार) जगाधरी

(ग्रन्तरक)

2. श्री हरीश चन्द्र पुत्र श्री दुर्गा दास श्रीमती कृष्णा वंती पत्नी दुर्गा दास श्रीमती जसबीर कौर पत्नी श्री चनन सिंह श्री ग्रमरजीत सिंह पुत्र श्री हरी चन्द्र निवासी गांव बुड़ीया।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, मघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दो का; जो उक्त अधि-नियम के भध्याय 20-क में परिमाणित है वही अर्थ होगा, जो उस धब्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फैक्ट्री इमारत जो जैसी को कालोनी जगाधरी में स्थित है और सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रेशन नं० 2136 में दी शिई है जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जगाधरी के कार्याक्षय में सितम्बर 1978 को लिखा गया ।

> रवीन्द्र कुमार पठानिया, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 26 मई 1979

प्रकप धाई• टी• एत• एस•---

आयकर प्रधिनियम; 1961 (1961 का 43) की घारा 269 प (1) के प्रधीन सूचना

नारत सरकार

कार्यासय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 26 मर्ट 1979

निर्देश सं० जे० डी० झार०/3/78-79—स्यतः, मझे रवीन्द्र कुमार पठानिया

बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रवीम सकाम प्रशिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- द॰ से प्रक्रिक है

श्रीर जिसकी सं० सम्पत्ति जो प्लाट नं० ई-25 इंडस्ट्रियल एरिया है तथा जो यमुनानगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जगाधरी में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख सितम्बर 1979 में

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उसित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मण्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, असके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्य ह प्रतिशत से मिन्न है और प्रम्तरक (मन्तरकों) मीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अश्तरण के लिए तय पामा गमा प्रतिफल, निम्नलिखित खहेंग्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी खाय की बाबल उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के खम्लप्रक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविज्ञा के खिए; जौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी बन वा मन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय माय-कर मिश्रित्यम, 1922 (1922 का 11) या चन्त मिश्रित्यम, या मन-कर मिश्रित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनामं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः, **धव उन्त प्रक्षिनयम की बारा 26% के** अनुसरण में, के **उन्त अधिनयम की बारा 26% की** उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित **अधिनयों, जर्मात**:—

- मैंसर्ज सेवा सिंह मना सिंह इंडस्ट्रीयल एरिया यमुना नगर द्वारा श्री इकबाल सिंह पुत्र श्री बचन सिंह मनबीर सिंह पुत्र श्री जीत सिंह यमुना नगर (ग्रन्तरक)
- 2. श्री सेवा सिंह पुत्र श्री मना सिंह निवासी यमुना नगर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की सबिध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की प्रविध जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतरा;
- (बा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पथ्वीकरण:--इसमें प्रपुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के घध्याय 20-क में परिनाधित हैं, बही धर्य होगा जो उस घध्याय में दिया गया है।

## मनु सूची

सम्पत्ति जो प्लाट नं० ई-25: इंडस्ट्रियल एरिया यमुना नगर में स्थित है।

"सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रेशन नं० 2131 में दी गई है जो रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जगाधरी के कार्यालय में सितम्बर 1978 को लिखा गया ।"

> रवीन्द्र कुमार पठानिया, सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, रोहतक

तारीख: 26 मई 1979

प्रकप आई• टी• एन• एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के धधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 4 जून 1979

निर्देश सं० के० एन० एल०/8/78-79--श्रतः मुझे रवीन्द्र कुमार पठानिया, अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'स्वतः मधिनियम' कहा गया है), की 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/- **व**पये से भक्षिक है मुस्य ग्रौर जिसकी सं० दुकान नं० सी-635, है तथा जो करन गेट करनाल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, करनाल में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख सितम्बर, 78 में पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित दाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के **जिए अन्त**ित की गई है**भौ**र मुझेयह विश्वास करने का कारण है कि यथपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, रुसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगत से अधिक है भीर अन्तरक (ग्रन्तरकों) यौर ग्रन्तरिती (अरिन्तितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।--

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त मिछ-नियम, के अधीन कर देने के अध्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: भौर/या
- (ख) ऐसी किसी अन्य या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) पा उपत अधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दारा प्रकट नहीं किया गया था या किया काना चाहिए था छिपाने में मृविधा के लिए;

धतः, भनः, उनत पधिनियम की घारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निग्निजित क्यिक्सियों, अर्थात् --- (1) 1. श्री प्यारे लाल पुत्र श्री बेली राम, 2. श्रीमती मोहिन्द्र कौर पत्नी श्री प्यारे लाल, निवासी मदर बाजार, करनाल।

(भ्रन्तरक)

(2) 1. श्री राजिन्द्र सिंह ए.ण्ड मं० (मं० हिन्दु परिवार) 2. सर्वश्री सरन पाल सिंह, राजिन्द्र सिंह, जोगिन्द्र सिंह पुत्रान श्री राजिन्द्र सिंह, निवासी मकान नं० 255-एल, माडल टाऊन, करनाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की वारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के शक्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस शक्याय में दिया गया है।

# ग्रनुसूची

सम्पत्ति जोिक दुकान नं० सी-635 करन गेट, करनाल तथा जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता करनाल के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 3828 तिथि 29-9-78 में दिया है।

> रगीन्द्र कुमार पठानिया, सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), भर्णन रेंज, रोहतक

तारीख: 4-6-1979.

प्रकप भाई • टी • एन • एस • ---

# आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याज्ञय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, धारवाड़

धारवाड़, दिनांक 24 म्रप्रैल 1979

निर्देश सं० 246/79-80/एक्यू०--यतः मुझे पी० सत्यनारायण राव,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है); की वारा 269-वा के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति; विसका उचित बाबार यूक्य 25,000/- व∙ से प्रधिक है

भ्रौर जिसकी सं० 5-2-5/1 (पुराना), 5-3-84/2 (नया) है, जो दुल्हन रदवाजा, बीदर में स्थित है (भ्रौर इससे उपा-बद्ध श्रनुसूची म भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिक्षिशरी के कार्यालय, बीदर मंडर डाक्यूमेंट नं० 1181/78-79, दिनांक 28-10-78

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की बई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यबापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पम्द्रह् प्रतिवात अधिक है और अन्वरक (अन्तरकों) और अन्तरिती-(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरच के निये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नसिचित उद्देश्य से बक्त अन्तरच सिचित में वास्त्रिक कप से कवित नहीं किया नया है:---

- (क) प्रग्तरव से हुई किसी बाय की बावत उक्त शिध-नियम के प्रश्नीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करणे या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य मास्तियों को चिन्हों भारतीय भायकर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिये।

प्रतः प्रव, उक्त प्रश्निनियम की घारा 269-न के अनुसरण में, में, उक्त प्रश्निनियम की घारा 269-न की उपवारा (1) के अन्नोन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकृतः— (1) श्रीमती लीलादेवी पत्नी श्री शाम सुन्दर बोरा, निवासी दुल्हन दरवाजा, बीदर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री विनोद लाल पुत्र श्री प्रभुदयाल, निवासी सिद्धिमबर बाजार, हैदराबाद।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाह्मेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की सबिध मा तत्संबंधी क्य क्तियों पर सूचना की तामी का से 30 दिन की सबिध, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्य क्तियों में से किसी क्य क्ति दारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उन्त स्वावर सम्पत्ति में हितकदा किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास निकात में किए का सकेंगें।

हपक्ती करण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों बीर पर्यो का, जो उक्त अधिनियम के अक्याय 20-क में परिचाबित हैं, वही धर्म होगा, जो उस प्रक्ष्याय में विमा गया हैहै।

# प्रनुत्रूची

सम्पत्ति नं० 5-2-5/1 (पुराना) याने 5-3-84/2, (नया) जो मकान एवं जगह जिंक रोड, गोदाम खुला जगह, कांपोंड वाल भौर कुंवा दुल्हन दरवाजा, बीदर में स्थित है।

> पी० सत्यनारायण राव, मक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज, धारवाड़

तारीख : 24-4-1979.

- प्ररूप ग्राई० टी∙ एन० एस∙—

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्खायक भायकर भागुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, धारवाड़

धारवाड़, दिनांक 24 भ्रप्रैल 1979

निर्वेश सं० 247/79-80/एक्यू०—यतः मुझे, पी० सस्यनारायण राव,

भायकर मिंचिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिंघिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मिंघीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-क्पए से मिंक है

श्रीर जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० 2176 है, जो गांघी रोड, हावेरी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यान्य, हावेरी श्रंडर डाकुमेंट नं० 557, विनांक 16-10-1978 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित काजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की वई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से श्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित म वास्तविक रूप से किंवत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भीविनियम के भीविन कर देने के भग्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठिनियम या भन-कर भिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा भकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में स्विधा के लिए;

धतः धव, उक्त प्रविनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग की उपधारा (1) के एधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्थात्:—- 5—116GI/79

(1) 1. श्री वीरप्पा, 2. बनवराज, सन्स म्राफ हनमंतप्पा उर्फ गुरुपादप्पा हालप्पनवर, हावेरी।

(भ्रन्तरक)

(2) सर्वश्री 1. चंपालाल मिर्समल जैन, हावेरी, 2. सोहन लाल मिर्समल जैन, हावेरी, 3. मूल-चंद मांगीलाल जैन, हावेरी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वों≉त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी घाकीप---

- (क) इस सूचना के राचपन्न में प्रकाशन की खारीब से 45 दिन की मनिष्ठ या तरसम्बन्धी क्यक्तियों वर सूचना की तामील से 30 दिन की मनिष्ठ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उन्त श्रीधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रथं होगा जो उस भ्रध्याय में विया गिया है।

# प्रमुखी

सम्पत्ति जिसमें दुकान श्रौर घर है, जिसका सी० टी० एस० नं० 2176 जो गांधी रोड, हावेरी में स्थित है।

> पी० सत्यनारायण राव, मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रजंन रेंज, धारवाड़

तारीख: 24-4-1979.

मोहरः

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०----

**धायकर** मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्धातय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, धारवाड़

धारवाड, दिनांक 24 म्रप्रैल 1979

निर्देश सं० 248/79-80/एक्यू०---यतः मुझे पीक् सस्यनारायण **रा**व,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से भिधक है

भीर जिसकी सं० सर्वे न० 85/2 है, जो केस विनमाने गांव, जागरा होबालि, ताल्लुक मुडिगरे में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, चिकमंगलोर ग्रंडर डाकूमेंट नं० 1433/78-79, में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 5-10-78

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किया गया है:—

- (क) धन्तरण में हुई किसी ग्रायकी बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के श्रधीत कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या श्रन्य भ्राहितयों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग के भ्रमुसरण में, मैं, **एक्त भिधि**नियम, की घारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों भ्रथीत :--- (1) सर्वश्री 1. एम० एस० क्रुटणस्वामी, पुत्न एम० एस० सुक्रुत्स्थाहेट्ट, 2. एम० एस० नारायणमूर्ति पुत्न एम० एस० एस० एस० एन० एन० राजणंकर, पुत्न एम० एस० निर्वाणस्वामी, 4. एम० ग्रार० शिवकुमार, पुत्न एम० एन० राजणंकर, 5. एम० ग्रार० संजय पुत्न एम० एन० राजणंकर, 6. एम० एन० लिक्शवनारायण, पुत्न एम० एस० निर्वाणस्वामी, 7. एम० एल० रघुनंदन, पुत्न एम० एन० लाकशिनारायण।

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स कोमल्स काफी हिल्स, रिजस्टर्ड पार्टनरिशप फर्म, हलासे पोस्ट मुडिगेरे, तालूक। (श्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त समाति के श्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्मस्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त अधि-त्यिम, के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

काकी मिलिकयन जिसका नाम है "चांदनी एस्टेट" माला 53 एकड़ 26 गुंटा, जो सर्वे नं० 85/2, कंसविनमाने गांव, जागरा होबालि, चिकमगलूर तालुक में स्थित है।

> पी० सत्यनारायण राव, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, धारवाड़,

तारीख: 24-4-1979,

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 18 जनवरी, 1979

सं० 870--यतः मुझे बी० बी० मुब्बानराव, ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है

भ्रौर जिसकी सं० 22-बी-5-91 है, जो ऐलक् में स्थित है (श्रौर इससे उपावद प्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, एलक् में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 2-9-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त समानि का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफत से ऐंग दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह् प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम,
   के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किमी घन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरित्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त भ्रधिनियम की धारा, 269 ग के अनुपरण में मैं, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1), भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रयीत - - (1) सर्वश्री 1. ए० वी० चलपतिराव, 2. ए० हरिक्वष्ण, हैदराबाद, 3. ए० श्रच्युतराव, 4 ए० प्रध्युमना हैदराबाद, 5. ए० वी० मुब्बाराव, 6. ए० दमयन्ती, राजमन्द्र ।

(भ्रन्तरक)

- (2) डा॰ एम॰ जगदीम चन्नद प्रसाद, ऐलस्। (म्रन्तरिती
- (3) श्री स्वक्ष्यराणी नर्राप्तग होम, ऐलूरू। (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजन के संबंध में कोई भी आक्षेत:---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशा को तारी ख से 45 दिन की अपन्य या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में पमाप्त होती हो, के मौतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिश के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबढ़ किसी यन्त्र व्यक्ति द्वारा, अबोड्स्ना क्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दोक्तरणः —-इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के श्रद्धाय 20-क में परिभाषित है, वही अयं होगा, जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है!

# अनुसूची

ऐलक रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-9-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3249/78 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति।

> बी० वी० सुब्बाराव सक्षम ग्रधिकारी सह्यक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) एम० वी०ग्रर्जनरेंज,काकीनाडा

तारीख: 18-1-1979

प्ररूप आई। टी० एन० एस०---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269व(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 14 दिसम्बर 1978

निदेश सं० छ 1-33/ग्रर्जन—ग्रतः मुझे ग्रमर सिंह बिसेन भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मिनि सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६पए से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या प्लाट 2-ब 4/क्षेत्रफल 195.62 वर्ग-मीटर है तथा जो मोहल्ला सागर सराय मराद्याबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ ग्रनमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रिजिस्ट्री करण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 31-5-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिख्य में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भिक्षितियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिंघिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिंघिनियम या ग्रन-कर भ्रिंघिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्थरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धत: धन, उक्त मिधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्यात्:--- (1) श्री महेश कुमार।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती दर्शाना देवी।

(भ्रन्तरिती)

(3) खुद के।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पद्यों का, जो उक्त श्रिष्ठितियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रष्ट्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

एक किता मकान (फलैट नं० 2 व 4) कुल रक्षई 195.62 वर्गमीटर बार्के मुरादाबाद मोहल्ला सागर सराय कोठी कुमार कुज व मम्पत्ति का बह सब विवरण जो कि सेल डीड व फार्म 37 जो संख्या 2399 में दर्ज है जोकि सब-रजिस्ट्रार मुरादाबाद के कार्यालय में दिनांक 31-5-78 को दर्ज है।

ग्रमर सिंह बिसेन सक्षम ग्रिधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीखा: 14-12-1978.

मोहरः

## प्रकप भाई • टी • एन • एस • ----

भाषकर भिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के भीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 24 म्रप्रैल 1979

सं० 883—यतः मझे बी० वी० सुब्बाराय धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- क० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 12-1-4 है, जो काकीनाडा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 7-9-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह किश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर ग्रन्तरक (अन्तरकों) प्रौर प्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी घाय को बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन, कर देने के घम्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी फिसी प्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय प्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने के सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रव, उन्त धिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, म, उक्त भिर्मितयम की धारा 269-च की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) सर्वश्री 1. पी० फ्रान्किलन राजाराव, करनल, 2. पी० ग्रालबर्ट साम्युलजयराव, हैदराबाद 3. पी० ग्रारथर डेनिड अयोतिराव, खाजीपेट 4. पी० जेम्स सेंजीवराव, बेंगलूल। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री एम० वरल श्री, 12-1-4, काकीनाडा। (भ्रन्तरिती)
- (3) सर्वश्री 1. ए० वीरराघवराव, 2. जी० सिव प्रसाद, काकीनाडा। (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचता जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन ने लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्यत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्होकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों ख्रीर पर्वो का, जो उनत स्रवि-नियम, के सध्यास 20-क में परिभाषित है, वही सर्व होगा जो उम सध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

हाकीताडा एजिस्ट्री अधिहारी से पाक्षिक श्रंत 15-9-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 5315/78 में निगमित अनसूची सम्पत्ति।

> बी० वी० सुब्बाराव, सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) एम० बी० श्रर्जनरेंज, काकीनाडा

तारीख: 24-4-1979.

मोहरः

प्रकप धाई॰ टी॰ एत॰ एस॰----
पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सदकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलोर, दिनांक 4 अप्रैल, 1979

निर्देश सं० सी०आर०-62/21878/78-79/एक्यू०---यतः मझे पी० रंगनाथनः

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से भिष्क है

ग्रीर जिसकी सं० 308. छः मेन है, तथा जोएच० एस० नं०-II स्टेज, इंदिरा नगर, बेंगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री हर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, शिवाजि नगर, बेंगलर में रिजस्ट्री करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 5-10-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वा करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरहों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निर्त्तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबन उक्त ग्रिविनयम के ग्राधीन कर देने के ग्रन्तरक के वाश्रित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ग्रीर/या
  - (ख) ऐसी किमी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त, मिधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-म की अपधारा (1) के अधीन निम्नलखित व्यक्तियों अर्थात :-

(1) श्रोमित 1. सुपंगला देवी, पत्नी बी० एस० भद्रजा, 2. बी० एस० भद्रजा, पुत्र बी० सिद्धालिगप्पा,, नं० 14, बसप्पा ले-श्रीट, गाविपुरं एक्स्टेनशन बेंगलूर-18।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बी० ए० सुब्बराव पुत्र श्री अंबाजि राव, नं० 16, एम० एच० जी० एच०-II स्टेज, इंदिरा-नगर, बेंगलूर-38।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति यों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा गर्कोंगे।

पपब्ही तरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उकत श्रधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

[दस्तावेज सं० 1790/78-79, ता० 5-10-78] सारा सम्पत्ति का नं० 308, चौथी मेन, एच० एल०-II स्टेज, बेंगलूर-38। चकवंदी:

पू: खालि जगह का नं० 309 प: खाली जगह का नं० 307,

द : खाली जगह का नं० 347 स्रीर 348

उ : रोड।

पी० रंगनाथन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 4-4-1979.

प्रस्प शाई० टी० एन० ए४०-----

**धायकर ग्रंधि**नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प(1) के ग्रंधीन मूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर पायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, विनांक 6 म्रप्रैल, 1979

निर्वेश सं० सी० भ्रार०-62/21104/79-80/एक्य०/ बी०--यतः मझे पी० रंगनाथन, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा

269-इन्के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाकार मूल्य 25,000/- द∙ से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 8-17-1503 है, तथा जो कुदरोली वार्ड, एम० एम० रोड, मननगुडडा, मेंगलूर में स्थित है, (श्रीर इससे उपावड अनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीहर्ना श्रिधकारी के कार्यानय मेंगलूर, दस्तावेज सं० 527/78-79 में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908

का 16) के अधीन, तारीख 11-9-1978

को पूर्वेक्ति सम्पनि के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि समापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्नविश्व हम से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बावत, उक्त प्रश्नियम के मधीन कर देने के मन्तरक के वाधिव में कमी करने या उससे यवने में सुविद्या के लिए, और/या
- (सा) ऐसी किसी आप या किसी जा या मन्य मास्तियों, को जिन्हें भारतीय माय-कर मिधनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त मिधनियम, या ध -कर मिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा छिमाने में सुविधा के लिए;

बतः ग्रव, उक्त ग्राधिनयम की धारा 269-ग के अभुतरण में, में, उक्त ग्राधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मिस मयारी स्टिकन, पुत्नी ग्राई० के० स्टिक<sup>न</sup> रिटाइर्ड नर्रासग सुप्रिन्टेंडेंट, बलमटटा नियो रोड, मंगलूर-1।

(भ्रन्तरक)

(2) डाक्टर भ्राणा डी० कामत पत्नी दत्तादेवा पी० कामत मेडीकल प्रेक्टिणनर बरके मेंगलूर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजान के सम्बन्ध में **कोई** भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की धविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी ग्रम्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाकाणकरण :--क्समें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पर्दो का, जो उक्त अधिनियम के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं पर्य होगा जो उस ग्रध्याय में विशा गया है।

# अमुसूची

(दस्तावेज सं० 527/78-79, तारीखा 11-9-78) घर सम्पत्ति तथा जो सं० 8वीं कुदरोली वार्ड, कोडेल-बेल विलेज, मेंगलूर में है जिसका सं० है ग्रार०एस०-947 ग्रौर टी० एस० 1159-13, नया सं० 8-17-1503।

> पी० रंगनाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 6-4-1979. मोहर:

## प्रकृप साई- टी-एन- एत----

# भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भ्रष्टीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक भायकर भायका (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 6 श्रप्रैल 1979

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सम्मान प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूक्य 25000/- क्पए से प्रधिक है

ष्रौर जिसकी सं० 12-1-786-ए 785/3, 786, 786/1, 786/2 787, 788, 789, 790 श्रौर 791 है, तथा जो 12 डेरेबेल वार्ड, उरवाकुलू फेरी रोड, मेंगलूर-575006 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, दस्तावेज सं० 546/78-79 मेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 16-9-1978

को पृत्रोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के वृत्रयमान प्रिष्ठिक्त को पृत्रोंक्त सम्पत्ति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृत्रयमान प्रतिफल से, ऐसे वृत्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत्त धिक है धौर प्रन्तरक (धन्तरकों) धौर प्रन्तरितों (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्ननिश्वित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तविक कथ से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) स्रम्तरण में हुई निसी माय की वानत, उक्त अघिनियम के अधीन कर देने के सन्तरक के दायिक में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के शिए; भीर/या
- (च) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों तो, जिन्हें मान्स्तीय भाषकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं प्रश्नित्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुवेधा के लिए।

प्रतः प्रव उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के धक्तुशरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-थ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, प्रयोत :---

- मिसेज मोहिनी एस० पाचे पत्नी ए० सुबराया पाये नियर उरवा स्टोरस घ्रणोक नगर, मेंगलूर-6 (ग्रन्तरक)
- श्री हेनरी पिन्टो पुत्र जारज पिन्टो गुरीकारस होज पिन्टो लेन, कोडलबेल मेंगलूर

(प्रन्तरिती)

- 3. (1) श्री बी० वसंताराव
  - (2) डाक्टर राजेन्द्र प्रसाद
  - (3) एम० सदाशिवा भण्डारी
  - (4) मिथायल डाकोस्टा
  - (5) पी० राजगोपाल राव
  - (6) के० चन्द्र शेखर
  - (7) मुद्दो षट्टो
  - (8) रदरप्प भाचार भ्रौर गणपति भ्राचार
  - (9) डाक्टर ग्रार० वी० बोकूर श्रौर मिसेज के० श्रार० बोलूर
- (10) एम० सी० सी० बैंभ लिमटेड (वह ध्यक्ति जिसके ग्रिक्षिभोग में सम्पत्ति है) गेयड सचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी झाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविछ, जो भी घविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवड़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्स्थावारी के पास जिल्लात में किए जा सकेंगे ।

स्पब्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पर्दों का, जा उक्त धान्न-नियम के धान्याय 20-क में यका परिधाणित है। वही ग्रामें होगा, को उस ग्राम्याय में दिया गया है।

### यनुसची

(दस्तावेज सं० 546/78-79 तारीख 16-9-78) घर सम्पत्ति सं० 12-1-786-ए, 785/3, 12-1-786, 786/1, 786/2, 787, 788, 789, 790 श्रीर 791 तथा जो 12 डेरेबेले वार्ड, उरवा कुलू फेरी रोड, मेंगलूर-575006।

> पी० रंगानाथन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज, बेंगलुर ।

तारीख: 6-4-1979

कार्यालय, महायक ग्रायकर भागुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, धारवाड़

धारवाड़, दिनांक 11 भ्रप्रैल 1979

निदेण सं० 459/(3/79)/78-79/ए० सी० क्य्०/ नोटिस सं० 244/78-79(डी)—यतः, मुझे, पी० रंगनाथन, आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रथिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रुपए संप्रधिक है

स्रोर जिसकी सं० बिल्डिंग नं० 1, 2, 3 है, तथा जो स्रोर 4 स्रान मीजिइना नं० 2693, 2694, 2695 स्रोर 2696, (बंगलो नं० 954, 955, 956 स्रोर 957) वार्ड नं० 4, मार्युगोवा में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कर्यालय मार्मुगोवा में रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन , तारीख 8-9-1978

पूर्वोन्त सम्पत्ति के उचित बीजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत धर्षिक है और अन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त धन्तरण लिखित में वास्तविक स्थान के कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ पास्तिओं को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर मिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें सुविधा के लिए;

 मैसर्स भौगुले रियल एस्टेट श्रीर कन्स्ट्रक्णन कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड चौगुले ह्रीम मार्यु गोवा—हार्बर, गोवा ।

(भ्रन्तरक)

- 2. मैंसर्स चौगुले और कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड, चौगुले हौम, पार्म्गोया--हार्बर, गोवा। (अस्तरिती)
- 3. बंगलीज लाइसेंस का नं० :--
  - (1) बंग्लो नं ः ः/ए मैंगर्भ शयबान मिलु पिय, वास्कोड-गामा
  - (2) बंग्ली तं० 3(बी) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पति है)

फाईल नं० 459/(3/79) 78-79/ए०सी०क्यू०/डी० नोटिंग सं० 244/78-79

बिल्डिंग इन किराण्डारों के नाम फ्लैटम नं० ३(सी)

- (3) नं ० 1 मार्मुगोबा पोर्ट द्रग्ट मार्मुगोबा हार्वण गोबा ।
- (4) नं० 2 आर्भुगोवा गोर्ट ट्रस्ट मार्मुगोवा हार्बर गोवा ।
- (5) नं अ मार्मुगोवा पोर्ट ट्रस्ट मार्मुगोवा हार्बर गोवा।
- (7) नं० 5 मार्मुगोबा पोट ट्रस्ट मार्मुगोबा हार्बर गोबा।
- (7) नं 5 चौगुले और कंपनी प्रा० लि० मार्भुगोवा हार्बर गोवा।
- (8) नं० 6 चौगुले ग्रौर कंपनी प्रा० लि० मार्गु-गोवा हार्बर गोवा।
- (9) नं० 7 मार्मुगोवा पोर्ट ट्रस्ट मार्मुगोवा हार्बर , गोवा ।
- (10) नं० 8 मार्मुगोत्रा पोर्ट दृस्ट, मार्मुगोत्रा हार्बर , गोता ।
- (10) नं० 9 चौगुले ग्रौर कॅपिन प्रा० लि० मार्मुगांवा, गोवा।
- (12) नं० 10 श्री पी० डी० कुटे, वास्कोडेगामा गोवा।
- (13) नं ा। श्री एस० बी० सालियान, वासगोडे-गामा, गोवा।
- (14) नं । 12 मार्मुगोवापोर्टहरूट, मार्युगोवा, हार्बर गोवा।

4822	भारत का राजपत्र, जून 23 म
बिल्डिंग इन प्लाटस नं० (3) डी	किराएदारों के नाम
(15) नं०	 1 चौगुले फ्रौर कं० प्रा० लि० मार्मुगोवा, हार्बर, गोवा।
(16) नं०	2 गोवा मरिने ई वर्क्स वास्कोडे- गामा, गोवा।
(17) नं०	3 श्री श्रार० सी० चंदी वक्स वास्कोडेगामा गोवा।
(18) नं०	4 मार्मुगोवा पोर्ट ट्रस्ट, मार्मुगोवा हार्बर, गोवा ।
(19) नं०	6 पी० एन० द्वारकादास, वास्कोडे- गामा, गोवा ।
(20) नं०	7 कैप्टन एम० बी० श्रय्यर वास्कोडे- गामा, गोवा ।
(21) नं०	8 मार्मुगोवा पोर्ट द्रस्ट मार्मुगोवा हार्बर, गोवा।
(22) नं०	9 मार्मुगोवा पोर्ट ट्रस्ट, मार्मुगोवा हार्बर, गोवा ।
(23) नं०	10 मार्गुणोवा पोर्ट द्रस्ट, मार्मुगोवा हार्बर, गोवा।
(24) नं० (26) नं	•
(27) नं	गोवा, हार्बर, गाँवा
(28) नं	13वही
(29) ਜੰਧ (30) ਜੰਧ	) 14व <b>ही</b> ) 16 इंडियन भ्राइल कार्पोरेशन वास्कोडे-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन की भ्रवधि मा तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास शिश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त भविनियम के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्ष होगा जो उस घध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(बस्तावेज सं० 239/78-79 ता० 8-9-78) बिल्डिंग नं० 1, 2, 3 श्रीर 4 ऑन "मौजिइना" नं० 2693, 2694, 2695 फ्रौर 2696 (बंग्लो नं० 954, 955, 956, श्रौर 957), वार्ड नं० 4, मार्म्गोवा। चकबन्दी: --जैसा दस्तावेज में लिखा गया है वैसा । टिन विक-

> पी० रंगनाथन, मक्षम प्राधिकारी

तारीख ; 11-4-1979

मोहर:

को यह मूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ध्रजेंत के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

गामा, गोवा। (31) नं० 17 श्री एम० एस० सेट्टा बास्कीडेगामा,

(32) नं० 18 ए० एफ० फर्ग्सन ग्रीर क० वास्कोडे-गामा, गोवा।

गोवा।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, धारवाड

## प्रकृष भाई ० टी ० एत ० एस ० —

# भायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजंन रेंज, धारवार कार्यालय धारवार ,दिनांक 11 स्रप्रैल 1979

निर्देश सं० 461(3/79)/78-79/ए० मी० क्यू०/डी० नोटिस सं० 245/78-79—यतः, मुझे पी० रंगानाथन, धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- द० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे 7 श्रीर जो घर है उसका सर्वे सं० 8,9 श्रीर 10 है, तथा जो जमीन जिसमें चार घर्जे घर है जो बैना में श्रीर वह बासको म्युनमोजल लिमिट में है श्रीर वह "छौगयुल" प्लाट के नाम से कहलाता है। में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनमूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सिविल रजिस्ट्रार या सब रजिस्ट्रार मरम गोव वासको डोगामा दस्तावेज सं० 254/78-79 में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 15-9-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है घौर मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत प्रधिक है घौर धन्तरक (धन्तरकों) घौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसं धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकन, निम्नसिक्तित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्त्रिक क्य से हिंधन नहीं किया गया है:---

- (क) प्रत्नरग म हुई किसी प्रायनावत की उन्त आधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे सचने में सुविधा के जिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अग्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयाथा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए,

अतः घन, उनत अधिनियम को धारा 269-ग के अनु-सरण में मैं, उनत घितियम की घारा 269-च की उपचारा (1) के अधीन निम्निसित स्वनितर्वों, धर्मात्:—

- 1. मैंससं छौगयल रिया स्टेट श्रीर कन्स्ट्रैक्शन कम्पनी लिमीटेड छौगयुल होज मरमगोबा, हारवर, गोवा (श्रन्तरक)
- 2. मैं मर्स छोयुगल और कम्धनी प्राईवेट लिमिटेड छोगयुल हीज मरमागोवा हारबर गोवा

(भ्रन्तरिती)

- 3. (1) डाक्टर ग्रार० सी० साहा बैना वासकोश्रीगामा
  - (2) डाक्टर भ्राए० वी० कुडछाककर
  - (3) मिण्डीकेट बैंक
  - (4) मिस्टर एस० के० पैट
  - (5) सेवन्त डे श्रडवेनटिस्ट मिशन
  - (6) भरमगोबा पोर्ट द्रस्ट मरमगोबा हारखर, गोबा
  - (7) मिस्टर एच० बी० कामत
  - (8) मीनिंग स्रौर प्रलाइड मशीनरी कार्पोरेणन बैना
  - (9) सेवन्त डे ग्रडवेनटिस्ट मिणन बैना
  - (10) मिस्टर ए० जी० दफतरी बैना
  - (11) मिस्टर जी० डी० टोले बैना (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के मर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशण की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्थ क्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों खौर पदों का, जो उक्त मंधि-नियम के अध्याय 20क में परिभावित हैं, वही धर्म होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

(दस्तावेज 254/78-79 ता० 15-9-1978) जमीन जिसमें चार दर्जों का घर है जो "छौगयुल प्लाटस" के नाम से कहलाता है तथा जो बैना में है श्रौर वास्को म्युनिसि-पल लिमिट में है जिसका सर्वे सं० 7 श्रौर बाद में घर का सर्वे सं० 8, 9 श्रौर 10 दिया गया है।

पी० रंगानाथन सक्षम प्राधिकारी,

सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, धारवार।

तारीख: 11-4-1979

पहल ब्राई० टी॰ एन० एन०----

आयकर **भविनियम, 19**61 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलीर

बंगलीर, दिनांक 12 अप्रैल 1979

निर्देश सं० सी० आर० 62/21146/79-80/ए० सी० क्यू०/बी—यतः, मुझे, पी० रंगनाथन आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्पए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 34 पुराना श्रीर नया 105 है, तथा जो बली बसावशा टैम्पल स्ट्रीट मामुलपेट बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इसमे उपावड़ अनमुची में श्रीर पूर्ण मप में विणत है), रिजस्ट्रीसा श्रिशितारी के वायालिय गांधीनगर, देगलूर दस्तावेज सं० 1795/78-79 में रिजस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 30-9-1978 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाग करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिक्त है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीय ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की वाबता, उक्त भिक्षितियम के भिर्मीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (भा) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर श्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उपत श्रिधिनियम, या घन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या का वा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः भव, उनत मधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरक में, में उकत मधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) अभीन निक्निजित व्यक्तियों मर्यातः---

- 1. श्री के॰ वेंकटरामायह शेट्टी सं० 36/5 भ्रण्णाजी राव लेन छीडेश्वरी टैम्पल स्ट्रीट बेंगलूर (भ्रन्तरक)
- (1) श्री चन्दनमल
   (2) बाबू लाल सं० 110 बली बमवणा टैम्पल स्ट्रीट पामुलपेट बेंगलूर
   (धन्तरिती)
- श्री बानो मंकर एल० भट्ट परोपराइटर वघपवरी हिन्दू लाडघ (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्यत्ति के ब्रजन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी ब्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती तो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर 3 स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

श्वादिकरण :--इसमें प्रयुक्त क्षक्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिर नियम, के ग्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

(दस्तावेज 1795/78-79 ता० 30-9-78) घर मध्यति जिसका सं पुराना 34 श्रौर नया 105 तथा जो बली बसावणा टैम्पल स्ट्रीट क्रास, मामुलपेट बेंगलूर में है और चकबन्दी यह है।

पूर्व ः पैनर्स के० पुट्टास्वामण्या श्रौर दूसरों की सम्पत्ति परिचम ः लेट श्री गुब्बी थोटपा चोसट्टी दूस्ट हौज

उत्तर : कन्सरवेन्सी क्षेत दक्षिण : बली बसावणा टैम्पल स्ट्रीट

पी० रंगनाथन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रोंज, बेंगलूर

तारीख : 12-4-1979

# प्रकृप भाई टी • एन • एस • ----

अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के घ्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायका (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, बेगलूर

बेंगलूर, दिनांक 7 भ्रप्रैल 1979

निर्देश सं० सी० आर० 62/22287/78-79/ ए० सी० क्यू०/बी—यत., मुझे, पी० रंगनाथन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से अधिक है

और जिसकी सं० 24/3 श्रीर 24/4 नया सं० 58 श्रीर 59 है, तथा जो II मेन रोड नियो थरगूपेट बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनमूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारों के कार्यालय, बसावनगुडी बेंगलूर दस्तावेज सं० 1792/78-79 में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 7-9-1978

(1908 का 16) के अधान, ताराख 7-9-1978
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
पतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसक दृश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
पतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बित में बास्तविक कप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण ये हुई किसा आय को बाबत उनत अधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक क दायिस्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयाजनार्थ उन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयायाया किया जाना वाहिए था, खियाबे में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उक्त भिष्ठितियम की घारा 269-व के अनुसर्ण ग्रें, में, उक्त भ्रष्ठितियम की घारा 269-व को उप-धारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- 1. श्री बी॰ चिन्ना स्थामी शेट्टी पुत्र लेट डाक्टर बी॰ सुडबेयह गेट्टी "सेपामहल" यानी विलास रोड बसायनगुडी बी॰ बी॰ पुरम, बेंगलर-4 (ग्रन्तरक)
- 2. (1) डी० ए० प्रसन्ता कुमार ) (2) डी० ए० रामाचन्द्रा गृुष्ता है डी० ग्रार० ग्रसवय
  - (3) डी० ए० वासुदेवा मुर्ती ब्रिंग्न का पता है: तानारायना शेट्टी के बच्चे सब का पता है: सं० 20 टाटा मिल्क फारम बेंग्लर-4 (ग्रन्तरिती)

 मैंसर्स प्रेम कुमार ट्रेडिंग कम्पनी (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपत्ति के भर्वेन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीच से
  45 दिन की सर्वाध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
  की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि
  बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
  में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
  हितबद फिसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी
  के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्षीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पढ़ों का, बो उक्स भिक्षितियम के भध्याम 20-क में परिभाषित हैं, बही भग होगा, जो उस अध्याप में दिया गया है।

# अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1792/78-79 ता० 7-9-1978)
घर सम्पत्ति जिमका पुराना सं० 24/3 श्रौर 24/4 श्रौर
नया सं० है 58 श्रौर 59 तथा जो II मेन रोड नियर थरगूपेट बेंगलूर में हैं :—
चक्रबन्दी:-—

पूर्व : खाली जगह श्रीवासुदेव की पश्चिम : II मेन रोड नियर थरगूपेट उत्तर : मम्पत्ति सं० 59 की दीवार

दक्षिण : सम्पत्ति सं० 68 श्रौर 58, 59 की मिली-जुली दीवार ।

> पी० रंगानाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जग रेंज बेंगलुर

तारीख <sup>†</sup> 7-4-1979 मोहर <sup>†</sup>

# प्ररूप शाहिं० टी • एन • एस • -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269**व** (1) के स्वीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायकत (निरीक्षण)

म्रर्जन रैंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 7 घर्रील 1979

निर्देश सं० सी० प्रारं० 62/22285/78-79/ए० सी० क्यू०/बी—यतः, मुझे, पी० रंगानाथन, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-च के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारन है कि स्वावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- ए० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 107 (पुराना सं० 128) है, तथा जो कलासीपालयम मेन रोड बेंगलूर-2 (डियोजन-27) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बसायनगुडी दस्तावेज सं० 1891/78-79 में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीखा 14-9-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार महम से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिश्वास का प्रविद्व की प्रश्न दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिश्वास प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर धन्तरिती (भन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाण गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण निश्वित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत चक्त अधि-नियम, के धंधीन कर देने के घन्तरक के वाजिस्त में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (का) ऐसी किसी बाय या किसी घन या घन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय घामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रक्षितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं घन्यरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए या, जियाने में सुविधा के लिए।

धतः धन, उनत अधिनियम की घारा 26 क्रना के धनू-सरच में, में, उक्त अधिनियम की धारा 26 क्रन्यं,की उपवारा (1) के अधीन निम्नस्तिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

- 1. श्रीमती नारायनम्मा पत्नी लेट द्यार० ऋष्णप्पा, सं० 3, बॉगियप्पा गार्डन शांतीनगर, बेंगलूर-27 (श्रन्तरक)
- 2. श्री गोभालाल पुत्र श्री गीसूलाल मनी लेन्डर ग्रौर पान बरोकर ई-27 मोगम मुद्दालियार स्ट्रीट क्लासीपालयम, बंगलूर-2

(श्रन्तरिती)

- 3. (1) ब्रायशा वेस्ट पैपर मार्ट
  - (2) होटल खियाव
  - (3) सरदार डिस्पेंसरी

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को स<sub>र</sub> सूत्रता जारी करके पूर्वोक्त समाति ह अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के प्रार्वन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इ.स. सूचना के राजरत में प्रकाशन की तारी खा से 4.5 दिन को अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 3.0 दिन की भविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-,
  बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरूताक्षरी के पास
  सिक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उन्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्च होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया नवा है।

# अनुसूची ं

[दस्तावेज सं० 1891/78-79 ता० 14-9-78] घर सम्पत्ति जिसका सं० 107 श्रौर पुराना सं० 128 हैतथा जो कलसीपालयम मेन रोड बेंगलूर-2 में है। (डिबीजन-27):—

पूर्व : तीसरे आदमी की सम्पत्ति
पश्चिम : कलसीपालयम मेन रोड,
उत्तर : तीसरे श्रादमी की सम्पत्ति ।
दक्षिण : तीसरे श्रादमी की सम्पत्ति ।

पी० रंगानाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलुर

तारीख: 7-4-1979

# प्रकप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

ब्रायक्तर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ग्रिधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर दिनांक 11 श्चर्पल 1979

निर्देण सं० सी० ध्रार० 62/21625/79-80/ए० सी० वयू०/बी—यत:, मूझे, पी० रंगानाथन, ध्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के घ्रधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यन्ति. जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्पर् से घ्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 219 है, तथा जो 12 कास रोड पहली मेन रोड दूमरी स्टेज वेस्ट श्राफ फारड रोड राजाजी नगर बेंगलूर 560010 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, राजाजीनगर बंगलूर दस्तांचेज सं० 2663/78-79 में रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन ता० 18-9-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिशत अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:~-

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भीर/या;
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थं भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए वा, छिपाने में स्विधा के लिए;

भतः भव, उक्त भिविषयम की घारा 269-ग के अनुसरक में, मैं, उक्त भिविषयम की घारा 269-व की उपधारा (1) के जधीन निकासिबित व्यक्तियों, भवाँदाः—-  श्री डी० गोपाला कृष्णा शेट्टी पुत्र श्री ासा शेट्टी सं०
 716, 10वीं मेन रोड भौथी ब्लाक जयानगर, बंगलूर।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती बेंकटम्मा पत्नी टी० लिगयया सं० 56, ग्रपस्टेर, ज्योति नर्सरी स्क्रणूल के नजबीक दूसरी क्रास नागपा ब्लाक, श्रीरामपुरम, बंगलूर

(भ्रन्तरिती)

- 3. (1) श्री नारायणा (2) विट्रल
  - (3) जी० एस० चिककेरूर
  - (4) ब्रार० सी० पिरुलै (5) कुरीय कोसे
  - (6) धन्द्रणेक्टर (7) एम० जी० बालसुकामध्यन
  - (8) के० सैयट भ्रब्दुल गफार
  - (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोत्त्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2663/78ब79 ता० 18-9-1978) घर सम्पक्ति ग्रौर लगी हुई जगह जिसका सं० 219 अथा जो 12वें कास पहली मेन रोड दूसरी स्टेज वेस्ट ग्राफ कारड रोड, राजाजी नगर बेंगलूर -560010 में है ।

> पी० रंगानाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जंन रेंज, बेंगलूर

**सारीखा** : 11-4-1979

प्रारूप भाई • टी • एन • एस • ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के भधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज कामपुर

कानपुर दिनांक 28 सप्रैल 1979

निदेश सं० 659/फ्रर्जन/ग्रागरा/78-79----- प्रतः मुझे भ० च० चतुर्वेदी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- र• से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ें ं ं स्थित है तथा जो ं ं ं में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 28-10-1978 को

पूर्वोक्त, संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिशत से ग्रक्षिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक इन्य के कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रस्तरण स हुई किसी ग्रायकी बाबत उक्त ग्रिक-निग्रम के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के वागिरन में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/का
- (ख) ऐसी किसी थाय था किसी धन या ध्रम्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः घव, उनत भविनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में मै, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उपघारा (1) के प्रधीन, निम्नलिबित व्यक्तियों, श्रयोत्:—

- इा० प्रताप सिंह माभुर पुत्र डा० एस० पी०
  माथुर कमला राजा हास्पिटल कम्पाउन्ड ग्वालियर
  म० प्र० (ग्रन्सरक)
- 2. श्री श्रजीजुद्दीन पुत्र हाजी सर्फंडद्दीन निवासी मन्टोला श्रागरा। (श्रन्तरित)

की यह मुकता जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जा के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेत्र --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्न व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूजना के राजपन्न में प्रकाशन की तानीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी शस्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त शक्यों भीर पदों हा, जो उक्त श्रीधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस श्रध्याम में दिया गया है।

## भनुसूची

जायवाद नम्बरी 1/208 प्रोफ़ेसरकालोनी सिविल लाइन हरी पर्वत वार्ड ग्रागरा 250000/-- में बेची गयी जिसमें कि ग्रनुमानित जिंबत बाजारी मूल्य 334650/- है।

> भ० व० चतुर्वेदी। सक्षम प्राधिका**री;** सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज कानपुर ।

दिनांक: 28-4-1979

#### भारत सरकार

## कार्यावय, सङ्घायक पायकर प्रायुक्त (निरीज्ञण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 1 मई 1979

निदेश सं० 632/ए०8/म्रागरा/78/79—-म्रतः मुझे भ०च० चतुर्वेदी,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-इ० से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनसूजी में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी कार्यालय ग्रागरा में रजिस्ट्री-करण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 11-10-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिकों) भीर अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक इप से क्षित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भिक्ष-नियम के भ्रधीम कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविक्षा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष था किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को, जिल्हें भारतीय भाषकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: अब, उक्त ग्रीश्वनियम की धारा 269 व के प्रन्सरक में, में, उक्त ग्रीश्वनियम की धारा 269 व की उपवारा (1) के अधीन, निष्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत:--- 7—116GI/79

- श्री ठाकुरदास जुनेजा पुत्र मल्हा राम जुनेजा 34वीं धर्मतल्ला स्ट्रीट क्वार्टर मुहल्ला वर्तमान 55 सूर्यनगर प्रागरा। (श्रन्तरक)
- 2. श्री भूषण लाल पुत्र कृन्धनलाल तिवारी रोशन मुह्ल्ला श्रागरा । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करका हूं।

उन्त संपत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपद्ध में श्रकाशन की पारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रन्य क्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्कीकरण: --- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रश्रं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति नं० 7/208 मिविल लाइन महात्मा गांधी मार्ग सूर्य नगर ग्रागरा 125000/-- में बेची गयी जिसका कि भ्रनुमानित उचित बाजारी मूल्य 171601/- है।

> भ० च० चतुर्वेबी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 1-5-1979

# प्रकप आई०टी॰ एन॰ एस॰--

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज कानपुर कानपुर दिनांक 2 मई 1979

को पूर्वोक्न सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश मे उन्त अन्तरण विवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त मधिनियम, के भधीन कर देने के मन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती श्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में संबिधा के लिए;

चतः मनः, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अ्यन्तियों, प्रथिति।—

- सरदार ग्रौतार सिंह पुत्र श्री मेहर गिंह, गुरबचन सिंह पुत्र करम सिंह श्रीमित दरमेन्दर कौर पितन गुरबचन सिंह निवासी, बेगम अज (मेरठ) (ग्रन्तरक)
- 2. श्री सतीश कुमार, योगेंद्र कुमार पुत्र किशन लाल, ग्रमरीक सिंह पुत्र चुन्नी लाल तथा श्रीमित स्नेह बक्शी पितन एस० पी० बक्शी बेगम बाग (मेरठ) । श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्रेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति जारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
  में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के एम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण: --इसमें प्रमुक्त गब्दों मीर पदों का, को उक्त अधि-नियम के धव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अयं होगा, को उम सक्याय में विद्या गया है।

### अमुसूची

एक इमारत नम्बर 584 से 599 नया नब्बर 6 बेगम बाग मेरठ में 1,00,000/— रुपये की बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 2,00,000— रुपये आंका गया है।

> भ० च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण (भ्रजैन रेज), कानपुर

दिनांक: 2-5-1979

### प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

श्रायकर ग्रिविनियम, 1961 (1961 जा 43) की घारा 269व (1) के श्रवीन स्चना

#### मारत सरकार

कार्यालय, महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज कानपुर कानपुर दिनांक 2 मई 1979

निदेश सं० 638/ग्रर्जन/ग्रागरा/78-79——ग्रतः मुझे भ० च० चतुर्वेदी,

म्रायकर मिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- द० से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय ग्रागरा में रिज-स्ट्रीकरण ग्रिधिनियण 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 19-10-1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुखिद्या के लिए;

भ्रतः भ्रव, उन्त भ्रश्चितयम की धारा 269-व के भ्रनुसरण में, में, उन्त श्रधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- श्री मोवरु सिंह णिव सिंह राधे ह्याम रज्जो पुजाण लाल सिंह निवासी सीता नगर बाई पास श्रागरा-कानपुर श्रागरा । (श्रन्तरक)
- 2. श्री हरेण कुमार पुत्र मूल चन्द श्रीमित वीना स्त्री बीरेन्द्र कुमार जैन निवामी छिपी टोना ग्रागरा। (ग्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त पंपत्ति के प्रजेत के संबंध म कोई भी स्नाक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूबना के राजपद में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वडहीक्तरण:--इसम प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क, में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### **प्रनुमु**ची

श्रचल सम्पत्ति मकान नं० 11/41 की स्थित सीनानगर बाईपास श्रागरा-कानपुर 110000/-- में बेची गई जिसका कि श्रनुमानित उचित बाजारी मूल्य 152922/- है।

> भ० च० चतुर्वेदी गक्षम प्राधिकारी निरीक्षी महायक श्रायकर श्रायुक्त श्रावेत रोंज ज्ञानपुर।

दिनांक: 2-5-1979

प्राइप माई० टी० एन० एस०-----

नायकर धिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269व (1) के ग्रधीन मुचना

भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज कानपुर कानप्र, दिनांक 3 मई 1979

निदेश सं० 639/म्रर्जन/म्रागरा/1978-79--म्रतः मुझे भ० च० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत मिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269 खाके भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उजित बाजार मृह्य 25,000/- र• से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० है तथाजो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रुप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय श्रागरा में रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 19-10-1978 को

पूर्वीरासंपत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमद्भन प्रतिफास के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहु प्रतिशत से अधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रोर ग्रण्तरिती (भन्त। तियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्न निखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखत में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किमी श्राय की गवत, उक्त सधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के शियस्व में कमी करते या उसस बचने में सुविधा के लिए; और∵ा
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी घन या मन्य वःस्तिमी को जिन्हें भारतीय भायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत मधिनियम, या ५न-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशंजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया **याना चाहिए या, छिपाने** में मृतिधा के लिए;

श्रतः भव, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग के भशूसरण में, मैं, उक्त भिष्ठनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निक्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- 1. श्री प्रजब सिंह पुत्र चुन्नीलाल निवासी छिधामई तह० शिकोहाबाद जिला आगरा
- ममिति लि० 2 ग्रालोम महकारी गह निर्माण भ्रागरा द्वारा सचिव राजेंद्र सिंह कुलश्रेष्ठ पुत्र राम चरन लाल निवासी विल्लोचपुर, श्रागरा (ग्रन्तरिती)

को यह मुखना जारी हरके पुर्वोक्त संपति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां सरता है।

उक्त संपत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (का) इस सूच*ना* के राजपद्म में प्रकाशन की **तारीख** से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ग्यन्ति द्वारा;
- (ल) इस मूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति दारा, श्रबोड्स्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वक्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदां का, जो उक्त भधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही पर्य होगा, जो एम धन्याय में दिया थभा है।

### ध्र**नुसूचा**

प्लाट नं० 19 क्षेत्रफल 184 वर्ग मीटर स्थित श्रालोम नगर फस्ट भ्रागरा (नार्थ साकेत) श्रागरा 48000/– मैं बेचा गया जिसका कि श्रनुमानित उचित बाजारी मृत्य 65100/--- है।

> भ० च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण अर्जन रेंज, कानपुर ।

दिनांक: 3-5-1979

## प्रारूप धाई • टी • एन • एम •-----

आमकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2694(1) के मिन्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायकत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 मई 1979 निदेश सं० 630/अर्जन/ग्रागरा/78-79—-ग्रतः मुझे भ०

च० चतुर्वेदी
श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् उक्त श्रिधिनियम, कहा गया है) की धारा
269ध के श्रिधीन सक्षम श्रिधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजा
मूल्य 25,000/- रुपए से श्रिधिक है

भ्रौर जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय ग्रागरा में रिजस्ट्री-करण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक 25-10-1978 को

पूर्वोकत समाधि के उचित बाजार मूक्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त संपति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और पन्तरितों (अन्तरितियों) के बीत ऐसे अन्तरण के लिए तय पात्रा गया प्रतिफल निम्नलिश्चित उद्देश्य म उत्तर अन्तरण विलिखत में वास्तविक कर में कथित हों किया गया है: --

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उका प्रशिन्न नियम के घडीन कर देने के धन्तरक के दापित्व में का करने मा उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/व
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी बन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर मिश्रिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिश्रिनियम, या धन-कर भिश्रिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्नरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिणते में सुविधा के सिए;

बतः प्रतः उन्तं प्रधितियम की छाए 269-म के अन्-गरण में, में, उक्त प्रधिनियम की छारा 269म की उपधारा (1)के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- 1. श्री कृष्ण मुरारीकाल खण्डेलवान पृद्ध मुलीधर निवासी गुजराती पर्ा हल्का गदन नाई की मण्डी, ग्रागरा (अन्तरक)
  - कुगारी गुषमा श्रीवास्तव पुत्री राधेण्याभ जी निवासी ममफोर्डगंज इल ह्(बाद यर्तमान अन्टोला आगरा । (अन्तरिती)

की यह मूचना कारी करके पूर्वीका प्रधानि क धर्जन के लिए कार्यवाहियां करना है।

उन्त संपत्तिक अर्जन । नंजंज मं हाई को पाक्षी --

- (क) इस सूचना के राजपाल में अलाएन की शाराख ने 45 जिए की अविधि या तस्मीएथी व्यक्तियाँ, पर न्चना को तामान से 30 दिन की अविधि जो भी खबिल आद के क्यापन जाती हो, के भीतर पूर्योक्त व्यक्तियों में वे श्वराह जाति होता.
- (ख) इस भूचना के राजणव में प्रकाशन की तालंच से 45 वल के भीवर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बज किया अन्य व्यक्ति क्षारा, मध्येहस्ताक्षरी के पास विवित्त में लिए जा सहये।

हपकरीकरण:---इनमें प्रयुक्त भव्दों और एकों का, जी उसत अपिनियम के श्रष्ठमास 20-क में परि-अपिन हैं बही अर्थ होगा जो उस प्रत्याय में दिया गया है।

## अमुसूची

श्रचल सम्पत्ति मकान नं० 13/301 गुजराती पाडा नाई की मण्डी श्र(गरा 40,000/— में बेची गई जिसका कि श्रनुमानित उचित बाजारी सूल्य 52019/→ है ।

> भ० व० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, पडायक ऋायकर ऋाय्यत (निरीक्षण), प्रजैस रेंक, कानपुर 1

दिनांक: 4-5-1979

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 मई, 1979निदेश सं० 640/ग्रजंन/ग्रागरा/1978-79—ग्रतः मुझे, भ०

च० चतुर्वेदी वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके एश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० है तथा जो में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रुप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय ग्रागरा में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1808 का 16) के श्रधीन दिनांक 6-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण, जिख्ला में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त मिन नियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; मौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने सविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :--

- श्री जवाहर लाल बालूजा व राजकुमार बालूजा पुत्रगण चुत्रीलाल बालूजा नियासी बालूगूज ग्रागरा (श्रन्तरक)
- 2. श्रतर देवी स्त्री ला० गोविन्द प्रसाद व रामेण्वर प्रसाद गर्ग, रवीन्द्र कुमार गर्ग, मुरेन्द्र कुमार गर्ग पुत्रगण ला० गोविन्द प्रसाद 2/10 सेठ गली आगरा (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस यूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिध-नियम, के भ्रष्याय 20क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अनुपूची

ग्रजल सम्पत्ति प्लाट नं० 60 स्थित सूर्यनगर सिविल लाइन श्रागरा 77700/- में बेची गई है जिसका कि उचित बाजारी मल्य 99000/- श्रांका गया है।

> भ० च० चतुर्वेदी, मक्षम प्राधिकारी, महायक ऋषकर ऋायुक्त (निरीक्षण), ऋर्जन रेंज, कानपूर।

दिनांक: 4-5-1979

प्ररूप भाई• टी• एन• एस•---

सायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269-घ (1) के सम्रीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)

ग्रजैन रेंज; कानपुर कानपुर, दिनांक 5 मई, 1979

भ्रौर जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय देहरादून में रिजस्ट्री-करण ग्रिधिनयम, 1808 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 18-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृध्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिगत से धिक है धौर धन्तरक (अन्तरकों) धौरः धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए क्षय पाया गया प्रतिफल निम्निचित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वाक्तविक इप से स्वित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत; उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रोर/या
- (ख) ऐसी किया प्राय या कियी धन या प्रन्य आस्तियों को जिल्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिष्ठिनियम, या धन-कर भ्रिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपामें में सर्विधा के लिए;

अतः भन, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपचारा (1) के अधीन, निस्निकित व्यक्तियों, अर्थीत्:—

- श्री राम स्वरूप दुबे पुत्र पन्डित रेवा राम निवासी
   14 बंगानी मोहल्ला कानपुर देहरादून (ग्रन्तरक)
- 2. श्री रमेश चन्द्र दत्त शर्मा पुत्र श्री किशन चन्द्र शर्मा इन्द्रपरस्थ ग्रन्धेरी ईस्ट बाम्बे (श्रन्तरिती)

को यह यूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के किए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रार्वन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविद्य था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविद्य ओ भी भविद्य बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मुजना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबङ्ग किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधाहस्ताक्षी के पास विखित में किए जास केंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त ग्रन्दों खीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही जब होना, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

### ग्रमुसूची

गृह सम्पत्ति 14 बंगाली मोहल्ला करनपुर देहरादून में 60,000/- रूपये की बेची गई जिसका उचित बाजारी मुल्य 69,800/- रूपये श्रोका गया है।

भ० च० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक: 5-5-1979

प्रक्ष आईं ∘ टी० एत० एस ः----

भाएकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के ब्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जेन रेंज कानपुर कानपुर दिनांक 15 मई 1979

निदेश सं० 319/ग्रर्जन/फि० बाद---ग्रत: मुझे, भ० च०

चतुर्वेदी,
श्रायकर श्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उकत ग्रिविनयम' कहा क्या है), की धारा 269-ख के भ्रिवीत्त सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजारमूल्य 25,000/- क्ष्म्बे से मिधक है श्रीर जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय किरोजाबाद में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के

ग्रधीन दिनांक 5-10-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तिरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्ये, उसी पृत्रयमान प्रतिफल के पायह प्रतिशत अधिक है भीर मन्तरकों (अन्तरितीं) के बीच ऐसे भन्तरण ये लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण जिल्हित में वास्तिक हप से क्षित नहीं किया गया है:--

- (क) श्रन्थरण से हुई किसी भाय की बाबत, डब्स्ट अधि-निस्म, के मधीन कर देने के भन्तरक के वायित्य में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसा भाग या किसी धन या अन्य भास्तियों की, जिन्हें यापतीय धायकर भिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनयम, या धनकर अधि-नियम, 1937 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यथा या किया बाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अदः अव, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में मैं, उनत अधिनियम की धारा 269-ध की उपकारा (1) के प्रचीत निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्चात्ः—

- दि फिरोजाबाद ग्लास ऐंड केमिकल्स इन्डस्ट्रीज द्वारा श्री गोपाल चंद पुत्र दाउ दयाल निवासी घेद खोखला कस्बा फिरोजाबाद जि० ग्रागरा। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री निर्मल कुमार सुरेण कुमार, पुत्रगण किशोरी लाल निवासी हनुमानगंज कस्बा फिरोजाबाद । (श्रन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्मन के सिये कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकामन की तारी इस से 45 दिन की भविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील में 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किमे जा सकेंगे।

स्वक्कीचरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त शिक्ष-नियम के शब्याय 20-क में यथा परिचाबित हैं, बह्मी सर्च होगा जो उस शब्याय में दिया गया है।

## **प्रनुस्**षो

श्रचल सम्पत्ति जमीन 3845 वर्गफुट स्थित सुखमल-पुर निजामाबाद तहसील फिरोजाबाद जिला आगरा जिसमें कि उत्तर में रास्ता 16 फुट चौड़ा है 2000/- में बची गई जिसका कि उचित बाजारी मूल्य 43740/- है।

> भ० च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज कानपुर

तारीख: 15-5<del>8</del>1979

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-

आयकर मधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जैन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 15 मई 1979

निदेश सं० 512/प्रजेन/माट/1978—प्रतः मुझे भ० च० चतुर्वेदी,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

मौर जिसकी सं० है तथा जो में नियत है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय माट (मथुरा) में, रिजस्ट्री करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन विनांक 26-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है और अन्तरक (अन्तरकों) मोर अन्तरिती (श्रन्तरितियों) दे बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त अधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के बाथिस्व में कमो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी िन्सी अत्य या किसी धन या प्रान्य ध्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्स ग्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उन्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--116GI/79

 श्री प्यारे लाल पुत्र रामचन्द निवासी दीवाना खुदं खोर जिला पो० सिरिख तह० माट जिला मथुरा । (ग्रन्तरक)

2. श्री राधा किणन पुत्र महावीर सिंह निवासी दिवाना खुर्व खेर दीवाना पो० सिरिख परगना नागलियां तह० माट जिला मथुरा । (ग्रन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्तिक अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरमम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी भवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबढ़
  किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिष्णिवत हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

अचल सम्पति कृषि भूमि खाता नं० 26 मोजा पानीगांव बांगर तहसील माट जिला मथुरा, 32000/- में बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 65800/- है।

> भ० च० श्रतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, निरीक्षण श्रजेन रेज कानपुर

दिनांक: 15-5-1979

कार्याजय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजीन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 15 मई 1979

निदेश सं० 57 4/प्रजीत/हाथरस/78-79--प्रतः मुझे भ० च० चतुर्वेदी धापकर ग्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उका प्राधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन संभाग प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर नस्पत्ति, जिसका जितत वाजार मृत्य 25,000/- रुपये ए अधिन है

भीर जिसकी सं० है तथा जो स्थित है (भीर इससे उपावत अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिक्ट्री तो अधिकारी के कार्यालय हाथरस में रिजस्ट्री तरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 6-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बानार मूल्य से कम के दृश्यमान मितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वाक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य. उसके दृश्यमान प्रतिकल पे ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रक्र प्रतिकल से पश्चिक है और अन्तरक (प्रश्नरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गला भित्कल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कथ से कथित नहीं कि ए स्या है :——

- (क) प्रस्तरण संदुई किसी प्राप की बाबत, उक्त ग्राचितिया के प्रकीन कर देने के प्रस्तरक के वाणित्व में कभी करने या तसमें बचने में स्विधा के लिए! भीर/मा
- (ख) ऐसी कि ' याय या िमी घन या अन्य आस्तियों को कहा नारवाय प्रश्वेष अधिनियम, 1922 (1-12 के 1) के अत अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविद्या के लिए;

ध्यः श्रवः उक्त प्रधितियम, की धारा २०९-ग के धनुसरण में, मैं उक्त प्रधितियम, की धारा २०९-ध की उपधारा (1) के संधीन निम्नलिखित स्पक्तियों अर्थात्:—

- श्रो लीला पुत्र इरसाद धली साकित नंगला सुभान मजरा धर्तेलपुर चुरसेन परगना हाथरस जिला धलीगढ़ (धन्तरक)
- 2. श्री ग्रसगर खां पुत्र छज्जू खां व श्रीमित दुलारी बेगम स्त्री ग्रसगर खां निवामी नंगला सुभान व सफीम पुत्र मुन्शी व प्यारे पुत्र भदई निवासी नंगला सुरभा मजरा ग्रतलैपुर चुरसेन परना हाथरस जिला श्रजीगढ़ (ग्रन्तरिती)

को यह सूबना जारो करते पूर्वीक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संनित के प्रजंग के संबंध में कोई भी माक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
  भविध बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाणन की नारी ज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनवर किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरगः -- इसमें प्रयुक्त शन्दों ग्रीर पदों का जो जिन्त ग्रिधिनियम के भ्रध्याय 20-क में परिकाणित हैं, वहीं भर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

श्रवल सम्पति कृषि भूमि खपरा नं० 587 व 593 का 1/2 भाग स्थित ग्राम श्रालेपुर चुरसेन परगना हाथरस जिला श्रलीगढ़ 24000/— में वे ग गई जिसका कि उचित बाजारी मुख्य 73500/— है।

> भ० च० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रयकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक: 15-5-1979

प्रका प्राईच टा० एन० एन०---

बाय तर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की झारा 269-व (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 15 मई 1979

निदेश सं० 575/मर्जन/हाथरस/78---79---म्रतः मुहे भ० च० चतुर्वेदी

भाय कर प्रधित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षान प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तित बाजार मूल्य 25,000/- इन् से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय हाथरस में, रिजस्ट्री करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 9-10-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के जिए मन्तरित की गई है मीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत प्रधिक है, भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितिमों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पामा गपा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक एप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबन उक्त ग्रिश्वनियम के ग्रिश्वोन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों की. जिस्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रिधनियम, या धन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त ं धिनियम को धारा 26% में अन्मरण में, में, सक्त प्रधिनियम की धारा 26% में की अपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

- 1. श्रीमित जानहीं देवी विश्ववा श्री भूप सिंह निवासी टिमारी डा० चदैया परगनाव तह० हाथरस जिला प्रालीगढ़ (भ्रान्तरक)
- 2. श्री थास सिंह, मोहर मिंह पुत्रगण पोप सिंह व श्री कृष्ण पुत्र श्री छतर सिंह निवासी टिमारी डा॰ चदैया परगना व तह॰ हाथरस जिला भ्रलीगढ़ (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्बवाहियां करता हूं।

जन्त सम्मत्ति के पर्जन के सम्तन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- ्त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीखासे
  45 दिन की प्रअधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियो पर
  सूजना की नामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
  अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त
  व्यक्तियों में ते किनो व्यक्ति हारा;
- (खा) इस न्वा के राजपव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर मस्पत्ति में हिसबब किया ग्रन्ग गावित द्वारा, प्रश्राहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

मरबडोकरग:---इयमें प्राक्त गड़तों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही पर्य होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भ्रवन सम्मित कृषि भ्मि 8 बीबा 6 विस्वासी स्थित ग्राम निवारी डा॰ चैदेश पगरनाव तर्मीन हाथरम जिला भ्रतीगढ़ 14000/— में बेची गई जिसका उचित बाजारी मृथ्य 64000/— है ।

> भ० च० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, कानपूर

दिनांक: 15-5-1979

मोहरः

प्रख्य आई० डी० एन० एस०--

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के मधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, कानपुर
कानपुर, दिनांक 16 भई, 1979
निदेश सं० 253/स्रर्जन/मथुरा/78—79—म्रतः मुक्के,

भ॰ च॰ चतुर्वेदी भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन नक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित माजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं॰ है तथा जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीक्ता श्रिधकारी के कार्यालय मथुरा में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन विनांक 4-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के चन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किशी प्राय या किसी धन या प्रनय प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत ग्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम,1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः भ्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के मनसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के प्रधोन निम्ननिश्चित व्यक्तियों अर्थात्:--- 1. श्री नंद लाल पुत्र श्री किणन गोपाल निवासी 24 पंजाबी मारकेट हाथरस अलीगढ़ (भ्रन्तरक)

2. श्री छंगा लाल पुत्र नारायण लाल श्रीमित रुकमणी देवी स्त्री नथूमल निवासीग्राम नालाबोहरा डा० कृष्णानगर सञ्च० जिला मथुरा (भन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्येषाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पव्यक्तिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों धौर पदों का, जो उक्त स्रक्षि-नियम', के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही सर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भजल सम्पत्ति प्लाट नं० 7-ए, 337 वर्ध गज स्थित कृष्णानगर मथुरा जिसमें 3 कमरे, बायरूम, व रसोई बना हुआ है 35000/- में बेची गई जिसका उचित बाजार मूल्य 55000/- है।

> भ० च० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, कानपूर।

विनांक : 16-5-1979

प्रकृप प्राई • टा • एन • एस •----

मायकर ग्रांधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269 म (1) के ग्रांधीन सूचना

पारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 16 मई 1979

निदेश सं० 316/म्रर्जन/फि॰ बाद/78-79——म्रतः मुझे भ॰ च॰ चतुर्वेदी

भायकर भिर्मातम्म, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिर्मातम्' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिर्मात सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- ४०ए से मिक है

श्रौर जिसकी सं० है तथा जो स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रतूस्ची में और पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय (फरोजबाद में, रजिस्ट्रीकरण श्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 5-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के वृश्यमान प्रति-फल के लिए प्रस्तरित की गई है भीर मृत्रे यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भिष्ठक है भीर अन्तरक (प्रन्तरकों) भीर प्रस्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण निखिन में वास्त्रिक कर ये कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किमी याय को बाजन, उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य घास्तियों को अन्हें भारतीय धाय-कर घधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर घिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपामे में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अयुग्ररण में, में; उक्त ग्रिजियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, ग्रब्ति:--

- 1. दि फिरोजाबाद ग्लास ऐंड केमिकल्स इँडस्ट्रीज द्वारा श्री गोपाल पुत्र दाउ दयाल निवासी घेर खोखल कस्बा फिरोजाबाद जिला ग्रागरा।
   (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती कमला देवी पत्नी सरन विहारी लाल कांती देवी स्त्री विपन बिहारी निवासी छेती कलां फिरोजाबाद जिला ग्रागरा । (ग्रन्तरिती)

को यह सुवना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के श्रवीं के संबंध में कीई भी ग्राक्षीप--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विज की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विज की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी का से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रद्भाय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस भंध्याय में दिया गया है।

## धनुसूची

भवल सम्पत्ति प्लाट 3695 वर्ग फुट जिसके पूरब में इमा-रत श्रीमती लतारानी की है स्थित मुख्यमलपुर निजामाबाद तह० फिरोजाबाद जिला धागरा 20000/—— में बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 44340/—— है ।

> भ० घ० चतुर्वेदी मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, काक्पूर

दिनांक: 16-5-1979

परूप आहि। टी० एन० एस०-----

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के भ्रष्टीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 मई 1979

निदेश सं० 335/म्रर्जन/78-79---म्रतः मूझे भ० च० चतुर्वेदी

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'वक्त समिनियम' कहा गया है), की धारा 269- म के सभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्ष्य 25,000/- क के समिक है

भीर जिसकी सं० हैं तथा जो में स्थित हैं (भीर इस ने उपाबक्ष भ्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय उरई में, रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 4-10-1978

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उस्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के मण्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; घोर/या
- (ख) ऐसो किसी माय या किसी घन या अन्य मास्तियों की जिम्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्स मिंधिनियम, या धन-कर मिंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः अब, उक्त भविनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269म की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।——

- 1. श्री विजय बहादुर सिंह पुत्र दौलत सिंह निवासी मौजा पिरगूभा पो० मौजा डकारे परामा उरई जिला जालीन (भ्रन्तरक)
- श्री गजाघर पुत्र ध्रगरफीलाल निवासी डमोर पो॰
   डमोर परामा उरई जिला जालौन (ध्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप, यवि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की घविष, जो भी घविष बाद में समाप्त होती हो, के चीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, घधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रव्याय 20 क में तथा परिभा-थित है, यही ग्रर्थ होगा जो उस ग्रव्याय में दिया गया है।

### भ्रनुसूची

भ्रवल सम्पत्ति ऋषि भूमि 11.42 एकड़ स्थित कैथेरी पसमा उरई जिला जालौन 24000/-- में बेबो गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 80500/- है।

> भ० च० चदुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज, कानपुर

विनांक: 16-5-1979

## प्रकप चाई० टी० एन० एस०---

# आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की घार। 269-म (1) के अधीन सूचना

#### मारत सरकार

## कार्यालय, सहायक अग्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 16 मई 1979

निदेण सं० 551/ग्रर्जन/फि० बाद/78-79—प्रतः मूझे भ० च० चतुर्वेदी। आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनन अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थावर सम्यक्ति, जिसका उतित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

धौर जिसकी सं है तथा जो में स्थित है (श्रौर इससे उणाबढ़ श्रनूसूची में श्रर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीगर्ता श्रधिकारी के कार्यालय फिरोजाबाद में रिजस्ट्रीगरण श्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 21-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमात प्रतिफल के लिए घन्सरित की गई है घोर मुझे यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमात प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमात प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मिधक है घोर घन्तरक (कन्तरकों) घौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किंवत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसो आय की बाबत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (च) ऐसी किसी भाष या किसी धन या पत्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भधिनियम, या धन-कर भधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भुविधा के लिए;

अतः, अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में. उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्निनिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- 1. श्रीनित मूत्री देवी स्व० मृलचन्द गूप्ता निवासी बाई पास रोड तिलम नगर फिरोजाबाद (श्रन्तरक)
- 2. श्री भारवान सिंह पुत्र बहादुर सिंह चौहान निवासी ग्राम खाण्डरे तुलसीपुरा तहसील फेंजाबाद जिला ग्रागरा (ग्रनारिनी)

को यह सूत्रना जारो करके पूर्वोक्त सम्पनि के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत संपत्ति के यर्जन के मंबंध में कोई भी प्राक्षत: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की भारी ख से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों रर सूचना की तामी ज से 30 दिन की भविध जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा 1
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़ फिसी घन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पक्कीकरण:-- इसमें प्रमुक्त शब्दों घीर पदो का, जो उनत धिंघिनयम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, बही धर्य होगा, जो उन भ्रध्याय में दिया गया है।

### धनुसूची

भ्रवल सम्पत्ति एक माकन दो मंत्रिता स्थित बाई पाम रोड तिलक नगर फिरोजाबाद जिला श्रागरा जिसके उत्तर में मकान राजपाल सिंह माहै 40000/--- में वेचो गयी जिसका उचित बाजारी मल्य 90000/--- है।

> भ० च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर श्रायूक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज कानपूर

दिनांक: 16-5-1979

म झ

प्रकप श्राई० टी० एन० एस०-

मायसर पश्चिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर कानपूर, दिनांक 28 अप्रैल 1979

655/अर्जन/आगरा/78-79---भ्रतः निदेश मं० भ० च० चतुर्वेदी भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थातर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

है तथा जो भ्रोर जिसकी सं० स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनूसूचब में ग्रौर पूर्ण रू सि वर्णित है), एजिस्ट्रीकर्ता ग्रधकरी कार्याल भ्रागरा रजिस्टीकरण श्रधिनियम, 1908 (190 का 16) के अधीन दिनांक 12-12-1978

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मुस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उनत श्रन्तरण निखित मे वास्तविक 🛔 क्त से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त मधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः भ्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रवितः---

- 1. रंजीत सिंह बंडाल पुत्र सरदार अमर सिंह बंडा टीचरकालोनी दुम्राव शहर जालँधर, मुख्तार भ्राप सरवार ग्रमर सिंह पुत रत्न सिंह 250 एल**ः माडल टाउन जालंधर**। (भ्रन्तरक)
- 2. श्री सत्येंद्र कुमार गुप्ता पुत्र वृन्दावन दास व श्रीमित राजकुमारी गुप्ता स्त्री सत्येद्र कुमार गुप्ता 4/110 लाजपत कुँज म्नागरा । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्गन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी ग्रवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (वा) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पध्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त मधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस घध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

मचल सम्पत्ति मकान नम्बर 4/110 लाजपत कुँज हरी पर्वत वार्ड ग्रागरा 100000/-- में बेचा गया जिसका कि म्रनुमानित उचित बाजारी मृत्य 127243 है।

> भ० च० चतुर्वेदी मक्षम प्राधिकारी सहायक भागकर भागुक्त निरीक्षण भर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक: 28-4-1979

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 30 म्रप्रैल 1979 निदेश सें० 651/म्रर्जन/म्रागरा/78-79---म्रतः मुझे भ० च० चतुर्वेदी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुस्य 25,000/- द॰ से प्रधिक है

भीर जिसकी सँ० है तथा जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रागरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 8-12-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से तक्त प्रस्तरण कि खित में बास्तविक अप में कथित नहीं किया गया है:—

- (नः) अन्तरण से हुई जिसी थाय की बाबत, उक्छ धर्मिनियम के प्रश्लीत कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविज्ञा के लिए; धौर/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी घन या घन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय बाय-कर मिविनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त बिविनयम, या धन-कर बिविनयम, या धन-कर बिविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं घन्तरिती द्वारा धकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए;

अतः अब, उन्त श्रिष्टियम, की धारा 269-न के धनुसरण में, में, उन्त श्रिष्टियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के श्रिष्टी निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :—
9-116G1/79

- 1. श्री गोविन्द प्रसाद चतुर्वेदी पुत्र नेतराम निवासी स्वदेशी वीका नगर ग्रागरा मुख्तार ग्राप मि जानिब श्री सक्मी-नरायन चतुर्वेदी पुत्र राधामोहन चतुर्वेदी (मती) 5, हिस्स रीड मीराबाई मार्ग लखनऊ (अन्तरक)
- 2. श्री श्रीचन्द जैन मुझालाल जैन विद्याराम जैन देव-चँद जैन, लोकचन्द जैन, पुत्रगण भगवान सिंह जैन निवासी छिद्दीटोला श्रागरा । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षीप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की घर्याघ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घर्याघ, जो भी घर्याघ बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में छे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 48 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवद्ध किसी भन्य व्यक्ति ारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्ती हरण :-- समें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दो का, जो उन्त अधि-नियम, के भव्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भूषे होगा जो उस भव्याय में विया गया है।

## **प्रनुपू**ची

मकान नं० 33/19 श्रादर्शनगर कालोती श्रागरा 100000/-- में बेबो गई है जिपका कि श्रापुमानित उचित बाजार मूल्य 126164/-- है

> भ० **च० चतुर्वेदी** सन्नम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त, निरीक्षण स्रर्जन रेंज कानपुर

विनांक: 30-4-1979

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

प्रायकर प्रशितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 14 मई 1979

निदेण सं० 334/ग्रजंन/भहारनपुर/78—79—ग्रतः मुझे भ० घ० चतुर्वेदी भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६०

से प्रधिक है

गौर जिसकी सं० है तथा जो में

स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रन्सूची में श्रीर पूणह रूप से

वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सहारनदुर
में, रजिस्द्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के

ग्रधीन दिनांक 25-10-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त प्रिष्ठ-निमम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने म सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) एसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, याधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः भ्रव, उक्तं ग्रिधिनियम की घारा 269-ग के अनुमरण मैं, उक्त के ग्रिधिनियमकी धार 269-थ की उपधारा (1) धीम निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रयीत्:—

- श्री फिनीर चन्द पुत्र सरदारी राय बजाज निवासी मूह्न्ला निगापुरा सहारनपुर (श्रन्तरक)
- 2. श्री इंट्ण लाल खूराना पुत्र लाल खंद खूराना मोहल्ला माधो प्रमाद रोड महारनपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध म कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचता के राज्यत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजनव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पक्षों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रष्टवाय 20-क में परिभाषित है, वही श्रयं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

ग्रवल सम्मित्ति एक दो मंजिली दुकान स्थित बाजार नेहरू मारकेट सहारनपुर 24000/--- में बेची गई जिसका उचित बाजारी मृल्य 50000/--- है ।

> भ० च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण स्रर्जन रेंज कानपुर

दिनांक : 14-5-1979

मोहर ।

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 मई 1979

निवेश सं० 335/ग्रर्जन/सहारनपुर/1978—ग्रतः मूझे भ० च० चतुर्वेदी ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची ें श्रौर पूणह रूप में वर्णित है), रजिस्ह्रीगर्ता श्रधिकारी के कार्यालय महारनपुर में, रजिस्ह्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 26-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ध्रधिक है घौर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) घौर धन्तरिती । अन्तरितियों) के बीच ऐसे ध्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ध्रन्तरण लिखित में वास्तविक छप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसो किसी आय या किसो धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनयम, या धन-कर भिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भत: भव, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त भिधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थीत :---

- 1. श्रीनिति सुरेंद्र कुरारी हिन्नी वीरेश्वर प्रताद मूख्तार खाम मिनर्जाब बा० बीरेश्वर प्रसाद जैन मजदूर उत्तर पुत्र स्त्र० राथ बहासुर ला० हुलक्षाराथ जैन वतमान निवासी छत्ता बाख्यल महारनपुर (ग्रन्तरक)
- 2. बाबू गोदर्शन लाल चाबला पुत्र अजलाल चावला निवासी मोहल्ला कम्बोह कटहड़ा सहारनपुर (अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के अम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की मनधि, जो भी भनधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पढतोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

श्रमल सम्पत्ति 360 थ० ग० पर बनी हुई स्थित सहारन-पुर 18000/- में बेची गई जिसका कि उचित बाजारी मूल्य 33200/-- है ।

भ० च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायूक्त निरीक्षण स्रजन रेंज, कानपुर

तारीख: 14-5-1979

मोहरः

प्रप्रकप माई० टी० एन० एस०---

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-थ(1) के मधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यांतय, सहायक भायकर भायकत (निरीकण)

मर्जन रॅज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 मई, 1979

प्रायकर धर्षिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त धर्षिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मुश्रोन सञ्जन अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- क्पर्ये से मधिक है

श्रीर जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सहारनपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 26-10-1978

पूर्वोक्त सम्मति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के जिए अन्तरित को गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है भौर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) मोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया मया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत जक्त मधिनियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के विए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी घन या भ्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर भ्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त धिर्मियम या धन-कर भिष्टियम, 1957 (1957 की 27) के प्रभोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- श्रीमित सुरेंद्र कुमारी जैन स्त्री बाबू बीरेश्वर प्रसाद जैन निवासी मुहल्ला छत्ता बाहमल सहारनपुर (भ्रन्तरक)
- श्री बाबू गोदर्शन लाल चावला पुत्र लाला व्रज लाल चावला निवासी मोहल्ला कटहड़ा कम्बोह सहारनपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप---

- (क) इस सूचता के राजपन में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की भवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी
  अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, श्रवोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिष है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## बनुत्वी

श्रयल सम्पत्ति मकान 340 वर्ग गज पर बना हुग्ना स्थित सहारनपुर |20000/— में बेची गयी जिसका कि उचित बाजारी मूल्य 36800/— है।

> भ०च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर झायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज, कानपुर

तारीख: 14-5-79

प्ररूप भाई • टी • एस • एस • ------

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269 प(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याचय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 14 मई 1979

निदेश सं० 337/म्रर्जे०/सहारनपुर/78-79—म्मतः मुझे भ० च० चतुर्वेदी

भागकार प्रवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार्य 'उक्त प्रवित्यम' कहा गया है), की घारा 269-क के मधीन सक्षम आधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति; जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- द० से प्रधिक है श्रीर जिसकी सं० है है तथा जो में स्थित है (श्रीर इससे उपायत अनुसूची में ग्रीर पूर्ण एप से ग्राधीन दिनांक 28-10-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के सिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करते का कारण है कि यदापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पत्झह प्रतिशत्त से धिक है और धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरिन तियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निक्निलिस उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बायत उपत श्रिष्ठित्यम के घडीन कर बेंने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी अाय या किसी धन या प्रस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया आला चाहिए था, खिपाने में सुविधा के निए;

बतः जब, उक्त अधिनियम की बारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की बारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:——

- 1. श्री बलबीर सिंह धीर, रनबीर सिंह धीर, पुत्रगण सोन सिंह धीर निवासी गोबिन नगर सहारनपुर व वजाहर लाल विग पुत्र मनोहर लाल विग निवासी माधो प्रसाद रोड सहारनपुर (श्रन्तरक)
- 2. श्रीचन्द्र मोखर परमार पुत्र रतन लाल परमार निवासी परमार निवास शिव नगर बेरी घोट सहारतपुर (श्रन्तरिती)

को यह मूचना पारी करके पूर्वीक्त संयक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ गुरू करता हूं।

चनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेत :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा भधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोषरण :---इसमें अयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो चन्त अधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही सबं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## सनुसूची

ग्रचल सम्पत्ति 1/4 हिस्सा 1416.4 व० ग० जिसमें में 185.25 व० ग० में 2 श्राफिस कमरे, वास्डा प्रसाधा आदि है ग्रौर जारों तरफ दीवारों से बिरा है स्थित ग्राम गागल हरी मुस्तहमद परगना हरोरा तह० व जिला सहारन-पुर 200000/— में बेची गयी जिसका कि उचित बाजारी मूल्य 68000/— है।

भ० च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज कानपुर

दिनांक 14-5-1979 मोहर:

# प्ररूप प्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 17 मई, 1979

निदेश सं० 264/म्रर्जन/घाटमपुर/78--79-म्प्रतः मुझे भ० घ० चतुर्वेदी

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-श्पए से ग्रिधिक है

भ्रौर जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय घाटमपुर में, रजिट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 9-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है श्रोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रीक है श्रोर श्रन्तरक (अन्तरकों) श्रोर अन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तयिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रम्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत जक्त ग्रिधिनियम के ग्रिप्तीन कर वेने के ग्रम्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी धन या बन्य ब्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ब्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ब्रिधिनियम, या बन-कर ब्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-ग की उपघारा (1) के बाबीन, निम्निसिंश व्यक्तियों, प्रयोत्:---

- 1. श्रीमिति चन्दन कुंबर विधवा जमुना सिंह निवासी टिमरी गौखा डा० कुटरा मकरनपुर परगना तहसील घाटम-पुर जिला कानपुर (श्रन्तरक)
- 2. श्री दिग्विजय सिंह पुत्न रणविजय सिंह भवोरिय निवासी घाटमपुर डा॰ घाटम पुर जिला कानपुर (अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख हं 45 दिन की भ्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

श्रवल सम्पत्ति कृषि भूमि स्थित मोजा टिकरी गोरवां वांगर व कछार परगना तहसील घाटमपुर जिला कानपुर 48000;—— में बेची गयी जिसका उचित बाजारी मूल्य 84500/— है ।

> भ० च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक: 17-5-1979

प्ररूप भाई • टी • एन • एस • -----

प्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के प्रधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्स (निरीक्षण)

ब्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 17 मई 1979

निदेश सं० 354/श्रर्जन/श्रकवरपुर/78-79--श्रतः
मुझे, भ० भ० चतुर्वेदी
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के प्रभीन सक्षम प्राधिकारी को पह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- र॰ से भ्रधिक है
ग्रौर जिसकी सं० है तथा जो में
स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रकवरपुर
में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
श्रधीन दिनांक 3-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत से प्रधिक है भोर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्त्रीक कप से किंचत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाक्त, उक्त प्रधिनियम, के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या जिसी धन या मन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय मायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अता श्रव, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के श्रमुत्तरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- 1. श्री रामणंकर दत्तकपुत्र मनोहर लाल श्रवस्थी वासी सेठा, परगना श्रकबरपुर जिला मानपुर (अन्तरक)
- 2. श्री प्रकाण नारायण मिश्रा पृत्र णिव दाम मिश्रा 2. श्री रंगा प्रसाद मिश्रा पुत्र मिश्रीलाल मिश्रा निवासी ग्राम तपा पो० सेठा, परगना श्रकबरपुर जिला कानपुर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पति के धर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रार्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिल के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी भ्रम्य स्थक्ति द्वारा, भ्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के प्रथ्याय 20का में परिभाविश हैं, वहीं धर्म होया, जो उस प्रथ्याय में विया गया है।

### अनुसुची

श्रचल सम्पत्ति कृषि भूमि चाक नं० 504, स्थित ग्राम सैठां, पगरना श्रकबरपुर जिला कानपुर 49785/– में बेची गई जिसका उचित बाजारी मृल्य 85000/- है ।

भ० च० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रायकर श्रायक्त निरीक्षण
श्रजीन रेंज, कानपुर

दिनांक 17-5-1979

प्रकृप धाई० टी० एन० एस०-

मायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 17 मई, 1979

निदेश सं० 554/म्रर्जन/फि० बाद/78---79---म्रतः मुझे भ० च० चमुर्वेदी

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-स्पर्य से अधिक है

श्रीर जिमकी मं० है तथा जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय फिरोजाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 13-10-1978 की

पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृह्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्तह
प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बान्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त प्रक्ति-नियम के घन्नीन कर देने के धन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अश्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायें अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए :

ग्रत: ग्रंथ, उक्त ग्राधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरक में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के ग्रिधीन पिम्नजिक्ति व्यक्तियों ग्रंथीत्:—

- श्री महावीर सिंह पुत्र नंदराम यादव निवासी मोहल्ला मसुरा नगर शहर फिरोजाबाद। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीरमेश चन्द जैन वल्द ला० हरसुख राय जैन निवासी मोहल्ला हरीनगर जलेसर रोड शहर फिरोजाबाद, चमनलाल पुष्त बिहारी लाल सा०मोहल्ला आर्यनगर फिरोजाबाद श्रीपरमेश दीक्षित पुत्र शान्ति स्वरूप निवासी मुहल्ला बारा बाजार फिरोजाबाद । श्रिन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो ; के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिधिनियम के भ्रष्टियाय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं भयं होगा, जो उस भ्रष्टियाय में दिया गया है।

### अनुसूची

श्रजल सम्पत्ति भूमि 3 बीधा 14 बिस्वा 8 बिस्वासी स्थित मौजा सुखमलपुर निजामाबाद परगना फिरोजाबाद 50000/-- में बेची गई जिसका उधित बाजारी मूल्य 70693/-) है।

भ० च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण,) प्रर्जन रेंज, कानपुर

विनांक : 17-5-1979

प्ररूप धाई • टी • एन • एस •---

## मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-**म** (1) के मोनीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रोंज कानपुर

कानपुर दिनांक 17 मई 1979

निदेण गं० 558/म्रर्जन/फिरोजाबाध/78—79—म्म्रतः मुझे भ० च० चनुर्वेदी आयक्तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), कि धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- ४० से ग्रधिक है,

ग्रीर जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुची में ग्रीर पूर्ण रु से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय फिरोजाबाद में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन दिनांक 23-10-1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से भिष्टक है, भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया। प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निश्चित में बाल्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रत्तरण में हुई किसी भाग की वायत अवत अधिनियम के अधीन कर देने के अव्तरक के दायित्यों कभी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए। भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाषकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) ते प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वाराप्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रव, उक्त ग्रिश्चितियम, की घारा 269-ग के भ्रमु॰ सरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्मलिखित व्यक्तियों ग्रर्थात् :----

- श्री महावीर सिंह पुत्र बांके लाल निवासी मुहल्ला कोटला कस्त्रा व पो० फिरोजाबाद जिला श्रागरा
- 2 श्री राम प्रमाद पुत्र मीनाराम निवासी ग्राम लालपुर परगना व जिला फिरोजावाथ जिला ग्रागरा (श्रन्तरिती)
- को यह मुखना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं!

उक्त सम्बक्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेपः⊸→

- (क) इस सूचता के राजगत्र में प्रकाशन को तारीख सें
  45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामिल में 30 दिन की मबिध, जो भी
  अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पानीकरन:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त धिनियम, के धध्याय 20-क में परिभाषित हैं नहीं सर्वजागा जो उस सब्याय में दिया गया है।

## प्रनुसूची

श्रवल सम्पन्ति कृषि भूमि । बीघा 12 बिम्बा स्थित ग्राम हीरामई पर्गता व तहसील फिरोजाबाद जिला श्रारा 15000/-- में बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 91996/-- है ।

> भ० च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी गहासक भ्रासकर भ्रायुक्त, निरीक्षण, श्रजेन रोज कानपुर

दिनांक 17-5-1979 मोहर : प्रस्थ भाई । टो । एन । एस • -----

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प (1) के घंधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रोज कानपुर

कानपुर दिनांक 17 मई, 1979 निदेश सं० 609/ग्रर्जन/माट/78/79—-प्रतः मुझे भ०

मायकर मिष्टिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिष्टिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- द से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 18 है तथा जो राजेन्द्र नाथ मुखर्जी रोड, स्थित है (श्रीर इसमे उपाबड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय माट में, राजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (190 का 16) के श्रधीन दिनांक 25-0-1079

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रैतिफान के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रवृह प्रतिशत से घष्टिक है, भौर यह कि मन्तरक (अन्तरकों) और प्रम्तिन्ती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित संदृष्य स अक्त अन्तरण लिखित में शस्तविक रूप से कियत नही किया गया है :---

- (क) धम्लरण में हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के भक्षीम कर देने के धन्तरक के दाधित्व में कमी करने या उसमें बचने में नुविधा के लिए; खौर/या
- (क) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या ग्रन्य ग्रास्तियों की जिन्हें भारतीय भ्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर ग्राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, भव उक्त ग्रिश्चिमयम की धारा 269ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की बारा 269 म की उपचारा (1) के स्थीन निम्नजिक्ति व्यक्तियों, अर्थातः ---

- श्री करना पुत्र घंसा निवासी खेड़ा सौनई तहसील माट जिला मधुरा (ग्रन्तरक)
- 2. श्री भीमम्बर पुत्र बदलू नित्रासी डा० सौनाई तह० माट जिला मधुरा (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के ग्रजैन के लिए कार्यवाहियां करना हूं।

उनत सम्पति के सर्वेत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन की धविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास जिक्टित में किए जा सकोंगे।

स्पन्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त भन्दों भीर पदों का, जी उक्त श्रीधनियम, कं श्रध्याय 20-कं में परिभाषित हैं, वही श्रषं होगा जी उस शब्याय में दिया गया है ।

## धनुसूची

श्रचल सम्पत्ति कृषि भृमि 14 बीघा 10 विस्वा 8 विस्वासी स्थि मरैना ज्वार पर्गना हममगढ़ ता० इगलास जिला श्रलीगट्ट 37000/-- में बेचे गई जिसका उचित बाजारी मृल्य 128000/-- है ।

भ० च० चतुर्वेदी मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण, भ्रजन रोंज कानपुर

तारीख 17-5-1979 . मोहर: प्ररूप धाई • टी • एन • एस • ---

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-मं (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेज कानपुर

कानपुर दिनांक 17 मई 1979

निदेश म० 617/अर्जन/78-79---ग्रनः मुझे भ० च० चनुर्वेदी,

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है। कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित रुपये से ग्रधिक है माजार मुल्य 25,000/-भ्रौर जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना भ्रक्षिकारी के कार्यालय में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 17-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों), के बीच ऐसे अन्तरण के निए तथ पाया गया प्रतिक्षन निम्निविद्या उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक का से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धनकर ग्रधिनियम, या धनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनु-सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थातः---

- श्री महेंद्र प्रताप गिह पुत्र राज बहादुर सिंह निवासी मीजा पुर यो० नुनसाई परागना उरई जिला जानलीन (अन्तरक)
- 2. श्री राममुवा पुत्र रघुनाथ रामनाराधण पुत्र रामेश्वर निवामी ऐंचा पो० उनसाई परगना उरई जिला० जालीन व देवी प्रसाद पुत्र पंचम दिवासी ए० डा० निगनी परगरा रयह जिला हमीरपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मिन के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उनत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी साक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजात्र में प्रकागन की नारीब से 45 दिन की प्रविध या नत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामीन से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्राहा;
  - (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मर्तेणे।

स्प व्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही अयें होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुयूची

श्रचल सम्पत्ति ऋषि भूमि चक्र नं० 175 स्थित मौजा पुर परगना उरई जिला जालौर 1053348/— में बेची गई जिसका कि उचित बाजारी मूल्य 156000/— है।

> भ० च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त, निरीक्षण स्रर्जन रोज कानपुर

दिनाक 14-5-1979 मोहर : प्ररूप माई• टी॰एन• एन• ———— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के मधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानप्र

कानपुर, दिनांका 17 मई 1979

निदेश मं० ৫। 1/ग्रर्जन/मादाबाद/ 78-79—–प्रतः भ० च० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उस्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थात्रर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है,

ग्रीर जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय साधाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 17-10-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उवित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए मन्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमाम प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है भीर मन्तरक (भन्तरकों) भीर मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण निखित में वास्त-विक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त अधिक नियम के ब्राधीन कर देन के ब्रन्टरक के वायिस्व में कमी करने या उसने बजने में मुखिक्षा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए;

धतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निस्तलिखित व्यक्तियों प्रधीत्:--

- श्रीमित चन्द्रवती स्त्री महेंद्रपाल निवासी मौजा जैतई परगना सादाबाद जिला मथुरा (ग्रन्तरक)
- 2. श्री घूरे लाल, रामजी लाल, महाराज सिंह पुताण बाबू लाल निवामी लालाढ़ी मीजा जैनई परगना माधाबाद जिला मथुरा (श्वन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उत्त संपत्ति के प्रजंत के संबंध में कोई मी प्राक्षीय:---

- (क) इस पूत्रना के राजपत्र में प्रकारत की तारीख से 45 दिन की मयधि या तश्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की मयधि, जा भी मयधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजनत्त्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पत्ति में हिन-बद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्राधोहस्ताक्षरी क पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्ठीकरण: --इसमें प्रयुक्त ग्रन्थों और पदों का, जो उक्त मधिनियम के मध्याय 20-क में परि-माधित हैं, बही मर्थ होगा जो, उस मध्याय में दिया गया है।

## प्रमुखी

म्रचल सम्पत्ति कृषि 11.69 डि स्थित मौजा जैतई परगना सादाबाद जिला मथुरा 48000/- में बेची गई जिसका उचित बाजारी मृह्य 106080/- है।

> भ० च० चनुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त, निरीक्षण ग्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनोक 17-5-1979 मोहर: प्रकप माई • टी • एन • एस०-----

बायकर अधिनियंम, 1961 (1961 का 43) की धारा 296-घ (1) के मधीन सुबना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेज. कानपुर कानपुर, दिनांक 17 मई 1979

निदेण सं० 613/धर्जन/मादाबाद/78-79--ध्रत मुझे भ०च० चनुर्वेदी

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- द∙ से प्रधिक है

श्वर जिसकी स० है तथा जो में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण घप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ना ग्रधिकारी के कार्यालय साक्षाबाद में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 28-10-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मित्रक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरक के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण विखित में गस्तिक रूप से कित नहीं किया गया है:—

- (क) यन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत 'जबत प्रिचित्रम' के प्रशीन कर देने के अन्तरक के दायिक्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य झास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर झिंदिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया चाना चाहिए चा, छिपाने मे सुविधा के लिए।

ब्रह्मः भव, उक्त ध्रिष्टिनियम, की घारा 269-व के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उप-धारा (1) के ध्रष्टीन निम्नलिबित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. श्रीमती स्रोमवती स्त्री प्याम बिहारी व श्रीमति भू-देवी स्त्री जगदम्बा प्रसाद व कुमुमादेवी स्त्री श्रानिल कुमार निवासी नगला मदारी भाग मौजा विसम्बर तह० मादाबाद जिला मथुरा (अन्तरक)
- 2. श्रीमती दुलारी विधवा गड़ुरमल वश्रीमात रीतादेवी स्वी लक्षमी नरायन निवासीगढ़ी नन्द भाग भरनिया तह्० मादाबाद जिला मधुरा। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

## उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की प्रामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पवदीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्ष होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

श्रचल सम्पत्ति कृषि भूमि 6.19 डि॰ स्थित मोजा करनऊ तहमील मादाबाद जिला मथुरा 37000-/रु॰ में बेची गई जिमका उचिन बाजारी मूल्य 94040-/रु॰ है।

> भ० न० वतुर्बेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रोंज, कानपुर

दिनांक: 17-5-1979

## प्ररूप भाई०टी०एन०एस०---

भायकर बिविनयम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-च (1) के मधीन सुचना

#### भारत सरकार

दार्यालय, भहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजेन रेज, कानपुर

कानगुर, दिनाक १८ मई १७,७

निदेश मं० 623/शर्जन०/78-79-श्रागरा---श्रतः, मुझे भ० च० चनुर्वेदी, आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्यास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४० से श्रिधिक है श्रीर जिसकी सं० है तथा जो मे

स्री जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद अनुसूची में भ्रीर पूर्ण म्य से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रागरा में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांब 25-10-1978 को

पूर्वोक्त सम्यानि के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए चन्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विष्याय करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्यत्ति का उजिल बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पम्ब्रह् प्रतिक्षत अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्ध्य से उक्त भन्तरण निखिब में वास्तविक रूप से कियत महीं किया गया है। ज

- ( त) अन्तरण से दुई ित्सो आप को बाबन, उक्त पर्धितम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्य में कमी करन या उसते बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी (कसी प्राप्त या किसी धन या अस्य प्रास्तियों का जिन्हें भारतीय प्रायक्त प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या अन-तर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनाय अन्तरिती द्वारा अकट तहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में स्विधा के लिए;

श्वतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त भाधिनयम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रवत्ः---

- श्री गोविन्द राम पुत्र टहल राम तिवारी 115, न्यू श्रागरा, श्रागरा (श्रन्तरक)
- 2. श्री मुकेश चन्द गर्ग पुत्र श्री गुलाब चन्द्र निवासी
  215, न्यू श्रागरा, श्रागरा (श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोंकत सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी आक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजात्र में रहाक्षा को तारीख से 45 दिन की भविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की धनिष्ठ, जो भी भविधि बाद में समाब्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (ब) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किये जा सकेंगे;

रूपब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्यायमें दिया गया है।

#### अनुसूची

भ्रचल गृह सम्पत्ति नं० 116. न्यू भ्रागरा 58,000/-में बेची गई जिसका उचित बाजारी मृत्य 81,200/-है।

> भ० च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर धायुक्त, (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक: 18-5-1979

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

## भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के भवीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 17 मई 1979

निदेण सं० 627/ग्रर्जन/श्रागरा/78—-79--श्रवः मुझे भ० च० चनुर्वेदी

भायकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त प्रिवित्यम' कहा गया है), की घारा 269-ध के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिपका उचित बाजार भूल्य 25,000/-रुपए से भिषक है

श्रौर जिसकी संव अनुसूची के अनुसार है तथा जो स्थित है (श्रौर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्ता श्रिकारी के कार्यालय श्रागरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (190 का 16) के श्रधीत दिनाक 6-10-1978

को पूर्वोक्त सम्यक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्यक्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दूश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का क्वाइ प्रतिगत से प्रधिक है प्रौर प्रकारक (अन्तरकों) घौर प्रकारिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रकारण के लिए तय पाया गया प्रतिकात, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रकारण निश्चित में बाह्नविक एवं से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िमी स्राय की बाबत उक्त श्रीवितयम के भ्रीत कर देने के मन्तरक के दायित्त्र में कभी करने या उससे बत्रने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (व) ऐमो किसी प्राय या किसी धन या प्रत्य प्रास्तियों. को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिगाने में मुनिधा के लिए;

भ्रत: भ्रब, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निक्नलिक्ति व्यक्तियों, प्रथित्:---

- 1. श्री रमेश चंद पुत्र रत्तन चंद व श्रीमिती शकुनाना देनी स्वी रतन चन्द व मनोज मित्तल ना० वा० व श्री राजेंद्र मित्तल पुत्रगण रत्नन चन्द ना० श्रा० संरक्षक श्री रतन चन्द्र मित्तल गिता स्वयं निवासी 87 नेह्र नगर आगरा (फर्म रतन उद्यो श्रागरा) (अन्तरक)
- 2. भंबर लाग भृटोहिया प्रा० लि० ४६ नेता श्री मुभाप रोड कलकत्ता रिजि० कं० द्वारा श्री यस० एन० गोलचा पुत श्री एच० मी० गोलचा मृखनार (ग्रन्तरिती)

को यह सूबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उनत सम्मति के प्रवेत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचन के राजपद मैं प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकश्च
  किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोत्त्रक्ताक्षरी के पास
  निखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण .---इसम प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रविनियम के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा जो उम शब्दाय में दिया गया है।

## **प्रमुखी**

श्रवंत सम्पत्ति एक कारखाना मय इमारत क्षेत्रफल 3130.53 वर्ष मीर्व स्थित श्ररगोनी परगना 5 जिला प्रागरा 250000/— में बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 238810/— है।

> भ० व० चतुर्वेदी गक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त, निरीक्षण श्रुजैन रेंज, कानपूर

दिनांक: 18-5-1979

प्रकृष भाई० टी • एत० एस०---

आयकर घिषानियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मूचना

#### भारत सरकार

कार्यातव, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 18 मई 1979

निदेण मं० 660/म्रर्जन/फिरोजाबाद/78-79--मृझे भ० घ० चतुर्वेदी,

आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वायर सम्पत्ति, जिसका उचित धाजार मूल्य 25,000/- इपए से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० है तथा जो में स्थित है (ग्रीर इसके उपाबद्ध श्रनुभूची में ग्रीर पूर्ण क्ष्य में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय फिरोजाबाद में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 27-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथावूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परद्रह् प्रतिशत से अधिक है बीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच के प्रत्नरण के लिए तर स्वा गया प्रतिफल, निम्तलिजिक उद्देश्य से उक्त परनरण निविच में नास्नविक इप ने कथिन नहीं। किया गया है :--

- (क) प्रन्तरग स बुई किसा पाय को बायत. उक्त अधि-नियम, के भाषीत कर देते के प्रत्तरक के दाकित्व सं कामी करते था उससे स्थात में सुविधा के लिए: और!या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य ग्रास्थियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्राधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की घारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की **बारा 269-भ की** उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित क्यिक्समें, श्रवीत:--

- 1. सर्व श्री गोपाली पुत्र राम स्वरूप, सत्य राम पुत्र भवानी प्रसाद व रामदयाल पुत्र नवाब सिंह व महावीर सिंह, मनवीर सिंह, सत्यवीर सिंह पुत्र रोणन लाल निवासी ग्राम नागला सदासुख माजरा मौजागदाऊ नहसील फिरोजाबाद, जि० ग्रागरा (अन्तरियी)
- 2. श्री विमल कुमार जैन धनक पुत्र मेठ स्थं । छदामी लाल जैन निवासी चापेटी कला फिरोजाबाद मैनेजिंग डाइ-रेक्टर मोती प्रा० लि० फिरोजाबाद व श्रीमित उमिला रानी जैन स्वी विमल कुमार जैन मोहल्ला चापेटी कला फिरोजाबाद पार्टनर फर्म जैन मिनरल्स कम्पनी फिरोजाबाद जि० श्रागरा (श्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मति के शर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्मति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपद्म में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य स्थानित द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखात में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रक्षितियम के मध्याय 20क में परिभावित है, बही ग्रम्थें होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## ग्र**न्**लुची

ग्रचल सम्पत्ति खेत नं० 37 व 38 स्थितखेमकरनपुर तहसील फिरोजाबाद जिला ग्रागण 80000/—— में बेची गई जिसात उचित बाजारी मूल्य 161000/- है।

> भ० च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त, निरीक्षण भर्जन रोज, कानगुर

दिनांक: 18-5-1979

प्रकप भाई । टी । एन । एस ।

आमकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के सधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक प्रायकर प्रायुक्त, (मिरीक्षण) प्रजीन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 18 मई 1979

849/भर्जन/मागरा/78---79---भ्रतः मुझे भ० च० चतुर्वेदी आयकर शिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की झारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रुपये से अधिक है और ग्र**र जि**सकी सं∘ है तथाजो स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से र्वाणत है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय प्रागरा में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के **मधी**न दिनांक 30-10-1978 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के <mark>दृश्यमान</mark> प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से भ्रधिक है और भन्तरक (भन्तरकों)

(क) प्रस्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त प्रधिनियम के भधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय

पाया मया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण

सिबित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:---

(का) एसी किसी आय या किसी घन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें पारतीय आयकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किसी जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

- 1. इति पी० सी० गिडपत लाइरेक्टर डा० मिसेण श्रानीस य श्री सीरी गिडियन मुख्तार मिसेण शीला एम० फरतान्डीस पुक्ष व लड़कियां श्री सीरी गिडयन निवासी विटिसिया हास्पिटल सेस्ट जान्स कालेज श्रागरा (श्रन्तरक)
- 2. श्री मधुकर कपूर, श्ररविंद कपूर णोम कपूर फियूझ कपूर नाबालिंग नि० 64 सूर्य नगर श्रागरा-2 (अन्तरती)

को यह मूबना जारी करके पूर्वोक्त सम्प्रित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त-सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद्य
  सूचना की तारीख से 30 दिन की अविधि, को भी
  ग्रमधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन
  क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में श्रक्ताशन की तारीख से 45 विन के भीतर जकत स्यावर सम्पत्ति म हित- बद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, श्रवोहस्ताक्षरी के पाम निखित में किए जा सकरे।

श्पक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पकों का, जो उक्त अधिनियम, के अन्याय 20-क में परिभाषित है, बही ग्रर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

श्रचल गृह सम्पत्ति नं० 5/161 सोंठ की मन्डी श्रागरा 225000/-- में बेबी गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 290000/-- है।

> भ० च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रोंज, कानपुर

दिसांक: 18-5-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

**म्रजं**न रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 18 मई 1979

निदेश सं० 981/मर्जन/कासगंज/78--79--मतः मुझे भ० ७० चतुर्वेदी आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत प्रधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-स्त्र के भ्रष्टीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मुल्य 25,000/-हपये से मधिक है भौर जिसकी सं० में स्थित है तथा जो है (भीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता घ्रधिकारी के कार्यालय कासगंज में, रजिस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मनदूबर 78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उनत, ग्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों भी, जिन्हें, भारतीय श्रायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत श्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः, भन, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-म के अनु-सरण में, मैं, उक्त श्रिबिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निस्निजिब अक्तियाँ, श्रथीन्:→~

- 1. श्रीमति कुतुमप्यारी उर्फ शान्ती देवी स्त्री व अरुष प्रताप सिंह पुत्र भाव सिंह तिवारी अनीगंज जिला एटा (अन्तरक)
- 2. श्री रमेश घन्द्र पुत्र रामघरण लाल निवासी मी० नालूराम, फासगंज, एटा (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के श्र<mark>र्जन के लिए</mark> कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद्ध कियी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उन्त प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

श्रचल सम्पत्ति एक दुकान एक मंजिली जिसके पश्चिम में इमारत श्री बिहारी लाल जी की है स्थित बारहद्वारी नरई दखाना कासगंज जिला एटा 40000/-- में बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 60000/-- है।

> भ० च० घतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण स्रर्जन रेंज कानपुर

दिनांक: 18-5-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

भायकर मांचनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 2694(1) के मधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 21 मई 1979

निदेश सं० 223 ए०/एस० पुर/78---79---श्रतः मुझे भरत भन्द्र चसुर्वेदी आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रधिक है और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय रुड़की में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 13-10-1978

में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, बसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (अन्तरियों) के बोच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण निश्वित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिक्ष में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

नंतः ग्रवः जनत ग्रविनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में; जनत ग्रविनियम की घारा 269-व की उपघारा (1) के ग्रवीन, मिम्नलिखित क्यक्तियों, अर्थीष्ट :---

- 1. श्री सुखपाल सिंह पुश्व इमरत सिंह नि॰ मानक पुर श्रादमपुर पर भगतानपुर तह॰ चड़की जिला सहारनपुर। (श्रन्तरक)
- श्री तेलूराम पुल घनेश्म निवासी मानकपुर श्रादम-पुर पर भगवानपुर तह० रूड्की सहारनपुर (श्रन्तरिती)

को यह सबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिएं कार्यवाहिक करता है।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपद्म में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी **ख से**45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितम्ब किसी अन्य क्यिक्त छारा भ्रवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त अब्दों श्रीर पदों का, जो उक्स अधिनियम, के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही श्रषं होगा, को उस श्रष्टयाय में दिया भया है ।

## अनु सूची

कृषि भूमि ग्राम मानकपुर श्रादमपुर परगता भगवानपुर तहु कड़की सहारतपुर में 6000/--- रूपये की बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 41,800/-- रुपया ग्रांका गया है।

> भ० घ० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज, कानपुर

**वि**नांक 21-5-1979 मोहर:

## प्रकार आई • टी • एम • ्स • ----

यात्र स्विधितियम, 1961 (19**61** हो 43) ही घारा 269 च (1) के समीन सूचना

भारत भरकार

कायन्तिय, सहायक आयकर घायुक्त (निरीजण)

श्रर्जेन रेंज, कानपुर

कानपुर विनांक 21 मई 1979

निवेश सं० 628/अर्जन/आगरा/78-79-अतः मूझे भ० च० चतुर्वेदी, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इमर्मे इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से श्रीकक है,

श्रीर जिसकी सँ० है तथा जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय आगरा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1909 का 16) के श्रधीन तारीख 26-10-1978

तारीख 26-10-1978
पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित नानार मूला से कन के बृश्यमान प्रतिफल के लिये धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत प्रधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) भीर धन्तरिशी (धन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गयाप्रतिफल, निम्नलिखित उद्देण से उन्त धन्तरण बिखित में वास्तिक अप से कियत नहीं किया पया है !—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी साथ की बाबत उक्त अधि-नियम के प्रश्नीन कर होने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी माय या किसी वन या भन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर मिश्वनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिश्वनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में मुविधा के निए;

अतः पन, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपचारा (1) के अधीन निश्वमितिक व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. श्री प्रेम बल्जम त्रिपाठी पुत्र जातकी बल्तभ विपाठी निवासी 38 श्रोल्ड विजयनगर कालोनी श्रागरा व श्रीमती कामिनी बख्शी स्त्री नरेंद्र मोहन बख्शी 29/267 रकाब गंज श्रागरा (श्रन्तरक)
- 2. श्री मांगी बन्द पुत्र श्री मामल निवासी 6/32) बेलम गॅंज द्यागरा । (श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारों करके पूर्वोचन सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप: --

- (क) इन सूचना के राजपंत्र में प्रकाणन की नारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी स्थितियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की श्रविश्व, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितयों में से किसी स्थित द्वारा;
- (बा) इस सूचना के राजपत्र में प्रशाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किमी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रद्वोहस्ताभरी के पाम लिखिन में किए जा सकेंगे ।

क्प आक्रिकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शक्तें घीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही पर्यहोगा, को उदयक्ष्मण में दिया गया है।

## अनुसूची

अवल सम्पत्ति मकान नं० 22/19 स्थित गोल्ड विजय नगर कालोनी आगरा 130000/-- में बेची गई जिसका उचित बाजारी मूह्य 209444/-- है।

> भ० च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी महायक ब्रायकर ब्रायूक्त, निरीक्षण प्रर्जन रेंज कानपुर

विनांक 21-5-1979 मोहर। प्ररूप भारि टी • एन० एम०---

भायकर प्रक्षितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269प(1) के भिन्नीत सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ब्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनक 21 मई 1979

निदोष सं० 633/म्रर्जन/म्रागरा/78--79--यतः मुझे भ० च० चतुर्वेदीः,

भावकर भिधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके पृथ्वात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की पारा 269 खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य, 25,000/- ४० से पश्चिक है

श्रीर जिसकी सं० मान सूची के अनुसार है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में श्रींग पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्री हर्ता श्रिधकारी के कार्यालय ग्रागरा में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 26-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रिक्षणल के लिए मन्तरित की गई है मीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पम्झड़ प्रतिकार से अधिक है भीर मन्तरक (मन्तरको) भीर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिये तब पामा गया प्रतिफल, निम्तिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण निखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) धन्तरण से हुई किसी प्राय की वावत जनत विध-नियम के प्रधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिये; ओर/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या घण्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जामा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के खिने;

ग्रतः ग्रम, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-च की उपचारा (1) के प्रचीन निम्नलिखित न्यक्तियों प्रकृति:—

- 1. श्री जवाहरलाल बाल्जा व राज कुमार बाल्जा पुत्र चुन्तीनाल बाल्जा निवासी बाल्गाँच ग्रागरा (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती राजमोहिनी गालिक स्त्री दीनानाथ व श्रीमित प्रभामितक स्त्री विजय कुमार व श्रीमित कमलेण मिलिक स्त्री विनय गिलिक निवासी 74 जयपुर हाऊस लोहा मिल्डी, श्रीगरा (श्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करक पूर्वीक्त सस्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहिया करना हुं

उक्त राम्पनि के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप--

- (६) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खरे 45 दिन की धवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर नूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भाषविध आद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोक्त व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (७) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रश्लोहस्ताकरी के पास निस्तित में किये जा मकेंगे।

स्वक्रीकरण .—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों को, आयकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) के भध्याय 20-कं में परिभाषित है, वही भर्ष होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## **अन्**सूची

श्रचल सम्पत्ति प्लाट नं० 60-ए सूर्यनगर श्रागरा 100000/--- में बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 139450/--- है।

> भ० च० चतुर्वेदी संक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

विनांक: 21-5-1979

प्रारूप ग्राई० टी० एन० एस०-

श्रायकर श्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधकर धायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 मई 1979

निदेश सं० 322-ए/78-79---ग्रतः मुझे भ० च० चतुर्वेदी,

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ॰ से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनूसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री रुर्ता स्रधिकारी के कार्यालय देहरादून में, रिजस्ट्री रूरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 5-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीव ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निजित में वास्तरिक हम से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रनारण से हुई किसी भाय की बाबत छक्त भिक्षितियम के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायिस्त्र में कमी करने या उससे बचने म सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उन्त अधिनियम, नी धारा 269-ग के ग्रनुसरण म से उन्त ग्रिजियम की धारा 269-च की उपभारा (1) ग्राभीन निम्नजिखित व्यक्तियों, शर्यादः ⊶

- 1. श्री ध्रमरजीत सिंह पुत्र घ्ररजन सिंह 19 गोविन्द नगर-I, देहरादून (ग्रन्तरक)
- 2. श्री भाग सिंह पुत्र प्रभू दयाल 21 गोविन्द नगर देहरादून (म्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उका सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की मनिष्ठ या तत्सम्बन्धी क्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भनिष्ठ, जो भी भनिष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, ध्रषोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हरडद्वीकरण : --इसमें प्रयुक्त गब्दों और पर्दों का, जो उक्त प्रतिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### धनुसूची

ग्रह सम्पत्ति स्थित 19 ब्लाक I गोविन्द नगर देहरादून में 30,000/-- रुपये की बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 49,500/-- रुपये ग्रांका गया है ।

भ० च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक 22-5-1979 मोहर: त्ररूप माई०टी० एन० एस०--भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269व (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 मई 1979

निदेश स'० 461/ए/78----79------ प्रतः मुझे भ० च० चतुर्वेदी

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० वे अधिक है।

श्रीर जिसकी सं० है तथा जो स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनांक 29-11-1978

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत धिषक है भौर धन्तरित (धन्तरितयों) को बीच ऐसे धन्तरित को जिल्ला के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उकत धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी घाय की वाबत, उक्त ग्राधि-नियम के ग्राधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी भन या ग्रन्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रामकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत ग्रिधिनियम, या श्रनकर भिधिनियम, या श्रनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया भाना चाहिए था, दिए ने गेंग्रिंध के ति

मतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-च की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचात्:——

- 1. श्री विजयगाँकर पान्छे बल्द स्व० गँगः चरन 128/ 1018 बनाक बाई, किदवर्शनगण, जालपुर (गणारक)
- 2. श्री विशासभार नाथ तिवारी अल्ब गूंा पनाद तियारी 128/1018 ब्लाक वाई किदवई मगर, कानपुर

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैत के मम्बन्य में कोई भी थाक्षेप :---

- (क) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के सीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रशोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पवों का, जो उक्त श्रीधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रयं होगा. जो उस शब्दाय में दिया गया है।

## अनुसूची

गृह सम्पति नं० 102 ब्लाक वाई किंदबई नगर कान-पुर में 80,000/-- रूपये की नेची गई जिसका उचित बाजारी मृत्य 1,06,000/-- रुपये आंका गया है।

> भ० च० **चतुर्वेदी** सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज. कानपुर

विनांक: 22-5-1979

## प्रकप आई० टी० एन० एस०---

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1951 का 431 की धारा 269-व (1) के अधीर सुचना

भागा सरकार कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपूर

कानपुर, दिनांक 22 मई 1979

निदेश सं० 634/मर्जन/मागरा/78-79--म्रतः मुझे भ० च० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- कु से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (ग्रीर इससे उपापद्ध ग्रनूपूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है) रजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय श्रागरा में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1098 (1908 का 16) के ग्रीधिन हिलांक 19-10-1978 की

दिनांक 19-10-1978 की
पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रश्चिक है और अन्तर ह
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उन्त अन्तरण विश्वित में बास्तरिक रूप से कथित नहीं
किया गया के न

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; खीर/या
- (ख) ऐनी किसी पाप या किसी घन या मन्य आस्त्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रधिनियम, 1922 (1912 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाननार्थं ग्रन्तरियों द्वारा प्रवट नहीं किया गया था या किया जोन अहिए या छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः प्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भन्मरण में, में, उक्त ग्रिधिमियम की घारा 269-भ की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- 1. मेजर प्रेम बल्लभ त्रिपाठी 22/18 विजय नगर पालोनी प्रागरा व श्रीमित भामिनी बख्भी स्त्री नरेंद्र मोह 29/26 प्रशास गेंज ग्रागरा (ग्रन्तरक)
- 2. श्री मज्जन राव पुत्र श्री जवाहर लाल 6/198 वेलन गाँज श्रागरा (अन्तरिती)

को यह सूत्रता जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति कै मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील में 30 दिन की अवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किपी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस सूचना के राजपज्ञ में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित-बड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए आ सकेंगे

स्पद्धीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं घर्य होता जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

## अ**मुस्** ची

श्रवल समात्ति मकान नैं० 22/18 पुरानी विजय नगर कालोनी श्रागरा 1.45.000/-- में बेची गई जिसका उचित्र बाजारी मृत्य 1,99,400/-- है ।

> भ० च० चतुर्वेदी मक्षम प्राधिकारी महायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज्यकानपुर

विनोक: 22-5-1979

मीहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269घ(1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, विनांक 22 मई 1979

पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्प्रति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू०

से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० है तथा में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनूसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय खुर्जा में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 27-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिपात से अधिक है भीर अन्तरिक (अन्तरिकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निख्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रिष्टिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के ब्रायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आयया किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः, भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यात्:--12—116GI/79

1. श्री भ्रब्दुल गक्कार पुत्र श्री रियासत भ्रली खाँ नि० चौढेरा डा० खास पर पछमू तह० खुर्जा (बुलन्दशहर) (अन्तरक)

2. श्रीमित उपावाष्पे पुती प्रेम शॉकर नि० चौढेरा डा० खास पर: पहा व तह० खुर्जा जिला बुलन्दशहर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
  श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
  किए जा सकेंगे।

स्वब्डोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

कृषि भूमि स्थित ग्राम चीढेरामें 32,000/— रूपये की बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 72,000/— रूपए ग्रांका गया है।

> भ० च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर म्राक्युत (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, कानपुर

दिनांक 25-5=1979 मोहर: प्ररूप ग्राई • टी ॰ एन • एस ॰ — — अगयकर ग्राधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के ग्राधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 22 मई, 1979

निदेश सं० 876 ए/78—-79—-ग्रतः मुझे भ० च० भनुर्वेदी

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की घारा 269-च के मिनियम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से मिनिक है

ग्नौर जिमकी सं० है तथा जो में स्थित है (ग्नौर इसमें उपाबद श्रनुसूची में ग्नौर पूर्ण कत से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मूज्जफरनगर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) ग्रधीन दिनांक 18-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रांत तल के लिये घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से घिषक है और घन्तरक (घन्तरकों) धौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तयं पाया गया ध्रांतफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित में बाक्तियक क्य संकथित नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसो भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायिख में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या मन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था या, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त धर्षिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं उक्त धर्षिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित \*पक्तियों, ग्रथांत:——

- श्रीमिति केलावती पित्न भवर सिंह सम्बलहेडी तह० देववन्द डा० रामपुर जिला सहारनपुर (श्रन्तरक)
- 2. श्री राजेंद्र तिह व केंबर पाल व शेर मिंह पुत्र महेन्द्र सिंह संरक्षक श्रीमित कृष्णा देवी व कृष्णा देवी पत्नी भेंबर सिंह, नरेश कुमार, व प्रताप सिंह पुत्र जगदीश सिंह सँरक्षक शकुन्तला देवी पत्नी जगदीश सिंह नि० गोगवान नि० जनालपुर परः थानाभवन तहः केंशना जिला मूज्जफरनगर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

डक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेपः ---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताझरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

रश्कीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पर्दों का, जो उक्त धाधिनियम, के घष्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अथ होगा, जो उस धब्याय में विया गया है।

## अनुसूची

कृषि भूमि स्थित पिपलेडा में 30,000/-- रूपये की बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 80,800/-- रुपया स्रांका गया है ।

> भ० च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सह(यक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज, कानपुर

दिनांक 22-5-1979

प्ररूप ब्राई० टी० एन० एस०-----

भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भ्रापा 269थ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्वर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 मई 1979

निर्देश सँ० 878-ए/78-79—भ्रतः मुझे, भ० च० चरुवेंदी,

प्रायकर प्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्प्रति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है, शौर जिसकी सँ० है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री कि प्रधिकारी के कार्यालय कैंगना में, रिजस्ट्री करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 20-10-1978

पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ध्रधिक है और ध्रन्तरक (अन्तरकों) और धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी श्राय की बावत उक्त भविनियम, के भवीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

भतः भव, उन्त मधिनियम की धारा 269 ग के भ्रमुसरण में, मैं उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा, (1) के अधीन निम्नजिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री अलरिजां पुल मेजर खां ग्राम मतानी डा० व
   पर थाना भवन तह० कैराना जिला मुजफ्फरनगर।
   (अन्तरक)
- 2. श्री बद्दी प्रसाद पुत्र जय चन्द्र व सीता रिति पुत्र चौधरी राम ग्राम मसानी डा० व परः थाना भवन कैराना (मुजफ्फरनगर)। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी ब्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किये जा सकेंगे!

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं ग्रथं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

कृषि भूमि स्थित कस्बा थाना भवन पट्टी मसानी में 26,000/— रुपये की बेची गई जिजसका उचित बाजारी मूल्य 71,200/— रुपया भ्रांका गया है ।

भ० च० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी सह्यक ग्रायकर ग्रायुक्त, निरीक्षण ग्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 22-5-1979

प्रक्ष आई॰ दी॰ एन॰ एस॰----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की द्यारा 269-व (1) के ग्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्भन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 मई 1979

निवेश सं० 882-ए/78---79---ग्रतः मुझे भ० च० चतुर्वेदी

माणकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सभाम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- वपये से प्रधिक है और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय बुलन्दणहर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 21-10-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उनित बाजार मूल्य, उमके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशा से भिष्टक है भौर मन्तरक (मन्तरकों) भौर मन्तरित (मन्तरित को लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भग्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कामत नहीं किया गया है:---

- (क) अभ्तरण से हुई किसी माय की बांबत, उक्त मिनियम के मिन्नी कर देने के मन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी बन या ग्रन्य भ्रास्तियों, को जिन्हें भारतीय भायकर ग्रिश्चित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिश्चित्यम, या धन-कर ग्रिश्चित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया ग्रमा या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में मुविश्वा के लिए;

थतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन, निम्निक्षित व्यक्तियों अर्थातः—

- 1. श्री जमीर जलस्लाम व म मूद ग्रहमद व श्राफताब श्रालम शमशाद श्रालम, परवेज श्रालम, वडाखेद श्रालम पुत श्रयूब खां नि० ग्राम श्रकबरपुर परः वरन जिला बुलन्दशहर (श्रन्तरक)
- 2. श्री ब्रिजीस ग्रहमद व रईसद्दीन खां व जमीर उद्दीन खां व जुलफीकार ग्रहमद खां व नौशाद ग्रहमदा खां पुल इवा उल्लाखां नि० ग्राम मउखेड़ा परः वरन जिला बुलन्द-शहर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्यति के धर्मन के संबंध में कोई भी मार्भेंग :--

- (क) इप सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 किन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भो भवधि बाद में प्रमाप्त होती हो, के भोतर प्रिंडन व्यक्तियों में से किमी श्वित दारा;
- (ख) १२ प्रवता के राजरत मंत्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितक इ किसो मन्य श्यक्ति द्वारा मंत्रो प्रकारिके पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः च-इसमें प्रमुक्त शब्दों घौर पदों का, ओ उक्त घिक-नियम के घड्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस ग्रद्धाय में दिया गया है।

## अनुसुची

कृषि भूमि स्थित ग्राम ग्रकबरपुर में 6000/— रुपये बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 45,000/— रूपये ग्रांका गया है।

> भ० च चतुर्वेदी सक्षम ॄश्रधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, कानपुर

**दिनांक** : 22-5-1979

प्रस्प भाई • टी • एन • एस • -----

आयकर भ्रमिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के भ्रमीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 मई 1979

निदेण सं० 891-ए/ए---श्रतः मुझे भ० च० चतुर्वेदी प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम भ्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-र० से श्रधिक है

भीर जिसकी सं० हैं तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय हापुड़ में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के के भ्रधीन विनांक 23-10-1978

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यभान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐमें वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत अधिक है और भन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरत से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
  - (ख) ऐसी किसी माय या किसी मन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय माय-कर मिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत मिधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रबं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-भ के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-भ की उपधारा (1) के ग्रंधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्रीमित ब्रह्मा विधवा भंवर सिंह नि० इक्सहेडी पर० डासना तह० हापुड़ (गाजियाबाद)। (अन्तरक)
- श्री भ्रब्दुल क्यूम व उम्मेद भ्रली नि० इक्सहेडी परः डासना तह० हापुड़ जिला गाजियाबाद । (भ्रन्तरिती)

की यह सूचता जारो करके प्यांका सम्माल के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (ख) इस भूचना के राजपद्म में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए आ सकोंगे।

स्वक्तीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रक्षितियम, के श्रव्याय 20-क में परिवाधित हैं बही प्रयं होगा को उप प्रव्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम इक्भहेडी में० 35.000/— रूपये की बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 92,572/— रूपये ग्रांका गया है।

> भ० च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, कानपुर

विनांक: 25-5-979

प्रकप माई• टी• एन• एस०---

भायकर शिव्यतिसम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के श्रधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्नायकर म्नायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-II, मद्रास।

कानपुर दिनांक 29 मई 1979

निदेश सं० 207-ए--गतः मुझे भ० च० चतुर्वेदी भायकर भिष्टिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिमिनयम' कहा गया है), की धारा 269-व के झझीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृहय 25,000/-रुपए से घाधिक है। है तथा जो में श्रौर जिसकी सं० स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय हरिद्वार में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 9-10-1978 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे घम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्म-लिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिल नहीं किया गया है:--

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के मधीस कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी थ्राय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

स्तः अब, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में उन्त प्रधिनियम, ी घारा 269-च की उपधारा (1) अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों अर्थात:---

- 1. श्री ठाकुर प्रभू सिंह पुत्र राम नारायण व श्रोम प्रकाश पुत्र ठाकुर प्रभू सिंह निवासी देवपुरा हरिद्वार पच : ज्यालापुर तह० रहकी (सहारनपुर) (श्रन्तरक)
- 2. श्री भ्रानन्द प्रकाश पंचोली पुत्र श्री गंगा प्रसाद पंचोली निवासी नोह. पोरा हेण्डियान ज्वालापुर व विजय जकुमार धर्मा पुत्र की शिव कुमार धर्मा निवासी बड़ा जोजोपाड़ा हरिद्वार तह० कुड़की (ध्रतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप: ---

- (क) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा नर्केंगे।

स्वध्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, आं उक्त ग्रिश्वनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रगंहोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **प्रमुखी**

ग्रह सम्पत्ति स्थित दयानन्द लगरी ग्रहमदपुर में 45,000/→ रूतये की बेचज गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 76000/- रूपये ग्रांका गया है ।

जभ० च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त निरीक्षण प्रजैन रेज कानपुर

दिनांक 29-5-1979 मोहर: प्ररूप प्राई• टी• एन० एस•~--

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 29 म**ई** 1979

निर्देश सं० 213-ए—अतः मुझे भ० च० चतुर्वेदी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम', कहा गया है), की घारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका चित्र वाकार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० है तथा जो स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीक्तिंग्रिधिकारी के कार्यालय सहारनपुर में, रिजस्ट्रीक्तरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 12-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के वृक्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्तिक हुप से किया गया है:——

- (क) प्रत्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रकारक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने वें सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी माथ या किसी मन या अन्य मास्त्रियों को, जिन्हें भारतीय माय-कर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त मिनियम, या मन-कर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में स्विधा के लिए;

शता अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ज के प्रनुसरण में में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के प्रधीन नम्नलिखित व्यक्तियों के अर्थात:——

- 1. श्री भरतेश्वरनाथ जैन व श्री चन्द्रशेखर नाथ जैन सुत्रगण स्व० श्री लोकनाथ जैन निवासगिरि सहारनपुर चन्द्र नगर सिविल लाइन्स। (श्रन्तरक)
- श्रीमित सुभद्रा देवी विधवा पंडित नानकचन्द्र ग्राम चरौरा मुस्तफाबाद जिला बुलन्दशहर द्वारा ग्रो० एम० बटकल ग्राटो 404 नजोरिया मार्ग सहारनपुर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सभ्यति के अर्जन के सन्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तन्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविष्ठ, ओ भी धविष्ठ बाद में समास्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यत्ति में हिसबद किसी अभ्य क्यक्ति द्वारा भद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :--इक्षर्मे प्रयुक्त शब्दों घोर पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के घड्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस घड्याय में दिया गया है।

## अमुसूची

गृह सम्पत्ति स्थित चन्द्र नगर सिविल लाइन्स सहारनपुर में 45,000/-- रुपये की बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 79,500/-- रुपये फ्रांका गया है ।

भ० च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक: 29-5-1979

'प्ररूप <mark>भाई० टी० एन० एस०----</mark>

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (मिरीकण)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 24 मई 1979

निदेश सं० 396-ए०/बी० सहर—-ग्रतः मुझे भ० च० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे धूसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- ए॰ से प्रक्रिक है

श्रौर जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्याक्षय श्रनूपशहर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 21-10-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है और अन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (भन्तरित्यों) के बीच एस अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उचत ग्रन्तरण जिबित में वास्तविक रूप से किवत नहीं किया गया है।—-

- (क) अश्तरण से हुई किसी झाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के मधीन कर देने के सम्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; सौर/का
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर श्रश्चिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रष्टिनियम, या धनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः भव, उक्त मिमिनियम की धारा 269ण के मनुसरण में, मैं, उक्त मिमिनियम की खारा 269व की उपधारा (1)के मिमिन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :——

- श्री हरीगचन्द्र स्व० मनोहर लाल व संरक्षक नारायण बाबूव श्रीमती शकुन्तला देवी पत्ति हरिणचन्द्र व हीरालाल व दथाशंकर पुत्र हरीणचन्द्र निवासी प्लेट नं० 31 जंगपुरा निस्तार नई दिल्ली ।
   (श्रन्तरक)
- 2. श्री मंगल पाल गुप्ता पुत्र गुलाब राय व जगवीश प्रसाद गुप्ता पुत्र मंगल व श्रीमित राकेण कुमारी पित्न कृष्ण गुप्ता निवासी मोहल्ला महादेव कस्बा डिबाई पर डिबाई तह० श्रमूपणहर जिला बुशन्दणहर । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीना से 4.5 दिन की धविष्ठ या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 3.0 दिन की धविष्ठ, जो भी धविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

श्यव्योक्तरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों झीर पर्दो काः, जो उक्त सन्नि-मियम के सब्याय 20क में परिभाषित हैं, बही सर्य होगा, को उस सब्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

गृह सम्पत्ति मोहल्ला जीजीपाड़ा कस्वा डिबाई जिला बुशन्दशहर में 82,000/— रुपये की बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 100,000/— रुपये श्रांका गया है।

> भ० च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

विनांक: 24-5-1979

## प्ररूप बाई॰ टी॰ एन॰ एस॰--

वाशकर पश्चितिसम, 1961 (1961 का 43) की खारा

269व (1) के मधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 29 मई 1979

निदेश सं० 661/ग्रर्जन/कानपुर/78—79-श्रतः मुझे भ० च० चतुर्वेदी

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिवित्यम' कहा गया है), की धारा 269-घ के भिवित्य सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू से मिश्रक है

भीर जिसकी सं० 108/1ए है तथा जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के श्रधीन विनांक 16-10-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृह्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से पश्चिक है और मन्तरक (मन्तरकों) भीर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छहेश्य से छक्ते भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है——

- (क) ग्रन्तरण में हुई किसी ग्राय की बाबत उकत ग्राधिनियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐंसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मुविधा के लिए;

यतः श्रव, उक्त स्रिधिनियम की आरा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त स्रिधिनियम की सारा 269 व की उपधारा (1) के स्रिधीनः निक्रमिति व्यक्तियों, सर्वोत्ः →-

- श्रीमती कमला दूबे स्त्री जगदीश दूबे तिवासी 108/
   ए० गांधी नगरपी० रोड कानपुर। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती कामिनी देवी स्त्री श्री श्रीचंद 108/1 ए गांधी नगर कानपुर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के निए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के सर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (स) इस स्वता के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की घविष्ठ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविष्ठ, जो भी घविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीवर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स्त) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरण: --- इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही मधं होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

## अनुसूची

ग्रचल सम्पत्ति मकान नं०  $108/1\,\mathrm{U}$ . गांधी नगर कान-पुर 80,000/— में बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 93,200/— है ।

> भ० च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक: 29-5-1979

मोहर:

13--116GI/79

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-----आयकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के भाषीन सूचना

#### मारस सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भागुक्त (निरीक्षण) भ्रजेंन रेंज-I, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 29 मई 1979

निर्देश सं० ग्राई० ए० सीं०/एक्यु०/I/एस० ग्रार०-III/ सितम्बर-II/ (53) 684/1978-79—ग्रतः मुझे अंजनी ओजा ग्रायकर ग्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त ग्रिविनयम कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिवीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से ग्रिकि है

श्रौर जिसकी सं० सी-518 है तथा जो डिफैंस कालौनी, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इसभे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 30-9-1978 को

पूर्वोक्त सम्पति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उजित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बाक्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी श्राय की वाबत उकत प्रधिनियम के प्रचीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना खाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः मन, उनत प्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसर्ज में, में उन्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीम निस्मलिक्ट स्यन्तियों, प्रयोत्:--- श्री भूपीन्द्र सिंह मिलाक (एच० यू० एफ०) सुपुत श्री मुखबिअन सिंह मिलाक, निवासी 43 राजपुर रोड, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. मैं० पारामाजन्ट ट्रेडिंग कारपोरेशन इनके पार्टनर मोहम्मद इकबाल के द्वारा सुपुत श्री हाजी मोहम्मद श्रवसन, निवासी तावेला स्ट्रीट, मोरादाबाद (यू० पी०)

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के धर्जन के संबंध में कोई भी ध्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सं कंबी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखिष्ट में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :- इसमें अथुन्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उनत श्रीश्रित्यम, के श्रध्याय 20-क में परिभावित हैं वहीं शर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक ढ़ाई मंजिला बिल्डिंग जो कि 325 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बनी हुई है, इसका नं॰ सी-518 है, डिफैन्स कालोनी, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:---

पूर्व ः, सर्विस लेन

पश्चिम : रोड

उत्तर : प्लाट नं० सी-517 दक्षिण : प्लाट नं० सी-519 ।

> श्रंजनी स्रोझा सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीखा : 29-5-1979

मोहर ;

#### MINISTRY OF HOME AFFAIRS

#### DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.

#### CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 4th June 1979

No. A.35018/6/78.AD.I.—Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints Shri V. P. Dave Inspector of Gujarat State Police, on deputation as Inspector of Police in the Delhi Special Police Establishment Division of the Central Bureau of Investigation Ahmedabad Branch in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 1-5-1979 until further orders.

HERO A. SHAHANEY, Administrative Officer (E) CBI

#### DIRECTORATE GENERAL, CRPF,

#### New Delhi, the 2nd June 1979

No. O.II.1038/75.Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Usha Jain as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from 16-5-79 (F/N) for a period of 3 months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is carlier.

#### The 4th June 1979

No. O.II.1032/75-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Jyotsnamai Nayak as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from 19-12-77 to 9-1-1978.

Y, P. BAXI,

Assistant Director (Adm.)

## OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA New Delhi, the 30th May 1979

No. 11/28/78-Ad.I-9062.—The President is pleased to appoint Shri U. S. Chaturvedi, an Investigator in the office of the Registrar General, India, New Delhi and at present working as Research Officer in the same Office on a purely temporary and ad-hoc basis, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Gujarat, Ahmedabad, on regular basis, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 17 May, 1979, until further orders.

The Headquarters of Shri Chaturvedi will be at Ahmeda-bad.

#### The 2nd June 1979

No. 11/74/79-Ad.1-9340.—The President is pleased to appoint Shri J. K. Thapa an officer belonging to the Sikkim Cadre of the Indian Administrative Service, as Director of Census Operations, Sikkim, Gangtok on whole time basis with effect from the forenoon of 16 May, 1979 until further orders.

2. The headquarters of Shri Thapa will be at Gangtok.

V. P. PANDEY

Dy. Registrar General, India

#### NATIONAL POLICE ACADEMY

#### Hyderabad, the 29th May 1979

No. 41/6/76-Estt.—On completion of his tenure of deputation with the Central Government Shri P. D. Malaviya, IPS (1957 M.P.), relinquished charge of the post of Deputy Direc-

tor (Admn.) in the S.V.P. National Police Academy, Hyderabad w.e.f. 26-5-79 Afternoon.

P. A. KOSHA, Director

# MINISTRY OF FINANCE DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS BANK NOTE PRESS

Dewas, the 30th May 1979

- F. No. BNP/C/5/79.—In continuation to this Department's Notifications of even number dated 10-3-79 the following ad-hoc appointments have been continued for a further period of three months with effect from 1-6-79 or till the posts are filled on a regular basis, whichever is earlier on the same terms and conditions:—
- Sr. No., Name & Post to which appointed on ad-hoc basis
- 1. A. S. Vhatkar—Technical Officer (Printing & Platemaking).
- 2. M. Ponnuthurai—Technical Officer (Printing & Platemaking.)
- 3. D. R. Kondawar---Technical Officer (Printing & Platemaking).
- 4. Y. Janardan Rao—Technical Officer (Printing & Platemaking).
- Rampalsingh—Technical Officer (Printing & Platemaking).
- 6. N. R. Jayraman-- Fechnical Officer (Printing & Platemaking).
- 7. Samarendra Dass--Technical Officer (Printing & Platemaking).
  - 8. M. Dutta—Technical Officer (Designing & Engraving).
- 9. Arun Kumar Ingle—Technical Officer (I.F. Research & Lab.).
- 10. J. N. Gupta-Technical Officer (Ink Factory Production).

### The ist June 1979

F. No. BNP/C/5/79—In continuation to this Department's Notification No. BNP/C/24/76 dated 28-5-76 read with Notification No. BNP/C/24/76 dated 1-6-78, the appointment of Shri C. C. Unnikrishnan as Administrative Officer on deputation in the Bank-Note Press, Dewas is extended for one year upto 24th April 1980.

P. S. SHIVARAM, General Manager

#### SECURITY PAPER MILL

#### Hoshangabad, the 26th May 1979

P.F. No. E/1.—Shri B. R. Barmaiya Foreman (Elect) is promoted on an ad-hoc basis w.e.f. 20/4/79 (F.N.) to officiate as Assistant Engineer (Elect) in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 vice Shri R. Krishnamurty, Asstt. Engineer (Elect) who has been promoted as Engineer (Elect) on ad-hoc basis. He will draw his pay in the above scale @ Rs. 775/ per month under I.R. 22(c) plus all other allowances admissible under Rule.

No. PF.7(36)/1715.—Further to this office notification No. 7(26)/7688 dated 5-12-78 Shri S. T. Shirsat is allowed to continue to officiate in the post of Fire Officer on an ad-hoc basis for the period of 3 months w.e.f. 31-3-1979 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

O. P. SHARMA, Chief Engineer

# INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE COMPTROLLER & AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi-2, the 31st May 1979

No. 877-CAI/378-69,—Additional Deputy Comptroller and Auditor General (Commercial) has permitted Shri H. K. Nair Audit Officer (Commercial) to retire voluntarily from Government service under provision of Government of India, Ministry of Home Affairs O.M. No. 250.3/7/77-Estt(A) dated 26-8-77 with effect from 11-4-79 AN.

M. S. GROVER, Deputy Director (Commercial)

#### DFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, GUIARAT

Ahemedabad, 380001 the 29th May 1979

No. Estt(A)/GO/Promotion/800.—The Accountant General, Gujarat, Ahmedabad is picased to appoint the following permanent members of the Subordinate Accounts Service to officiate as Accounts Officers in the office of the Accountant General, Gujarat, Ahmedabad with effect from the date shown against each until further orders.

not each man latter oftens.	
Name,	Date.
S/Shri	
1. K. N. Ramaswamy,	4-5-1979 (1/N)
2. M. V. Venkataraman.	14-5-1979 (FN)

3. K. K. Pillai.

K. P. LAKSHMANA RAO, Deputy Accountant General (Admn.) Office of the Accountant General, Gujarat, Ahmedabad-380001.

4-5-1979 (FN)

#### DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(Administration Section A-1)

New Delni-1, the 1st June 1979

No. A-1/1(1123).—Shri T. K. Chakraborty, officiating Assistant Director (Adma.) (Gr. II) in the office of the Director of Supplies and Disposals, Calcutta, retired from Government service with effect from the alternoon of 31st May, 1979 on attaining the age of superannuation (58 years).

K. KISHORE.

Deputy Director (Administration)

for Director General of Supplies and disposals

# MINISTRY OF STEEL AND MINES DEPARTMENT OF MINES INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 29th May 1979

No. A19011(231)/78-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri K. B. Goswami to the post of Deputy Controller of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 24th April, 1979.

S. BALAGOPAL, Head of Office

#### DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delbi, the 31st May 1979

No. 31/1/76-SII.—Director General, All India Radio, New Delhi is pleased to appoint Shri A. C. Majhi, Field Reporter, All India Radio, Cuttack to officiale as Extension Officer, All India Radio, Cuttack purely on ad-hoc and temporary basis with effect from 17-5-79 (FN) until further orders.

J. R. LIKIII. Dy. Director of Administration for Director General

#### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Dolhi, the 29th May 1979

No. A.12023/1/79-Admn.k.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Joginder Krishan Puri to the post of Administrative Officer at Kalavati Saran Children's Hospital, New Delhi with effect from the forencon of 15th March, 1979, in a temporary capacity and until further orders

#### The 31st May 1979

No. A.12025/22/77(IfRSL)/Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. Satya Prakash, Chemical Assistant Grade I, Madras Custom House Laboratory, Madras, to the post of Junior Analyst at the Food Research and Standardisation Laboratory, Ghaziabad, on a temporary basis, with effect from the forenoon of the 30th March. 1979 and until further orders.

S. L. KUTHIALA, Dy. Director Administration (O&M)

#### LOGGING TRAINING CENTRES PROJECT

Dehra Dun, the 1st June 1979

No. 5-1/78-LTCP.—Shi C. K. Joshi, Assistant Logging Instructor, Chandrapur Centre is appointed as Logging Instructor in Logging Training Centres Project in that centre purely on ad-hoc basis w.e.f. 22-5-79, until further orders.

B. P. MALETA, Chief Executive Officer

# MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION DIRFCTORATE OF MARKETING & INSPECTION (DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)

Faridabad, the 31st May 1979

No. A.19025/9/79-A.HI.—On the recommendations of Union Public Service Commission, Shri Rakesh Saxena has been appointed to officient as Assistant Marketing Officer (Group 1) in this Directorate w.e.f. the forenoon of 14th May, 1979, until further orders

B. L. MANIHAR,
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

## DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Madras-600 005, the 18th May 1979

No. Ref; MRPU/200(12)/79 Admn.—In continuation of this office notification of even number dt. 21-4-79 the officiating appointment of Shri T. V. Ramaswami a temporary Purchase Assistant in the Directorate of Purchase and Stores, Madras Regional Purchase Unit, Madras as officiating Assistant Purchase Officer in the sarae unit is extended upto 31-5-79 AN.

S. RANGACHARY, Purchase Officer

#### HFAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 003, 31st May 1979

No. 05000/R-128/2467.—Shri Tulsidns Pessuram Rajasth, a permanent Assistant Personnel Officer of Bhabha Atomic Research Centre is appointed as an Assistant Personnel Officer in Heavy Water Projects (Central Office), w.e.f. May 28, 1979 (F.N.), until further orders.

K. SANKARANARAYANAN, Senior Administrative Officer For Officer-on-Special Duty

## TARAPUR ATOMIC POWER STATION Maharashtra-401504, the 2nd April 1979

#### ORDER

No. TAPS/ADM/O&M/59(86)/79.—WHEREAS Shri K. N. Padvale, Mali 'A' was issued with a charge sheet vide O.M. No. TAPS/ADM/O&M/39(86)/876 dated January 20, 1979 for frequently remaining unauthorisedly absent from duties:

WHEREAS the charge sheet sent to his home address was received back undelivered since Shri Padvale was not available at his residence;

WHEREAS a notice was published in Loksatta, Maharashtra (date 15-2-1979) informing Shri Padvale of the disciplinary action being taken against him and asking him to present himself before the undersigned within 30 days of publication of the notice;

WHEREAS Shri Padvale did not present himself before the undersigned within the time limit stipulated in the notice;

AND WHEREAS in view of the above, the undersigned considers that it is not reasonably practicable to conduct an enquiry;

HOW THEREFORE, the undersigned hereby orders that Shri K. N. Padvale, Mali 'A' be removed from service with effect from the date this order is published.

A. D. DESAI, Chief Administrative Officer

#### CIVIL ENGINEERING GROUP

Kalpakkam-603 102, the 25th May 1979

No. CEG/1(G)/79-Admn.—Chief Engineer (Civil), Civil Engineering Group, Department of Atomic Energy Projects, Kalpakkam appoints Shri N. Palani, temporary Scientific Assistant 'C' (Civil) as Scientific Officer/Engineer Grade SB in a temporary capacity in the Civil Engineering Group, Kalpakkam with effect from the forenoon of February 'I, 1979 until further orders.

R. SUBRAMANIAN.

jor Administrative & Accounts Officer

## OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 27th May 1979

No. A.12025/5/75-EW.—On his appointment as Assistant Commandant (Fire) in the Central Industrial Security Force, Shri A. Chattopadhyay relinquished charge of the post of Assistant Fige Officer in the office of the Aerodrome Officer, Civil Aerodrome Gauhati, with effect from the 31st March. 1979 (A.N.).

S. D. SHARMA,

Deputy Director of Administration, for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 30th May 1979

No. A.32014/1/79-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri Jagjit Singh Sarin, Technical Assistant, Aeronautical Communication Station, Nuh to the grade of Assistant Technical Officer on regular basis w.e.f.

24-4-79 (F.N.) and to post him in the office of the Principal, Civil Aviation Training Centre, Allahabad.

S. D. SHARMA, Deputy Director of Administration

New Delhi, the 10th May 1979

No. A.32013/8/76-E.I.—The President is pleased to appoint Shri B. Hajra, to the post of Regional Director, Calcutta Region, Calcutta Airport, on ad hoc basis, for a further period of one year 'beyond 31-12-78 or till the return of Shri H. D. Krishna Prasad, whichever is earlier, in continuation of this Department Notification No A.32013/8/76-E.I., dated 15-12-1977.

C. K. VATSA, Assistant Director of Administration

#### New Delhi, the 22nd May 1979

No. A.32013/10/77-E.I.—In continuation of this Department Notification No. A-32013/10/77-E.I., dated 20-11-78, the Director General of Civil Aviation is pleased to sanction continued ad-hoc appointment of Shri S. W. H. Jafry, Substantive Librarian in this Department to the post of Chief Librarian, (Group 'B'—Gazetted), Civil Aviation Department beyond 16-5-79 Afternoon for a period of six months or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

No. A.32013/2/79-E.I.—The President is pleased to appoint Shri R. Narasimhan, Senior Scientific Officer, to the post of Deputy Director, Research & Development in the Civil Aviation Department on ad-hoc basis, with effect from 9th April, 1979, for a period of six months or till the post is regularly filled, whichever is earlier.

No. A.32013/3/79-E.1.—The President is pleased to appoint Shri F. C. Sharma, Scientific Officer, to the post of Senior Scientific Officer, Civil Aviation Department on *ad-hoc* basis, with effect from 19-4-79 for a period of six months or till the same is regularly filled, whichever is earlier.

V. V. JOHRI, Assistant Director of Administration

#### CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110022, the 26th May 1979

No. A.32012/2/70-Adm.V.—In partial modification of Notification of even number dated 10-5-79, Chairman, Central Water Commission hereby appoints the following Officers presently officiating as Assistant Research Officer (Physics) in the Central Water and Power Research Station, Pune on regular basis in the same post in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 w.e.f. the dates indicated against each:—

- 1. Shri N. M. Mahajan -12-7-78 (Forenoon)
- 2. Shri M. D. Kamble—8-9-78 (Forenoon).
- 2. These Officers will be on probation to the posts of Assistant Research Officer (Physics) for a period of two years from the dates of regular appointment to that grade.

No. A-32012/2/70-Adm.V.—On the recommendations of the departmental Promotion Committee (Group B), the Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri D. S. Kaloti, Officiating as Assistant Research Officer (Physics) on ad-hoc basis in the Central Water Commission on a regular basis in the same post in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 w.e.f. the forenoon of 19th May 1978, until further orders.

2. Shri D. S. Kaloti will be on probation to the post of Assistant Research Officer (Physics) for a period of two years with effect from 19-5-1973.

J. K. SAHA, Under Secy.

## MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPTT. OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

#### OFFICE OF THE REGISTRAR OF CAMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956, and of

Pathankot Goods Carriers Private Limited.

Jullundur, the 1st June 1979

No. G/Stat/560/3051/1863.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Pathankot Goods Carriers Private limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

O. P.JAIN, Registrar of Companies Punjab, H.P. & Chandigarh

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Viml Finance and Chit Fund Scheme Private Limited.

Jullundur, the 4th June 1979

No. G/Stat/560/3044/1950.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Vimi Finance and Chit Fund Scheme Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. P. TAYAL, Registrar of Companies Punjab, H.P. & Chandigarb

In the matter of the Companies Act, 1956. and of M/s. Star Radio & Engineers Private Limited

Bombay, the 31st May 1979

No. 3641/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section(3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the dake hereof the name of the M/s. Star Radio & Engineers Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

L. M. GUPTA, Registrar of Companies, Maharashtra, Bombay.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. F. P. Wadia Brothers (Pvt.) Ltd.

Ahmedabad, the 29th May 1979

No. 194/560.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s, F.P. Wadia Brothers Pvt. Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Agarwal Benefit Private Limited.

Ahmedabad, the 29th May 1979

No. 1248/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-

section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Agarwal benefit Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. The Jayshree Enterprises Limited.

Ahmedabad, the 29th May 1979

No. 1463/560.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. The Jayshree Enterprises Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Dehgam Cattle Food Industries Private Limited,

Ahmedabad, the 29th May 1979

No. 2319/560.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Dehgam Cattle Food Industries Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Gujarut Solvents Private Ltd.

Ahmedabad, the 29th May 1979

No. 2454/560.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s Gujarat Solvents Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

J. V. VATHA, Registrar of Companies Gujarat

#### INCOME TAX DEPARTMENT

Now Delhi, the 30th May 1979

No. CIT/Coord/Pub./Delhi-II/77-78/5343—Following is the list showing the names of Individual and HUFs, who have been assessed on a wealth of more than ten lakhs of rupces during the financial year 1977-78 (i) indicates status 'I' for Individual and 'H' for HUF (ii) for assessment year (iii) for wealth returned (iv) for wealth assessed (v) for tax payable by the assessee (vi) tax paid by the assessee.

1. 22-009-PV-7216/DLI-X(7) Santsen Ujjal Singh, 12-Curzon Road, New Delhi (i) I (ii) 1977-78 (iii) 10,95,816 (iv) 11,12,800 (v) 16,570 (vi) 16, 140 (2) S. I., Bawa, Puri Investment, E, Block, Connaught Place New Delhi (l) I (ii) 1970-71 (iii) 8,58,718 (iv) 10,33,500 (v) 3,914 (vi) 3,914 (3) Vimla Virmani, 33-Najafgarh Road, New Delhi (l) I (ii) 1974-75, 1975-76 & 1976-77 (iii) 11,09,295, 14,22,522, & 10,61,161 (iv) 11,37,860, 14,89,984, & 11,05,240 (v) 19,136, 38,079 & 24,210 (vi) 19,136, 38,079, 24,210 (4) Vincet Virmani 33, Najafgarh Road, New Delhi (i) II (ii) 1974-75 1975-76 (iii) 15,37, 914, 6,63,200 (iv) 23,04,792 & 6,64,900 (v) 94,380, 21,600 (vi) 94,800 & 21,600.

S. V. DEVA, Commissioner of Income-tax, Delhi-III, New Delhi.

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 29th May 1979

Ref. No. JAC.Acq.II/SR.III(53)/1978/684.—Whereas, I, MISS ANJANI OZA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C-518 situated at Defence Colony, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 30-9-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Bhupinder Singh Malik (HUF) S/o Shri Mukhbain Singh Malik, R/o 43-Rajpur Road, Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Paramount Trading Corporation, through its partner Shri Mohd Iqbal S/o Shri Haji Mohd. Absan, R/o Tavela Street, Moradabad (UP).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A 21 storeyed building constructed in a plot of land No. C-518 measuring 325 Sq. yards situated at Defence Colony, New Delhi and bounded as under:

North: C-517 South: C-519 East: Service lane West: Facing Road,

> MISS ANJANI OZA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 29-5-1979

#### FORM ITNS-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd June 1979

Ref. No. IAC.Acq.I/SR.III/9-78/638.—Whereas, I, MISS ANJANI OZA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. S-448 situated at Greater Kailash II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 8-9-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Amar Nath Verma R/o 5-Elder Road Mens Wood, Glasgow-G/43 (U.K.) Through Attorney, S. Swaran Singh, R/o 4662, Gali No. 37, Rehgarpura, Karol Bagh, New Delhi-5.

(Transferor)

(2) Shri Jaswinder Siugh Kohli. R/o 38-Cavandish Road, Salford, Burry-Manchester (U.K.) Through Attorney, S. Harpreet Singh, R/o D-12 Maharani Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A Residential plot No. S-448 Greater Kailash-II, New Delhi, measuring 550 sq. yds.

MISS ANJANI OZA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date: 2-6-1970

#### FORM ITNS ----

 Smt. Savitri Devi W/o Shri Vishwa Nath R/o K-72 B. Kalkaji New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Satpal Sachdeva S/o Shri Mukan Lal Sachdeva R/o K-72-B, Kalkaji, New Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th June 1979

Ref. No. IAC.Acq.1/SR.III/Sept.(18)/1978-79/634.—Whereas, I, MISS ANJANI OZA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. K-72-A Kalkaji, New Delhi situated at Kalkaji, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1098) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 11-9-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or svanion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this nonce under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
14—116GI/79

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A single storeyed property No. K-72-B, measuring 261 Sq. yards situated at Kalkaji, Delhi.

MISS ANJANI OZA.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date: 8-6-1979

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st May 1979

Ref. No.-Whereas, I, M. K. DHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinatfer referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

One house situated in Mohalla Krishna Nagar, Gurdaspur situated at Gurdaspur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurdaspur in September, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Shivcharan Dass
 S/o Shri Ganga Rain etc.
 R/o Rohtak (Haryana)

(Transferor)

- (2) Shri Mohindar Singh S/o Shri Pritam Singh R/o Talwandi Virk, Tehsil & Dist. Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf & tenant(s) if any.
  [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other person(s) interested in the property.

  [Person(s) whom the undersigned knows
  to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One house situated in Mohalla Krishna Nagar, behind General Post Office, Gurdaspur as mentioned in the sale deed No. 4030 dated 20-9-1978 of the registering authority of Gurdaspur.

M. K. DHAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 31-5-1979

Scal:

#### FORM ITNS ----

(1) K. C. Cheriyan

(Transferor)

(2) P. K. Mohamood & others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ANJIPARAMBIL BUILDINGS

ANAND BAZAR, COCHIN

Cochin-682016, the 23rd October 1978

Ref. No. L.C.253/78-79.—Whereas, I, V. MOHANLAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Methala Panchayath (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodungalloor on 11-9-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

544 cents with buildings vide document No. 2258/78 of SRO Kodungallur.

V. MOHANLAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 18-5-1979

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ANJIPARAMBIL BUILDINGS, ANAND BAZAR, COCHIN

Cochin-682 016, the 3rd March 1979

Ref. No. L.C,291/78-79.—Whereas, I, K. NARAYANA MENON

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

as per schedule situated at Trichur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Trichur on 30-9-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concoalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri C. K. Paul, R/o Plot No. 161, Nehru Nagar, Trichur-6.

('Transferor)

(2) Shri P. U. Varghese, Pulikkottii House, Kottapady PO, Trichur Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

16 cents of and with building in Sy. No. 986/2 of Trichur Village as per schedule attached to document No. 4346/78 dated 28-9-78 of SRO, Trichur.

K. NANAYANA MENON,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ernakulam.

Date: 3-3-1979

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ANJIPARAMBIL BUILDINGS.
ANAND BAZAR, COCHIN

Cochin-682 016, the 3rd March 1979

Ref. No. 294/78-79.—Whereas, I,
K. NARAYANA MENON
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Sy. No. as per schedule situated at Trichur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichur on 28-9-1978 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fatt market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri C. K. Paul, R jo Plot No. 161, Nehru Nagar, Trichur-6.

(Transferor)

(2) Shri P. U. Varghese, Pulikkottil House, Kottapady PO, Trichur Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetts.

EAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

16 cents of land with building in Sy. No. 986/2 of Trichur Village as per schedule to document No. 4407/78 dated 30-6-78 of SRO, Trichur.

K. NANAYANA MENON,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 3-3-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ANJIPARAMBIL BUILDINGS,

ANAND BAZAR, COCHIN

Cochin-682 016, the 8th May 1979

Ref. No. L.C.297/79-89,---Whereas, I,

L. NARAYANA MENON

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair maket value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Sy. No. as per schedule situated a Guruvayur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kottappady on 19-9-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or and moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

C. C. Jose,
 R/o Cheruvathur House,
 Palayur, Chavakkad post.

(Transferor)

(2) N. Prabhakaran Nair, R/o Nharekat House, Thiruvenkidam, Guruvayur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

16 5/8 cents of land in R. Sy. No. 115/6 of Guruvayur Township.

K. NANAYANA MENON.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 8-5-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

# Mr. Sham G. Ahuja, M/s. Symethetics, Dr. Annie Basant Road Worli, Bombay.

(Transferor)

(2) Cellulose Products of India Ltd. P.O. Katnwada, Dist. Ahmedabad

(Transferec)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, POONA,

Poona, the 30th April 1979

Ref. No. IAC/CA5/SR.Thana/Jan'79/442 —Whereas. J. SMT. P. LALWANI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 107, 108, H. No. 2, S. No. 108, H. No. 3 situated at Huzori Rd. Thana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1927) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sa'd Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land Area 4386 sq. yds, built up Area 12850 sq. ft. bearing S. No. 107, 108, H. No. 2, S. No. 108, H. No. 3 at Huzori Rd.. Thana.

(Property as described in the sale deed registered under No. 442 dated Ian, 79 in the office of the Sub-Registrar, Thana.)

SMT. P. LALWANI.
Competent Authors
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Poona.

Date: 30-4-1979

# FORM ITN S .---

# NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, POONA,

Poona, the 30th April 1979

Ref. No. IAC/CA5/SR.Kalyan/Dec.'78/443.—Whereas I, SMT. P. LALWANI

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and hearing

S. No. 62, H. No. 1B/2A, Gaj Banhan Patherli situated at Tal. Kalyan Thana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Kalyan on December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mawani Construction Co., Ramnagar, Dombivali, Dist. Thana.

(Transferor)

(2) Meena Co-op. Housing Society Ltd., Tilaknagar, Dombivali, Dist. Thana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCEHDULE

Land Area 600 sq. yds, Built up Area 12253 sq. ft. bearing S. No. 62 H. No. 1B/2A, Gaj Banhan Patherli, Tal. Kalyan, Dist. Thana.

(Property as described in the sale deed registered under No. 882 dated December, 1978 in the office of the Sub-Registrar, Kalyan.)

SMT. P. I ALWANI,
Comptent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Poona.

Date: 30-4-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, POONA,

Poona, the 30th April 1979

Ref. No. IAC/CA5/SR.Kalvan/Dec.'78/444.--Whoreas, I, SMT. P. LALWANI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 70/1A. Hissa No. 4, Plot No. 7(pt) situated at Ganesh Mandir Rd Dombivali, Dist. Thana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1098), in the office of the Registering Officer at SR. Kalyan on December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
15—116GI/79

(1) M/s. Mawani Construction Co., Ramnagar, Dombivali, Dist. Thana.

(Transferor)

(2) Prem-Sadan Co-op. Housing Society Ltd.. Ganesh Mandir Road, Near Dombivali Water Tank, Dombivali (East), Dist. Thana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 70/1A, Hissa No. 4, Plot No. 7 (pt), Ganesh Mandir Road, Dombivali, Dist. Thana. (Property as described in the sale deed registered under No. 883 dated December, 1978 in the office of the Sub-Registrar, Kalyan.)

SMT. P. LALWANI,
Comptent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poons.

Date: 30-4-1979

(1) Modern Construction Co., Ramnagar Dombivali, Dist. Thana.

(Transferor)

(2) Meena Co-op. Housing Society Ltd., Rajaji Path. Ramnagar, Dombivali (East) Dist. Thana.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, POONA

Poona, the 30th April 1979

Ref. No. IAC/CA5/SR.Kalyan/Dec.'78/445.— Whereas, I. Smt. P. LALWANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 107, Plot No. 3, Rajaji Path, situated at Ramnagar,

Dombivali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Kalyan, on Dec. 78.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 107 (Land & building) Plot No. 3, Rajaji Puth, Ramnagar, Dombivali (East), Dist. Thana.

(Property as described in the sale deed registered under No. 884 of December 1978 in the office of the Sub-Registrar, Kalyan).

> Smt. P. LALWANI, Competent Authority. Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona.

Date: 30-4-1979

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, POONA

Poona, the 10th May 1979

Ref. No. IAC/CA5/Maval/Oct. 78/446.—Whereas, J, Smt. P. LALWANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinatfer referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agrl. Land at S. No. 603B, Adm. 3 H. 9 Arc. situated at Talegaon Dabhade

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Maval on 6-10-78.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Balasahed Hanmantrao Jadhav, Saraswati Sadan, Vaidya Colony, Talegaon Dabhade, Tal. Maval, Dist. Punc.

(Transferor)

 Mrs. Sushilabai N. Bombale alias Gaikwad, 1436, Shukrawar Peth, Pune-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as arc defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land at S. No. 603-B, at Talegaon Dabhade, Tal. Mayal, Dist. Punc. Admeasuring 3 hectors and 9 Arcee

(Property as described in the sale deed registered under No. 808 dated 6-19-78 in the Office of the Sub-Registrar, Maval.)

Smt. P. LALWANI, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona.

Date: 10-5-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 15th May 1979

Ref. No. SRS/378-79.--Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

land measuring 16 kanal 19 marla situated at Sitsa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Sirsa in September, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of anv income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Shri Rattan Kishan Sukhani adopted S/o Shri Bal Kishan S/o Shri Bansi Dhar, R/o Sirsa.

(Transferor)

(2) S/Shri Balwant Singh and Gurdial Singh. Ss/o Shri Ishar Singh,

Shri Joginder Singh S/o Shri Nihal Singh Smt. Harbans Kaur W/o Shri Joginder Singh R/o Sirsa. Shri Amar Singh

S/o Ch. Nand Ram. Shri Jagdish Kumar Szo Shří Ramji Lal

R/o Village Darba Kalan Distt. Sirsa.

Shri Denesh Kumar S/o Shri Kanshi Ram, Shri Ramesh Kumar S/o Shri Jamaa Dass, Shri Sham Lal S/o Shri Moti Lal Shri Rattal Lal S/o Shri Kidar Nath, Smt. Narbada Devi W/o Shri Rattan Lal, Smt, Basanti Devl Wd/o Shri Kidar Nath R/o Sirsa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land measuring 16 Kanal 19 Marla in 249/18-1 Kewat No. 79/91 situated within Municipal limits of Sirsa and property as more fully described in sale deed Registration No. 3448 dated 4-9-1978 and registered in the office of the Registering Authority, Sirsa.

> RAVINDER KUMAR PATHANIA, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak.

Date: 15-5-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 15th May 1979

Ref. No. BGR/DLI/24/78-79.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 120 at D.L.F. Industrial Estate No. 1 situated at Faridabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in October, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitains (no concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Jagat Krishan Arora, R/o D-254 Defence Colony, New Delhi-24.

(Transferor)

(2) M/s Construction Materials Agency, 116, Udey Park (Masjid Moth Extension) New Delhi-110049.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the afiresaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 120 measuring 1310 sq. yards situated at D.L.F. Industrial Estate No. 1, Faridabad and property as mentioned in Sale-deed Registration No. 494 dated 12-10-1978 and Registered in the office of the Registering authority Delhi.

RAVINDER KUMAR PATHANIA.

Competent Authority.
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 15-5-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

#### OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 15th May 1979

Ref. No. GRG/23/78-79.—Whereas. I, RAVINDER KUMAR PATHANIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House No. 194-A situated at New Colony, Gurgaon.

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Gargaon in November, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Smt. Prem Nagpal
 W/o Shri Som Parkash Nagpal,
 R/o 106 Double Storeyed,
 New Rajinder Nagar, New Dolhi,

(Transferor)

(2) Shri Kanwal Krishan Katyal S o Shri Parkash Lal Katyal C/o M/s. PaPrkash Lal & Co., Sadar Bazar, Gurgaon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. 194-A situated at New Colony Gurgaon and the property more fully described in sale deed Registration No. 3052 dated 29-11-1978 and Registered in the office of the Registering authority. Gurgaon.

> RAVINDER KUMAR PATHANIA, Competent Authority, Juspecting Assit. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak.

Date: 15-5-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROLLTAK

Rohtak, the 15th May 1979

Ref. No. BGR/DI I/32/78-79,---Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 139 D.L.F. Industrial Estate No. 1 situated at Faridabad

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which aught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jai Bhagwan Goel, R/o B-177, Greater Kailash-I, New Delhi-110048.

(Transferor)

(2) 1. Shri A. S. Dossa.
2. Sm. A. S. Dossa
R/O D-60, Panch Sheel Enclave, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 139 measuring 1375 sq. yards situated at D.L.F. Industrial Estate No. 1, Faridabad and the property as more fully described in sale deed Registration No. 546 dated 13-12-1978 and Registered in the office of the Registering authority, Delhi.

RAVINDER KUMAR PATHANIA,
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 15-5-1979

### FORM IINS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME.
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 15th May 1979

Ref. No. RTK/4/78-79.—Whereas, 1, RAVINDER KUMAR PATHANIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Part of Godown No. W-19/81 situated at Kath Mandi, Rohtak

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, Rohtak in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

 Shri Roshan Lal S/o Shri Kalu Ram Hans R/o House No. 17 W. No. 12, Guru Nanak Fura, Rohtak.

(Transferor)

(2) S/Shri Ram Kishan, Ram Phul Ss/o Shri Bharat Singh Jat R/o House No, 181-A, D.L.F. Colony, Rohtak.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Part of Godown No. W-19/81 situated at Kath Mandi, Rohtak and the property as more fully described in Saledeed Registration No. 3438, dated 1-12-1978 and Registered in the office of the Registering authority, Rohtak.

RAVINDER KUMAR PATHANIA.

Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 15-5-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 15th May 1979

Ref. No. RTK/5/78-79.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing

Part of Godown No. W-19/81 situated at Kath Mandi, Rohtak (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rohtak in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

16-116 GI|79

 Shri Subhash Chand S/o Shri Kirpa Ram Hans R/o Arya Nagar, Rohtak.

(Transferor)

(2) 1. Shri Surat Singh
S/o Shri Madu Ram
2. Smt. Shanti
W/o Shri Surat Singh
R/o Village Bahu Akbarpur (Rohtak).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Actahall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Part of Godown No. W-19/81 situated at Kath Mandi, Rohtak and as more fully described in sale-deed Registration No. 3690 dated 26-12-1978 and Registered in the office of the Registering authority, Rohtak.

RAVINDER KUMAR PATHANIA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 15-5-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 15th May 1979

Ref. No. BGR/DLI/33/78-79.—Wheeas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 141, DLF Industrial Estate No. 1,

situated at Faridabad

(and more fully described in the Sschedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Delhi in January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Bimla Kumari Gupta W/o Dr. Gupta R/o N-155, Panch Sheel Park, New Delhi-110017.

(Transferor)

(2) M/s Gudimani Enterprises (India) 70, New Okhla Industrial Complex, Phase-1, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 141, measuring 1375 sq. yards situated at DLF Industrial Estate No. 1, Faridabad and the property as more fully described in sale deed Registration No. 13 dated 12-1-1979 and Registered in the office of the Registering authority, Delhi,

RAVINDER KUMAR PATHANIA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 15-5-1979

Seal : . . .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 17th May 1979

Ref. No. AMB/6/78-79.--Whereas, 1, RAVINDER KUMAR PATHANIA,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House No. 3703/28 situated at Pansari Bazar, Ambala Cant. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act,

1098 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ambala in September, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

(1) Shri Om Parkash S/o Shri Thakar Dass R/o Chandigarh.

(Transferor)

(2) M/s Lachhman Dass & Sons, Pansari Bazar, Ambala Cantt.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. 3703/28 situated at Pansari Bazar, Ambala Cantt, and as more fully described in sale deed Registration No. 3216 dated 26-9-1978 and registered in the office of the Registering Authority, Ambala.

RAVINDER KUMAR PATHANIA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 17-5-1979

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# (2) M/s. CNA Exports Pvt. Ltd. A-46, Naraina Industrial Area, Phase-1, New Delhi

(1) M/s Payen Talbros Ltd. 13-D, Sagar Apartments, Tilak Marg., New Delhi.

(Transferee)

(Transferor)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 17th May 1979

Ref. No. GRG/8/78-79.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. 4, Industrial Estate situated at Gurgoan Delhi Road, Gurgaon,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gurgaon in October, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that

# THE SCHEDULE

Factory No. 4, Industrial Estate situated at Gurgoan Delhi Road, Gurgaon and as more fully described in sale deed Registration No. 2748 dated 27-12-1978 and registered at the office of the Registering Authority, Gurgoan,

> RAVINDER KUMAR PATHANIA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak.

Date: 17-5-1979

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 26th May 1979

Ref. No. JDR/4/78-79.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Rohtak

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Factory building situated at Jasico Colony, Jagadhari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Jagadhari in September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpos of the Indian noome-tax Act, 1922) 11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s V. R. Rolling Mills, Jagadhari, through Shri Hakumat Rai S/o Shri Bishan Dass S/Shri Vijay Kumar, Sant Kumar S/s of Shri Hakumat Rai (Partners) Jagadhari.

(Transferor)

(2) Shri Harish Chander S/o Shri Durga Dass, Smt. Krishna Wanti W/o Shri Durga Dass, Smt. Jasbir Kaur W/o Shri Chanan Singh Shri Amarjeet Singh S/o Shri Hari Chand, R/o Village Buria.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Factory Building situated at Jasico Colony, Jagadhari and more fully described in sale deed Registration No. 2136 of September, 1978.

RAVINDER KUMAR PATHANIA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 26-5-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 26th May 1979

Ref. No. JDR/3/78-79.—Whereas, 1, RAVINDER KUMAR PATHANIA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Property on Plot No. E-25, Industrial area situated at Yamuna Nagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Jagadhari in September, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Aet or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/S Scwa Singh Manna Singh Industrial area, Yamuna Nagar, through Shri Iqbal Singh S/o Shri Bachan Singh and Shri Manbir Singh S/o Shri Jit Singh, R/o Yamuna Nagar.

(Transferor)

(2) Shri Sewa Singh S/o Shri Manna Singh, R/o Yamuna Nagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property on plot No. E-25 situated at Industrial area, Yamuna Nagar and as more fully described in sale deed Registration No. 2131 of September, 1978

RAVINDER KUMAR PATHANIA.

Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 26-5-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, SONEPATROAD, ROHTAK

Rohtak, the 4th June 1979

Ref. No. KNL/8/78-79,--Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Shop No. C-635 situated at Karan Gate, Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Karnal in September, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
14—96GI/79

 Shri Pyare Lal S/o Shri Beli Ram,
 Smt. Mohinder Kaur W/o Shri Pyare Lal R/o Sadar Bazar, Karnal.

(Transferor)

Shri Rajwant Singh & Sons (HUF)
 S/Shri Saran Pal Singh, Rajinder Singh & Joginder Singh
 S/os Shri Rajwant Singh
 R/o H. No. 255-L, Model Town, Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being a shop No. C-635 situated at Karan Gate, Karnal and as mentioned in the Sale deed Registered with the Sub-Registrar, Karnal at No. 3823 dated 29-9-1978.

RAVINDER KUMAR PATHANIA,
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 4-6-1979

PART III-Sec. 1

FORM ITNS ---

(1) Smt. Leeladevi W/o. Shamsundar Bora, R/o Dulhan Darwaza, Bidar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Binodilal S/o. Prabhudayal, R/o. Siddiambar Bazar, Hyderabad. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, DHARWAR-4

Dharwar-4, the 24th April 1979

246/79-80/Acqn.—Whereas, SATYA-NARAYANA RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Building No. 5-2-5/1 (Old), No. 5-3-84/2 (New) situated (and more fully described in the schedule tennexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Dulhan Darwaza, Bidar Bidar Under ducument No. 1181/78-79 on 28-10-78.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-21—96GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1181/78-79 Dated 28-10-1978]

The property bearing building number 5-2-5/1 (old), 5-3-84/2 (now) consisting of land & building, zinc shed godown, open space with Shahabad Stone Flooring, Compound Wall & Well situated at Dulhan Darwaja, Bidar.

> P. SATYANARAYANA RAO, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar.

Date: 24-4-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

# ACQUISITION RANGE, DHARWAR-4

Dharwar-4, the 24th April 1979

No. 247/79-80/Acqn.--Whereas, I, P. SATYA-NARYANA, RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C.T.S. No. 2176 situated at Gandhi Road, Haveri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haveri under document number 557 on 16th October 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of transferor to pay tax under the said Act in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
17—116 GI|79

 Veerappa, S/o. Shri Hanumantappa Alias Gurupadappa Halappanavar, Haveri, 2. Basavaraj, S/o. Shri Hanumantappa Alias Gurupadappa Halappanavar. Haveri.

(Transferors)

(2) 1. Champalal Misrimal Jain, Haveri, 2. Sohanalal Misrimal Jain, Haveri, 3. Moolchand Mangilal Jain, Haveri.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesnid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

[Registered Document No. 557 Dated 16th October, '78]

Property consisting of shop-cum-residence bearing C.T.S.
No. 2176 situated at Gandhi Road Haveri.

P. SATYANARAYANA RAO.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range. Dharwar.

Date: 24-4-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

# ACQUISITION RANGE, DHARWAR-4

Dharwar-4, the 24th April 1979

No. 248/79-80/Acq.—Whereas, I, 'P. SATYANARA-YANA RAO.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 85/2 situated at Kcsavinamane Village, Jagra Hobli, Chickmagalur Taluk,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chickmagalur, under document No. 1433/78-79 on 5-10-1978.

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri M. S. Krishnamurthy, S/o M.L. Subrayasetty, (2) Shri M. S. Narayanamurthy, S/o. M. L. Subrayasetty, (3) Shri M. N. Rajashekar, S/o. M. S. Nirvanaswamy, (4) Shri M. P. Shivakumar, S/o M. N. Rajashekar, (5) M. R. Sanjay, S/o M. N. Rajashekar, (6) Shri M. N. Lakshminarayan S/o. M. S. Nirvanaswamy, (7) Shri M. L. Raghunandan S/o. M. N. Laxminarayan, Resident of M. G. Road, Chickmagalur.
- (Transferees)

  2. M/s. Comals Cossee Hills, Regd. Partnership Firm,
  Halase Post, Mduligere Taluka.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1433/78-79.— Dated 5-10-1978]

Coffee estate known as "Chandini Estate" situated at Kesavinamane Village, Jagra Hobli, Chickmagalur Taluk, bearing survey No. 85/2, measuring 53 acres and 26 gunthas.

P. SATYANARAYANA RAO,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar.

Date: 24-4-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 18th January 1979

Acq. File Ref. No. 870.—Whereas, I, B. V. SUBBA RAO.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 22B-5-91 situated at Eluru

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Eluru on 2-9-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the air market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—.

- 1. (1) Shri I. V. Chalapathi Rao, Dy. Director of Higher Edn. (Red.) 11-1-380, 11A, Ashoknagar Extn., Hyderabad, (2) I. Harikrishna, 11-1-380, 11A, Ashoknagar Extn., Hyderabad, (3) Dr. I Achyutarao, Principal Scientific Officer, Defence Research & Development Labs, Chandrayanagutta, Hyderabad, (4) I. Pradyumna, M/G. Father Sri I. Achyutarao, (5) I. V. Subbarao, Serial No. 1, Prakashnagar, Rajahmundry, (6) Smt. I. Damayanti, c/o. Sri I. V. Subbarao.
- 2. Dr. Myneni Jagadeshchandra Prasad, Ramachandraraopeta, Eluru, W. K. Dist.

(Transferees)

3. Shri Swaruprani Nursing Home, Eluru.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 3249/78 registered before the Sub-Registrar, Eluru, during the F. N. ended on 15-9-1978.

B. V. SUBBA RAO, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax, Acquisition Range, Kakinada.

Date: 18-1-1979

# FORM ITNS----

(1) Shri Mahesh Kumai.

(Transferor)

(2) Smt. Darshana Devi.

(Transferec)

(3) Self

[person(s) in occupation of the property]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFCE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW 57-Ram Tirth Marg, Lucknow

Lucknow, the 1t4h December 1978

Ref. No. D-33/Acquisition.—Whereas, I, A. S. BISEN. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 2 and 4 area 195.62 sqm. situated at Moh. Sagar Sarai Kothi Kumarganj, Moradabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Moradabad on 31-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act in
  respect of any income srising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

One house Flat No. 2 & 4 total area 195.62 sqm at Mohalla Sagar Sarai, Kothi Kumarganj, Moradabad and all that description of the property as mentioned in form 37-C No. 2399 duly registered in the office of Sub-Registrar, Moradabad on 31-5-1978.

A. S. BISEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 14-12-1978

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 24th April 1979

Acq. File Ref. No. 883.—Whereas, 1, B. V. SUBBA RAO.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinaster referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property,

having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12-1-4 situated at Kakinada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kakinada on 7-9-1978

for an apparent Consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and / or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- 1. (1) Shri Patta Franklin Rajarao, s/o. Anandarao, C/L.17C Camp Kurnool, (2) P. Albert Samuel Jayarao, s/o. Anandrao, B-38, F4, Vidyanagar, Hyderabad, (3) P. Arthur David Jyotirao, s/o. Anandarao, Asst. Professor, Engineering College, Siddarthi Nagar, Khazipet, (4) P. James Sanjeevarao, 6, Siddanti Block, Malleswaram, Bangalore-3.
- Shrimati M. Varalaxmi, c/o Sri G. Sivaprasad 12-1-4, Jawahar Street, Kakinada.

(Transferee)

 (1) A. Veera Raghavarao, Kakinada (2) G. Sivaprasad, Kakinada.
 [Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 5315/78 registered before the Sub-Registrar, Kakinada, during the F. N. ended on 15-9-1978.

B. V. SUBBA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range (i/c), Kakinada.

Date: 24-4-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 4th April 1979

P. C.R. No. 62/21878/78-79/ACQ/B.—Whereas, RANGANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Premises bearing Municipal No. 308, situated at VIth Main, H. AL. Hnd Stage, Indiranagar, Bangalore-560038 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore, Doc. No. 1790/78-79 on 5-10-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 (i) Smt. Sumangala Devi, W/o Sri B. S. Bhadrappa, (ii) Sri B. S. Bhadrappa, S/o Sri B. Siddalingappa Shetty, both residing at: No. 14, Basappa, Layout, Gavipuram Extension, Bangalore-560018.

(Transferors)

 Shri V. A. Subba Rao, S/o Sri Ambaji Rao, No. 16, M.I.G.H., IInd Stage, Indiranagar, Bangalore-560 038.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the under signed:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1790/78-79 Dated 5-10-1978]
Premises bearing No. 308, VIth Main, H.A.L. IInd Stage,

Indiranagar, Bangalore-560 038.

Boundarles:

East : Site No. 309, West : Site No. 307, North : Road and

South: Site Nos. 347 and 348.

P. RANGANATHAN,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 4-4-1979

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 6th April 1979

C.R. No. 62/21104/78-79/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8-17-1503

situated at Kudroli ward, M. M. road, Mannagudda, Mangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Mangalore. Doc. No. 527/78-79 on 11-9-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Miss. Mary. Stephen d/o. I. K. Stephen, Retired Nursing Superintendent, Balamata New Road, Mangalore.

(Transferor)

(2) Dr. Asha D. Kamath, w/o. Dattadev P. Kamath, Medical Practitioner, Barke. Mangalore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

[Registered Document No. 527/78-79

Dated 11-9-78]

Property situated at 8th Kudroli, Ward, Kodailbail village, Mangalore bearing R.S. No. 947 and T.S. No. 1159-13.

New No. 8-17-1503.

P. RANGANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 6-4-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 6th April 1979

C.R. No. 62/21631/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 12-1-7864, 785/3 and 12-1-786, 786/1, 786/2, 787, 788, 789, 790 & 791 situated at 12th Derebail Ward, Urva Kulu Ferry Road, Mangalore-575006

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangalore. Document No. 546/78-79 on 16-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Mrs. A. Mohini S. Pai, W/o. A. Subraya Pai, Near Urva Stores, Ashoknagar, Mangalore-6, (Transferor)
- . Sri Henry Pinto, S/o. George Pinto. Gurikars House. Pinto Lane, Kodialbail, Mangalore-3.

(Transferce)

(1) B. Vasantha Rao, (2) Dr. B. Rajendra Prasad (3) M. Sadashiva Bhandary, (4) Michael D'Costa, (5) P. Rajagopal Rao, (6) K. Chandrashekar, (7) Muddu Setty, (8) Rudrappa Achar & Ganapathy Achar, (9) Dr. R. V. Boloor & Dr. (Mrs.) K. R. Boloor, (10) The M. C. C. Bank Ltd.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

[Registered Document No. 546/78-79 Dated 16-9-1978]

House building bearing No. 12-1-786A, 785/3, 12-1-786, 786/1, 786/2. 787, 788, 789, 790 & 791 situated at 12th Derebail Ward, Urva Kulu Ferry Road, Mangalore-575006.

P. RANGANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 6-4-1979

Seal ;

# 1. M/s. Chowgule Real Estate & Construction Co. Pvt. Chogule House, Marmugao Harbour, Goa. (Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# M/s. Chowgule & Co. Pvt. Ltd. Chougule House, Marmugao Harbour, Goa. (Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, DHARWAR-4,

Dharwar-4, the 11th April 1979

File No. 459(3/79)/78-79/Acq./D & Notice No. 244/78-79.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing building No. 1, 2, 3 and 4 on 'Matriz' No. 2693, 2694, 2695 & 2696 (bungalow No. 954, 955, 956 & 957 respectively) situated at Ward No. 4, Marmugoa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrating Officer at Civil Registrar-cum-Sub-Registrar Marmugoa, Vasco-da-cama, Doc. No. 239/78-79, on 8-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
18-116 GI|79

Bungalows			Name of licensee		
Bungalo above		3(A)	M/s. Ivan Milutinovic-PIM Vasco- da-Gama, Goa.		
Bungalo above		3(B)	Do.		
Flats in 3(c)	buildi ibove	ng in	Name of the tenant		
No.	1		Mormugao Port Trust, Mormugao Harbaur, Goa.		
No.	2		Do.		
No.	3		Do.		
No.	4		Do.		
No.	5		Chowgule & Co. P.Ltd. Mormugae Harbour, Goa.		
No.	6		Do.		
No.	7		Mormugao Port Trust, Mormugae Harbour, Goa.		
No.	8		Do.		
No.	9	•	Chowgule & Co. Pvt. Ltd. Mormugae Harbour, Goa.		
No.	10		Mr. P.D. Kunte, Vasco-da-Gama, Goa		
No.	11		Mr. S.B. Saliah Vasco-da-Gama, Goa.		
No.	12		Mormugao Port Trust, Mormugao Harbour, Goa.		
Falts it					
No.	1		Chowgule & Co. Pvt. Ltd., Mormugao Harbour, Goa.		
No.	2	•	Goa Marine Engg. Works, Vascoda Gama, Goa.		

	build	ing	
No.	1		Chowgule & Co. Pvt. Ltd., Mormugao Harbour, Goa.
No.	2		Goa Marine Engg. Works, Vascoda Gama, Goa.
No.	3		Mr. R.C. Chetty, Vasco-da-Gama, Goa.
No.	4	•	Mormugao Put Trust, Mormugao Harbour, Goa.
No.	5		Mormugao Dock Labour, Mormugao Harbour, Goa.
No.	6	•	Shri P.N. Dwarkadas, Vasco-da-Gama, Goa.
No.	7		Capt. S.V. Iyer, Vasce-da-Gama, Goa.
No.	8	•	Mormugao Port Trust, Mormugao Harbour, Goa.
No.	9		Do.
No.	10		Do.
No.	11		Chowgule & Co. P. Ptd. Mormugao Harbour, Goa
No.	12		Do.
No.	13		Do.
No.	14		Do.

East

West

North

South .

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE .

P. RANGANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar.

Vendors.

Barreto.

by a road.

by road.

For Schedule IV

by the plots of successors-in-title of

by plot bearing matriz No. 2695 of the Vendors.

Messrs. F.X. Rodrigues & Protasio

[Registered Document No. 239/78-79 Dated 8-9-78] Building No. 1, 2, 3 & 4 an 'Matriz' No. 2693, 2694, 2695 & 2696 (Bungalow No. 954, 955, 956 & 957) respectively) Ward No. IV, Marmugao.

Date: 11-4-1979

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, DHARWAR-4,

Dharwar-4, the 11th April 1979

File No. 461(3/79)/78-79/Acq./D & Notice No. 245/78-79.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Competent Authority the 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act,'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land with four storeyed building known as Chougule Flats situated at Baina within the Municipal limits of Vasco in sy. No. 7 and the building thereupon bearing Survey Nos. 8, 9 and 10

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Civil Registrar-cum-Sub-Registrar, Marmagoa, Vasco-da-

Gama Document No. 254/78-79 on 15-9-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

1. 1 M/s. Chougule Real Estates and Construction Company Private Limited, Chowgule House, Marmagoa Harbour, Goa.

(Transferor)

(2) M/s. Chowgule and Company Private Limited, Chowgule House, Marmagoa Harbout, Goa.

(3) Flats in Building in 3.

- No. Name and address of tenaut.

  1. Dr. R. C. Saha, Baina, Vasco-da-Gama, Goa.

  2. Dr. R. V. Kuchadkar, Baina, Vasco-da-Gama,
- 3. Syndicate Bank. (M. Residence), Baina, Vascoda-Gama, Goa.
- Mr. S. Pait, Baina, Vasco-da-Gama, Goa.
   Seventh Day Adventist Mission, Baina, Vascoda-Gama, Goa.
- 6. Mermugao Port Trust, Mormugao Harbour, Goa. 7. Mr. H. V. Kamat, Baina, Vasco-da-Gama, Goa. 8. Mining and Allied Machinery Corporation, Baina, Vasco-da-Gama, Goa.
- 9. Seventh Day Adventist Mission, Maina, Vasco-da-
- Gama, Goa. 10. Mr. A. G. Daftari, Baina, Vasco-da-Gama, Goa. 11. Mr. G. D. Tole, Baina, Vasco-da-Gama, Goa.

(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

[Registered Document No. 254/78-79 Dated 15-9-781

Land with Four storeyed building known as "Chowgule Flats" Baina within the Municipal limits of Vasco, in survey No. 7 and the building there upon bearing survey Nos. 8, 9 and 10.

Boundaries: As per the Registered Document.

P. RANGANATHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar.

Date: 11-4-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 12th April 1979

C.R. No. 62/21146/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 34, Old and New No. 105, situated at Belli Basavanna Temple St. Mamulpet, Bangalore (Divn. 17)

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Gandhinagar, Bangalore Doc. No. 1795/78-79 on 30-9-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri K. Venkataramaiah Setty, No. 36/5, Appaji Rao Lane, Chowdeswari Temple St. Bangalore. (Transferor)
- (2) Sri Chandanmal, 2. Sri Babulal, No. 110, Belli Basavanna Temple St. Cross, Mamulpet, Bangalore.

(Transferee)

(3) Shri Banu Shankar L. Bhatt, Prop. Wageswari Hindu Lodge. [Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1795/78-79 Dated 30-9-78]
House property bearing No. 34 (old) New No. 105, situated at Belli Basavanna Temple St. Closs, Mamulpet, Bangalore.

Boundries:

East — M/s. K. Puttaswamappa & others house,

West — Late Sri Gubbi Thotappa Choultry

Trust house,
North — Conservency lane,

South - Belli Basavanna Temple St.

P. RANGANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commission of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 12-4-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 7th April 1979

C.R. No. 62/22287/78-79/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Property bearing Old No. 24/3 and 24/4 and New No. 58 & 59 situated at 11 main road new Tharagapet Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Basavangudi, Bangalore Doc. No. 1792/78-79 on 7-9-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri B. Chinnaswamy Setty, S/o. late Dr. B. Subbaiah Setty, "Sesha Mahal", Vanivilas Road, Vasavangudi; V. V. Puram, Bangalore-4.

(Transferor)

(2) 1. D. A. Prasanna Kumar, 2. D. A. Premachandra Gupta, 3. D. A. Vasudeva Murthy, Children of Shri D. R. Aswathanarayana Setty, All residing at No. 21, Tata Silk Farm, Bangalore-560004.

(Transferee)

(3) M/s. Premkumar Trading Co., No. 58 and 59, II Main Road, N. T. Pet, Bangalore.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Registered Document No. 1792/78-79 Dated 7-9-1978]
Property bearing Old No. 24/3 and 24/4 and New No. 58 and 59, II Main Road, New Tharagupet, Bangalore.

Boundries:

Fast — Vacant site belonging to the vendor, West — Second Main Road, New Tharagu-

North — pct,
Wall belonging to the property No.
58 and

South — Common wall belonging to property No. 68 and 58, 59.

P. RANGANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 7-4-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001
Bangalore-560001, the 7th April 1979

C.R. No. 62/22285/78-79/ACQ/B.--Whereas, I, RANGANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

Property No. 107 (Old No. 128) Kalasipalyam Main Road, Bangalore 2 (Dn. No. 27).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi, B'lore Doc. No. 1891/78-79 on 14-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persions namely:—

(1) Smt. Narayanamma, w/o. late R. Krishnappa No. 3, Bangiappa Garden, Shantinagar, Bangalore-27.

Transferor:

(2) Shri Shobhalal s/o. Sri Gisulal, Money lender and Pawn Broker E-27, Arumugam Mudaliar Street, Kalasipalyam, Bangalore-2.

(Transferee)

(3) (1) Ayesha Waste Paper Mart, Ground floor, (2) Hotel Khiyav, (3) Sardar Dispensary,

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1891/78-79

Dated 14-9-78]

Property bearing No. 107 (Old No. 128), Kalasipaiyam Main Road, Bangalore-2 (Dn. No. 27).

Boundries :

E. Third Party's property,
W. Kalasipalyam Main Road,
N. Third Party's property and
S. —do—

P. \*RANGANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 7-4-1979

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 11th April 1979

C.R. No. 62/21625/79-80/Acq/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,0000/- and bearing

No. 219, situated at 12th Cross Road, 1st Main Road, Hnd State, West of Chord Road, Rajajinagar, Bangalore-560001 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajajinagar Bangalore, Document No. 2663/78-79 on 18 9-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Shri D. Gopala Krishna Shetty, S/o. Sri Dasa Shetty, No. 716, 10th Main. 4th Block, Jayanagar, Bangalore-11.

Transferor(s)

(2) Shrimati Venkatamma, W/o. T. Lingaiah, No. 56. Upstairs, (Next to Jyothi Nursary School), 2nd Cross, Nagappa Block, Srirampuram, Bangalore-21.

Transferee(s)

(3) (1) Sri Narayana, (2) Sri Vittal, (3) G. S. Chikkarur, (4) R. C. Pillai, (5) Kuria Kore, (6) Chandrasekhar, (7) M.J. Balasubramanian, (8) K. Syed Abdul Gaffar.

(Person(s) whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2663/78-79 Dated 18-9-1978] All that piece and parcel of House property bearing No. 219, 12th Cross, Ist Main Road, II Stage, West of Chord Road, Rajajinagar, Bangalore-560001.

P. RANGANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 11-4-1979

# FORM ITNS-----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 28th April 1979

Ref.No. TR No. 659/Acq/Agra/78-79—Whereas, I, B, C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 28-10-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Dr. Pratap Singh Mathur, s/o Dr. S. P. Mathur, r/o Kamla Raja Hospital Compound, Gwalior (M.P.).

(Transferor)

 Shri Azizuddin, s/o Haji Sarafuddin, r/o Mantola, Agra.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULF

Property No. 1/208, situated at Professor Colony, Civil Lines, Hari Parvat Ward, Agra, sold for an apparent consideration of Rs. 2,50,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 28-4-79

and bearing,

#### FORM ITNS--

1. Shri Thakur Dass Juneja, r/o 55, Suryanagar, Agra. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

Shri Bhooshan Lal, r/o Mohalla Roban, Agra. (Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;

ACQUISITION RANGE, KANPUR

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Kanpur, the 1st May 1979

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given

Acq/632/Agra/78-79.—Whereas, I, B. C. No. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the In-

come-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable proverty having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Agra on 11-10-78 for an apparent consideration which is less than the fair

as per schedule situated at as per schedule

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957

in that Chapter.

Constructed property No. 2/208, situated at Civil Lines, Mahatma Gandhi Road, Suryanagar, Agra, having land area of 9030 sq. ft. out of which 400 sq. ft. is covered, sold for an apparent consideration of Rs. 1,25,000/-.

THE SCHEDULE

ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of (27 of 1957);

B. C. CHATURVEDI Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur,

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--19-116GI/79

Date: 1-5-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd May 1979

Ref No. Acq/866-A/Mrt/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

as per schedule situated at as per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 19-12-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sardar Autar Singh, s/o S. Mehar Singh, (2)
   S. Gurbachan Singh, s/o S. Karan Singh, (3) Smt. Harmohindar Kaur, w/o S. Gurbachan Singh, r/o Begum Bridge, Mecrut.
- 2. (1) Satish Kumar, (2) Yogendra Kumar, sons of Shri Krishan Lat, r/o Begum Bogh, Meerut, (3) Amrik Lat, s/o Chunnilat, and (4) Smt. Sukh Baxi, w/o Shri S. P. Baxi, r/o Begum Bagh, Meerut.

(Transferee)
3. 10 members of Taj Building Kirayedaran Association Begum Bagh, Mecrut, headed by Shri R. S. Chawla.

(Persons in occuaation of the property)
4. S/Shri Ram Swaroop Chawla, Secretary of Taj
Building Kirayedaran Association, Near Chakbandi
Office, Begum Bagh, Meerut.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Constructed property bearing No. 6 (Old No. 584--599) situated at Begum Bagh Meerut, sold for an apparent, consideration of Rs. 1,00,000/- the fair market value of which is Rs. 2,00,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 2-5-79

\_ -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE UNSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd May 1979

Ref. No. Acq/864/Agra/78-79.--Whereas, I, B. C. CHATURVEDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 161), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the mmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, - and bearing No.

as per schedule situated at as per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Agra on 19-10-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Incometax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:

S/Shri

[1. (1) Shobran Singh, (2) Shiv Singh, (3) Radhey-shyam and, (4) Rajjo, all sons of Shri Lal Singh, r/o Sitanagar, By-pass Agra-Kanpur, Agra.

(Transferor)

S/Shri

2. (1) Haresh Kumar Jain, (2) Smt. Vina Jain, w/o Shri Virendra Kumar Jain, r/o Chhippitola, Agra.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Single storeyed house property No. 11/41-B, situated at Sitanagar, By-pass Agra-Kanpur, Agra, sold for an apparent consideration of Rs. 1,10,000/-, fair market value of which exceeds more than 15% of the apparent consideration.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority. Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur.

Date : 2-5-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3rd May 1979

Ref. No. Acq/866/Agra/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at as per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Agra on 1-9-78 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfercr to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Ajab Singh, s/o Shri Chunni Singh, r/o Chhichhamai, Teh. Shikohabad, Distt. Agra. (Transferor)
- Shri Trilok Sahkari Grah Nirman Samiti Ltd., Agra, through Shri Rajendra Singh Kulshieshtra, Secretary, r/o Billochpura, Agra.

(Trausferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Constructed property consisting of 3 rooms, courtyard, kitchen, latrin, bathroom-covered area 92½ sq. met. and uncovered area 91½ sq. met., constructed on the Plot No. 19 Aloknagar First, (North Saket), Agra.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 3-5-79 Seal: \

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th May 1979

Ref. No. Acq/894/Agra/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 f- and bearing No.

us per schedule situated at as per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Agra on 25-10-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Krishna Murari Lal Khandelwal, 3/0 Shri Murlidhar, r/0 Gujrati Para, Nai Ki Mandi, Agra. (Transferor)
- Km. Sushma Srivastava, d/o Shri Radhey Shyam, r/o Mantola, Agra.
   (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Constructed property No. 13/301, situated at Gujrati Para, Nai Ki Mandi, Agra having land area of 70.122 sq. mtr.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 4-5-79

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th May 1979

Ref. No. 900/Acq/Agra/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 6-10-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said iffstrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

#### S/Shrl

 (1) Jawaharlal Baluja & (2) Raj Kumar Baluja, r/o Baluganj, Agra.

(Transferor)

(1) Smt. Attar Devi, w/o Shri Govind Prasad, (2) Rameshwar Pd. Garg, (3) Ravindra Kumar Garg & (4) Surendra Kumar Garg, s/o Lala Govind Prasad r/o 2/10, Seth Gali Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot of land bearing No. 60, situated at Suryanagar, Agra, sold for an apparent consideration of Rs. 77,700/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 4-5-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OPPICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 5th May 1979

Ref. No. Acq/877-A/Dehradun/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a 'fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at as per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Dehradun on 18-10-78 for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Shri Ram Swaroop Dube, s/o Shri Rewa Ram r/o
   Bengali Mohalla, Karanpur, Dehradun.
   (Transferor)
- 2. Shri Ramesh Chander Dutt Sharma. s/o Shri Kishan Chand Sharma, r/o Inder Prasth, Andheri East, Bombay. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

#### THE SCHEDULE

Property bearing No. 14, situated at Bengali Mohalla, Karanpur, Dehradun having total land area 849.23 sq. metres, sold for an apparent consideration of R3. 60,000/-, fair market value of which exceed more than 15% thereof.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 5-5-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 15th May 1979

Ref. No. F. No. 317/Acq./F.Bad/78-79.—Whereas, I. B. C. Chaturvedi

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDUALE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule

annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Firozabad on 5-10-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 The Firozabad Glass & Chemical Industries through Sri Gopal Chand s/o Dau Dayal Tewart Ghar Khokhala Kasba Firozabad Distt. Agra.

(Transferor)

2, S/ Shri Nirmal Kumar, Suresh Kumar s/o Kishori Lal r/o Hanumanganj Kasba Firozabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot 3645 sq. ft. situated at Sukhmalpur, Nijamabad Tahsil Firozabad Distt. Agra sold for an apparent consideration of Rs. 20,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 43,740/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 15-5-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR;

Kanpur, the 15th May 1979

Ref. No. F. No. 512/Acq./Mat/78-79.—Whereas, I, B. C. Chaturvedi

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hereing No.

and bearing No.
AS PER SCHEDUALE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mat (Mathura) on 26-10-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Income-tax Act, to the following persons, namely:—

20-116GI/79

 S/Shri Pyare Lal s/o Ram Chand r/o Deewana Khurd Kharey Deewana Post Sirikh Tah. Mat Distt. Mathura.

(Transferor)

 S/Shri Radha Kishan s/o Mahabir Singh r/o Deewana Khurd Kharey Deewana Post Sirikh Pargana Nagalia Tah. Mat Distt. Mathura.'
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land No. 26 situated at village Panigan Banger Tahsil Mat Distt. Mathura sold for an apparent consideration of Rs. 32,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 65,800/-.

B. C. CHATURVED1
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 15-5-1979

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 15-5-1979

Ref. No. 574/Acq/Hathras/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition

Kange, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hathras on 6-10-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 S/Shri Leela, s/o Shri Irshad Ali, r/o Nagla Subhan, Majra Allepur Chursen, Parg. Hathras, Distt. Aligarh.

(Transferor)

 S/Shri (1) Shri Asghar Khan, (2) Smt. Dulari Begum, w/o Shri Asghar Khan, r/o Nagla Subhan, (3) Shafiq, s/o Chunni, (4) Pyare, s/o Bhadai, r/o Nagla Subhan, Maqra Allepur Chursen, Parg, Hathras, Distt. Aligarh.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (3) M/s. Canton Carpentary Works.

(Person in occupation of the property)

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land bearing Khasra No. 587 & 593 (1 portion) situated at Village Allepur Chursen, parg. Hathras. Distt. Aligarh, sold for an apparent consideration of Rs. 24,000/-, fair market value of which exceeds more than 15% thereof.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 15-5-1979

#### FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 15-5-79

Ref. No. 515/Acq./Hathras/78-79,—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

AS PER SCHEDUALE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hathras on 9-10-78

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
23—86GI/79

 S/Shri Smt. Janki Devi, widow of Shri Bhoop Singh, r/o Vill: Tikari, Post: Chandaiya, Parg. & Teh: Hathras, Distt. Aligarh.

(Transferor)

2. S/Shri Than Singh, s/o Pop Singh, (2) Mauhar Singh, s/o Pop Singh, (3) Shri Krishna s/o Chhattai Singh, r/o Vill: Tikari, Post: Chandaiya, Porg. & Teh: Hathras, Distt. Aligarh.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricutural land measuring a bighas 6 biswasi, situated at Vill: Tikari Post: Chandaiya, Agra. and Teh: Hathras, Distt. Aligharh, sold for an apparent consideration of Rs. 14,000/-, fair market vaule of which exceed more than 15% thereof.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Kanpur.

Date: 15-5-1979

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 16-5-1979

Ref. No. Acq/253/Mathura/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter

referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

AS PER SCHEDUALE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mathura on 4-10-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the raid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Nanda Lal, s/o Shri Kishangopal, r/o 24, Punjabi Market, Hathras Distt. Allgarh.

(Transferor)

 S/Shri (1) Chhaganlal, s/o Narian Lai and (2) Smt. Rukmani Devi, w/o Shri Nanhumal, r/o Vill: Nagla Vohra, Dr. Krishna Nagar, Teh & Distt. Mathura.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot of land measuring 337 sq. yds. No. 7-A, situated at Krishnanagar, Mathura, with the constructed 3 rooms, kitchen and bathroom, sold for an apparent consideration of Rs. 35,000/-, fair market vaule of which exceeds more than 15% thereof.

B. C. CHATURVED1
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 16-5-79

 S/Shri The Firozabad Glass & Chemical Industries through Shri Gopal Chandra, s/o Shri Daudayal, r/o Gher Khokhal, Firozabad, Distt. Agra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 S/Shri (1) Snit, Kamal Dayal s/o Shri Saran Behari I.al and 2() Smt. Bipin Behari Lal, r/o Chhapeti Kalah Firozabad, Distt. Agra.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

may b

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

ACQUISITION RANGE, KANPUR.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Kanpur, the 16-5-1979

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. Acq/316/F.Bad/78-79.—Whereas, I, B. C. CHAUTRVEDI

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

AS PER SCHEDUALE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Firozabad on 5-10-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

### THE SCHEDULE

Plot of land admeasuring 3654 sq. ft. situated at Sukhmalur, Nizamabad, Teh. Firozabad, Distt. Agra, sold for an apparant consideration of Rs. 20,000/-, the fair market value of which is more 15% thereof.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 16-5-79

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE

Kanpur, the 16th May, 1979

No. Acq/270\$Orai/78-79.--Whereas I, B. C. CHATUR-VEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Orai on 5-10-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 S/Shri Vijai Bahadur Singh, s/o Shri Daulat Singh, r/o Mauza Thirgawan Post : Dakor, Parg. Orai, Distt. Jalaun.

(Transferor)

(2) S/Shri Gajadhjar, s/o Shri Asharfilal Yadav, r/o Dakor, Parg. Orai, Distt. Jalaun.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other, person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultral land measuring 1142 acres, situated at Vill: Kethori, Parg. Orai, Distt. Jalaun, sold for an apparent consideration of Rs. 24,000/-. fair market value of which is more than 15% above the apparent consideration.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range.
Kanpur

Date: 16-5-79

 Smt. Munni Devi, d/o Late Shri Moolchand Gupta, r/o 74, Bypass Road, Tilaknagar, Firozabad.

(Trasferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bhagwan Singh, s/o Shri Bahadur Singh, r/o Village Khander Tulsipura, Teh : Fatehabad, Distt. Agra.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE KANPUR

Kanpur, the 16th May 1979

Ref. No. Acq/557/F.Bad/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Firozabad on 21-10-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Naw, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afores sid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Double storyed constructed property situated at bypass Road, Tilaknagar. Firozabad, sold for an apparent consideration of Rs. 40,000/- the fair market value of which exceeds more than 15% thereof.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kanpur

Date: 16-5-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

#### OF INCOME TAX

## ACQUISITION RANGE KANPUR

Kanpur, the 28th April 1979

TR No. 655/Acq./Agra/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Agra on 12-12-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Ranjeet Singh Bandal s/o Sardar Amar Singh Bandal, Teacher colony, Duab Shahar, Jalandhar Mukhtar-ai-am Sardar Amar Singh s/o Ratan Singh 250 L Model Town, Jalandhar.

(Trasferor)

(2) S/Shri Satyendra Kumar Gupta a/o Brandaban Das Smt. Raj Kumari Gupta w/o Satyendra Kumar 4/110 Lajpat Kunj, Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House property No. 4/110 Lappat Kunj, Hariparvat Ward Agra sold for an apparent consideration of Rs. 100,000/-the fair market/value of which has been determined at Rs. 127,243/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kanpur

Date: 28-4-1979

CT. XV

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE KANPUR

Kanpur, the 30th April 1979

No. Acq/TR No. 657/Agra/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 8-12-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
21—116GI/79

(1) S/Shri Govind Prasad Chaturvedi, r/o Swadeshi Bima Narga, Agra, Mukhtar Aam of Shri Lakhmi Narain Chaturvedi self and as Manager, of the Hindu undivided family, residing at 5, Hilton Road, Mira Bai Marg, Lucknow.

(Trasferor)

(2) S/Shri (1) Shrichand Jain, (2) Munnalal Jain, (3) Vidyaram Jain, (4) Devchand Jain, and (5) Lokchand Jain, all sons of Shri Bhagwan Singh Jain, r/o Chhipitola, Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein äs are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

East-side portion of the Property No. 33/19, situated at Adarashnagar Colony, Agra sold for an apparent consideration of Rs. 1,00,000/- fair market value of which has been determined at Rs. 1,26,164/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kanpur

Date: 30-4-79, Sec. 7

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### Faqir Chand, s/o Shri Sardari Ram, r/o Mohalla Kishanpura, Distt. Saharanpur.

(Transferor)

(2) S/Shri Krishanalal Khurana, s/o Shri Lalchand Khurana, r/o Saharanpur Mohalla Madho Pd. Road. (Transferee)

## Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which, ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 14th May 1979

F.No. 334/Saharanpur/78-79.—Whereas I, B.C. CHATUR-VEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Saharanpur on 25-10-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

#### THE SCHEDULE

Double storeyed shop situated at Nehru Market, Saharanpur, sold for an apparent consideration of Rs. 24,000/-, fair market value of which exceed more htan 15% of the apparent consideration.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kanpur

Date: 14-5-79.

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 14th May 1979

F. No. 335/Acq./Saharanpur/78-79,—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Saharanpur on 26-10-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Surendra Kumari w/o Vireshwar Pd. Mukhtar-aikhas Minjanib Bireshwar Pd. Jain adopted son of Late Rai Bahadur Lala Hulas Rai Jai r/o Chatta Barumal, Saharanpur.

(Transferor)

- (2) S/Shri Babu Go Darshan Lal Chawla s/o Brijlal Chawla r/o Mohalla Kambohkathara, Sahaarnpur. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.
  [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any ther operson(s) interested in the property.

  [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House property constructed on plot measuring 360 sq. yd. situated at Saharanpur sold for an apparent consideration of Rs. 18,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 33,200/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kanpur

Date: 14-5-79.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### **GOVERNMENT OF INDIA**

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR Kanpur, the 14th May 1979

F.No. 336/Acq./Saharanpur/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saharanpur on 26-10-78

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, passely:—

 Smt. Sudendra Kumari Jain w/o Babu Vireshwar Pd. Jain r/o Mohalla Chatta Bansmal, Sahaarnpur.

(Transferor)

 Shri Babu Go Darshan Lal Chawla s/o Late Brij Lal Chawla r/o Mohalla Kathra Kambobhan, Saharanpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazettee or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein no are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given is that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House property on 340 sq. yd. plot situated at Saharanpur sold for an apparent consideration of Rs. 20,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 36,800/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kanpur

Date: 14-5-79,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 14th May 1979

F.No. 337/Acq./Saharanpur/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE \*(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration officer

at Saharanpur on 28-12-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforemaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Balbir Singh Dhir, Ranvir Singh Dhir sons of Sohan Singh Dhir r/o Govindnagar, Saharanpur, Jawaharlal Vig s/o Manohar Lal Vig r/o Madho Pd. Road, Saharanpur, Savan Singh Bajaj s/o Sant Singh Sofia, Market court road, Saharanpur.

(Transferor)

(2) Shri Chandra Sheikhar Parmar s/o Ratan Lal Parmar r/o Parmar Niwas, Shivnagar, Beri Ghat, Saharanpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are denfied in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House property situted at village Gagal Heri, Murathakam Pargana Hagera Tahsil & Distt. Sharanpur sold for an apparent consideration of Rs. 20,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 68,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kanpur

Date: 14-5-79.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### Smt. Chandan Kunwar, widow of Shri Jamna Singh, r/o Tikri Gaurwa, Post: Kurtra Makrandpura, Part. & Teh: Ghatampur, Distt. Kanpur.

(Trasferor)

## GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Digvijay Singh, s/o Shri Ranvijay Singh, τ/ο Ghatampur, Distt. Kanpur.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE KANPUR

Kanpur, the 17th May 1979

No. Acq./264/Ghatampur/78-79.—Whereas I, B. C. CHATUR VEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ghatampur on 9-10-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein asare defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Vill: Tikri Gaurwa Bagar & Kachar, parg. & Teh: Ghatampur, Distt. Kanpur, sold for an apparent consideration of Rs. 48,000/, the fair market value of which exceeds more than 15% thereof.

B. C. CHATURVEDI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Kanpur.

Date 17-5-79. Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

#### OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE KANPUR

Kanpur, the 17th May 1979

No. Acq /354/Akbarpur/78-79.—Whereas I, B. C CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Akbarpur on 3-10-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incomt-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following sersons, namely:—

- (1) Shri Ram Shanker, adopted son of Shri Manoharlal Awasthi, r/o Vill. & Post Saitha, Parg. Akbarpur, Distt. Kanpur.
  - (Trasferor)
- (2) 1. Shri Prakash Narain Misra, s/o Shri Shivdas Misra and 2. Shri Ranga Pd. Misra, s/o Shri Misri Lal Misra, r/o Vill. & Post Saitha, Parg. Akbarpur, Distt. Kanpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land bearing Chalk No. 504 alongwith six trees, one constructed room and one Well, situated at Vill. Saitha, Parg. Akbarpur, Distt. Kanpur, sold for an apparent consideration of Rs. 49,785/-, the fair market value of which exceeds more than 15% thereof.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kanpur

Date: 17-5 19.

 Shri Mahabir Singh, r/o Mohalla Mathura Nagar, Firozabad, Distt. Agra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Shri Ramesh Chand Jain, r/o Harinagar, Jalesar Road, Firozabad, 2. Shri Chamanlal Punjani, r/o Mohalla Aryanagar, Firozabad, 3. Shri Parmesh Dixit, r/o Mohalla Bara Bazar, Firozabad, Agra. (Transferees)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

## ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 17th May 1979

No. Acq/554/F.Bad/78-79.—Whereas I, B. C. CHATUR-VEDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed heroto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Firozabad on 13-10-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One third part of land bearing Khasra No. 417, measuring 3 bigha 14 biswa & 4 biswansi, situated at Vill. Sukhmalpur, Nizamabad, Parg. Firozabad, Distt. Agra, sold for an apparent consideration of Rs. 50,000/-, the fair market value of which exceeds more than 15% thereof.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Kanpur

Date: 17-5-79.

#### FORM ITNS ....

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 17th May 1979

Ref. No. Acq/558/F.Bad/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and benring No. As per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Firozabad on 23-10-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, so the following persons, namely:—

22—116GI/79

(1) Shri Mahabir Singh, s/o Shri Bankeylal, r/o Mohalla Kotla, Vill & Post: Firozabad, Distt. Agra.

(Transferor)

(2) Shri Ram Prasad, s/o Shri Sita Ram r/o Vill: Lalpur, Parg. & Post; Firozabad, Distt. Agra. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Half of Agricultural land bearing Khata No. 163, Khasra No. 436, measuring 3 bigha 12 biswas situated at Vill: Didamai, Parg. & Teh: Firozabad, Dist. Agra, sold for an apparent consideration of Rs. 15,000/-, the fair market value of which exceed more than 15% thereof.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 17-5-79.

# (1) Shri Karna s/o Dhansa r/o Khera Saunai Tahsil Mat Distt. Mathura

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bhimbar s/o Badlu r/o post Saunai Tah, Mat

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kannur, the 17th May 1979

Ref. No. TR No. 606/Acq/Mrt/78-79.—Whereas I B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Mat on 25-10-78,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 14 Bigha 10 Biswa 8 Biswansi situated at village Juar Pargana Hasangarh Tah. Iglas Distt. Aligarh sold for an apparent consideration of Rs. 38,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 128,000/-.

> B. C. CHATURVEDL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Kanpur

Date: 17-5-79.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMF-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 17th May 1979

Ref. No. TR No. 610/Acq/Orai/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Mahendra Pratap Singh s/o Raj Bahadur Singh r/o Maujapur Post Nunsai Pargana Orai Distt.

(Transferor)

(2) Shri Ram Bhuwan s/o Raghunath, Ram Narain s/o Rameshwar r/o Aaincha Post Nunsai Pargana Orai Distt. Jallaun, Devi Pd. s/o Pancham r/o Post Jigni Pargana Rath Distt, Hamirpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land No. 175 situated at Maujapur Pargana Orai Distt. Jallaun sold for an apparent consideration of Rs. 105,348/- the fair market value of which has been determined at Rs. 156,000

B. C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Kanpur

Date: 17-5-79.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 17th May 1979

Ref. No. TR No. 611/Acq./Sadabad/78-79.—Whereas I, B. C. Chaturvedi,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sadabad on 17-10-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Chandrawati w/o Mahendra Pal r/o village Jaitai Parg. Sadabad Distt. Mathura. (Transferor)
- (2) Ghutey Lal, Ramji Lal, Maharaj Singh sons of Babu Lal r/o Lalgarhi Mauja Jaitai Pargana Sadabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Distt. Mathura.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 11 Acre 69 dismal situated at village Jaitai Pargana Sadabad Distt. Mathura sold for an apparent consideration of Rs. 48,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 106,080/-.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Kanpur

Date: 17-5-79.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 17th May 1979

Ref. No. Acq/613/Sadabad/78-79.—Whereas, I. B. C. CHATURVEDI

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sadabad on 28-10-1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act In respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) 1. Smt. Omwati,
W/o Shri Shyam Behari.
2. Smt. Bhudevi,
3. Smt. Kusuma Devi,
W/o Shri Jagdamba Pd.,
W/o Shri Anil Kumar,
R/o Vill: Madari, Biswar, Tch: Sahabad,
Distt. Mathura.

(2) 1. Smt. Dulari,
W/o Shri Gandurmal,
2. Smt. Rita, Devi,
W/o Shri Laxmi Narain
R/o Gadhi Nandu Bharatiya
Teh: Sababad, Distt. Mathura.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazettee or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land 6.9, situated a Vill Karnau, Teh. Sadabad, Distt. Mathura, sold for an apparent consideration of Rs. 37,000/- the fair market value of which exceed more than 15% thereof.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 17-5-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOMB-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 18th May 1979

Ref. No. Acq/612/Agra/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

KER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961) (43 of 1961), (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 25-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Govind Ram, spi Shri Tahal Ram R/o 115, New Agra, Agra
  - (Transferor)
- (2) Shri Mukesh Chand Garg, S/o Shri Gulab Chand Garg, R/o 215, New Agra, Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House Property bearing No. 116, situated at New Agra, Agra, sold for an apparent consideration of Rs. 58000/-, the fair market value of which exceeds more than 15% thereof.

B. C. CHATURVEDI.
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 18-5-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 18th May 1979

Ref. No. Acq/627/Agra/78-79.—Wnercas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Agra on 6-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namtly:—

Shri Ramesh Chand,
 Sho Shri Ratan Chand,
 Smt. Shakuntala Devi,
 Who Shri Ratan Chand,
 Shri Manoj Mittal (minor) and
 Shri Rajendra Mittal,
 Sho Shri Ratan Chand,
 Rho 67. Nehru Nagar, Agra

(Transferor)

(2) M/s. Bhawarlal Bhutodia Pvt. Ltd., situated at 56, Netaji Subhash Road, Calcutta through Shri S. L. Golcha, S/o Shri H. C. Golcha.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Factory building having 3130.53 sq. mtr. land with all the accessories situated at Attani, Parg. & Distt. Agra., sold for an apparent consideration of Rs. 2,50 000/- the fair market value of which exceeds more than 15% thereof.

B. C. CHATURVEDI.
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 18-5-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 18th May 1979

No. TR 660/Acq./F.bad/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961) (43 of 1961), (hercinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Firozabad on 27-10-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely—

(1) S/Shri Gopali s/o Sri Ram Swarup, Satyaram s/o Bhawani pd., Ram Dayal s/o Nawab Singh, Mahavir Singh, Manvir Singh, Satyavir Singh sons of Sri Roshan Lal r/o village Nagla Sadasukh Majra Mauja Gudau Tah. Firozabad Distt. Agra.

(Transferor)

(2) S/Shri Sri Vimal Kumar Jain adopted son of Seth Late Sri Chadami Lal Ji Jain r/o Chapeti Kalan Firozabad Managing Director Moti Private Ltd. Firozabad, Smt. Urmila Rani Jain w/o Sri Vimal Kumar Jain r/o Mohalla Chapeti Kalan, Firozabad Partner firm Jain Mineral Co. Firozabad Distt. Agra (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land No. 37 and 38 situated at Khemkaranpur Tahsil Firozabad Distt. Agra sold for an apparent consideration of Rs. 80,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 161,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Kanpur

Date: 18-5-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSITE COMMISSIONER OF INCOMETAX.

# ACQUISITION RANGE, KANPUR, CENTRAL REVENUE BUILDING

Kanpur, the 18th May 1979

No. Acq 867./Agra/78-79.—Whereas I. B. C. CHA'TUR-

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tail market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 20-10-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

23-116GT·79

 S/Shri (1) Dr. P. C. Gidiyan, Director (2) Dr. Mrs. Onasys, & Mr. Siri Gidiyan, Muthkar Mrs. Sheela M. Funnandis, vo. Britishian Hospital, St. John College, Agra

- ( Fransferor

(2) S. Shri (1) Madhukai Kapoor, (2) Arvind Kapoor, (3), Som Kapoor, (4) Pipush Kapoor (minor), r o 64. Suryanagar, Agra-2.

(Transferge)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by way of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Kothi No. 5 161 having 26945 sq. ft, land area, situated at Sonth Ki Mandi. Agra, sold for an apparent consideration of Rs. 2,25,000/- felr market value of which exceeds 15% thereof.

B. C. CHATURVEDI.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Kaupur

Date : 18-5-79 Seal :

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR,

Kanpur, the 18th May 1979

Ref. No. 47/SFP/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Acq/571. Kasganj/78-79.--Whereas T. B. C. CHATUR-VEDI

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE Kasganj on Oct., 78

for an apparent consideration which is less than the (air market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Smt. Kutumb Pyarl, w.o Shii Aiun Pralap Singh, 1/0 Aliganj, Distt. Ftah.

(Transferor)

(2) S/Shii Ramesh Chand, w o Shii Ram Charm Lal Mohalla Nathuram, Teh Kasganj, Dis.t. F(ah (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Single Storyed shop, situated at Baradwari, Narai Darwaza, Teh: Kasganj. Distt. Etah, sold for an apparent consideration of Rs. 40,000/-, the fair morket value of which exceeds more than 15% thereof.

B. C. CHATURVEDI, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Kanpur

Date : 18-5-79

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 21st May 1979

No.F.No.233-A/PN Saharanpur/78-79, --Whereas I, B C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

AS PER S' HEDUIC situated at AS PER SCHEDULLs (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Rootkee on 13-10-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I

have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the suid Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said hat, to the following persons, namely:—

- (1) S/Shri Sukhpal Singh s/o Imrat Singh r/o Manakpur Parg. Bhagtanpur Tah. Roorkee Distt. Saharanpur (Transferor)
- (2) S/Shi Tehrom s/o Chanesha r/o Manakpur Adampur Tah. Roorkee, Saharanpur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricul'ural land situated at Manakpur Adampur Pargana Bhagwanpur Tahsil Roorkee Saharanpur sold for an apparent consideration of Rs. 6.000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 48,800/-.

B. C. CHATURVEDI, Competent Authority, Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Kanpur

Date: 21-5-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME/TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 21st May 1979

No. Acq 28/Agra 78-79.—Whereas I, B. C. CHATUR-VEDL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Agra on 26-10-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising frmo the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, or vely:—

(1) S. Shri Shri Prem Ballabh Tripathi, 170-38, Old Vijai Nagar Colony, Agra, and Smt. Kamini Bakshi, w o Narendra Mohan Bakshi, 170-29-267, Rakabgani, Agra.

(Transferor)

(2) S. Shri Mangi Chand, S. o. Shri Bhan Mal, 17-0 6-2, Belangani, Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: - The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Constructed property No. 22/19, situated Old Vijay Negar Colony, Agra, sold for an apparent consideration of Res. 1,30,000%, the fair market value of which exceeds more than 15% of the apaprent consideration.

B C. CHATURVFDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Kanpur

Date: 21-5-79

# NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 21st May 1979

No. Acq/633/Agra/78-79.—Whereas I. B. C. CHATUR-VEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Agra on 26-10-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

 S/Shri (1) Jawahar Lal Baluja, & (2) Raj Kumar Baluja, sons of Shri Chunnilal Baluja, r/o Baluganj, Agra.

(Transferor)

(2) S/Shri (1) Smt, Rajmohini Malik, w/o Shri Dinanath. (2) Smt. Prabha Malik, w'o Vijay Kumar, (3) Smt. Kamlesh Malik, w/o Vijay Malik, all 1/o 74. Jaipur House, Loha Mandi. Agra.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot of land admeasuring 471 sq. yds, bearing No. 60-A, situated at Suryanagar, Agra, sold for an apparent consideration of Rs. 1.00.000/-, fair market value of which exceeds more than 15% thereof.

B. C. CHATURVEDI.
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Kanpur

Date: 21-5-79

(1) Shri Amarjit Singh, s/o S. Arjan Singh, 19, Govindnagar, Block 1, Dehradun.

(2) Shii Bhag Singh, s/o Sii Prabhu Dayal, 21,

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGI'. KANPUR

Kanpur, the 22nd May 1979

Ref. No Acq./322-A/Dehradun/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule (and more tully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration. Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 4-10-78.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 192' (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Govindnagar, Dehradun,

- (a) by any of the atoresald persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House property built on 237.82 sq. metres, bearing No. 19, situated at Block-I, Gobind Nagar, Dehrudun, sold for an apparent consideration of Rs. 30,000/-, fair market value of which exceeds more than 15% thereof.

B. C. CHATURVED!
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:

Date: 22-5-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE.

KANPUR Kanpur, the 22nd May 1979

Ref. No. Acq. 461/KNP /78-79.—Whereas I. B. C. Chaturvedi,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Kanpur on 29-11-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Vijay Shanker Pandey, s/o Late Shri Ganga Charan, r o 128/1018, Block-Y, Kidwainagar, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Vishwambhar Nnth Tewari, s/o Shri Suraj Prasad Tewari, 128/1018, Block-Y, Kidwainagar, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House property No. 1012, situated at Y-Block, Kidwainagar, Kanpur, sold for an apparent consideration of Rs. 80,000/-, fair market value of which exceeds more than 15% thereof

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Kanpur

Date: 22 5-1979

Scal:

# FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd May 1979

Ref. No. TR 634/Acq./Agra/78-79.—Wheeras I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a jair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 19-10-78.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Major Prem Ballabh Tripathi 22-18 Vijay Nagar Colony, Agra and Smt. Kamini Bakshi w/o Narendra Mohan Bankshi r/o 29/267 Rakabgoni, Chipitola, Agra.

(Transferor)

(2) Shri Sajjan Raj 5 o Late Sri Jawahar Lal 1/0 6/198 Belanganj, Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House property No. 22/18 Purani Vijay Nagar Colony. Agra sold for an apparent consideration of Rs. 145,000/, the fair market value of which has been determined at Rs. 199,400/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Kanpur

Date: 22 5-1979.

Scal :

# FORM ITNS -----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd May 1979

Ref. No. Acq./875-A/Khurja/78-79.—Whereas I, B. C. Chaturvedi.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per schedule situated at As per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khurja on 27-10-78.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—24—116GI/79

 Shri Abdul Khaffar, s/o Shri Riyasat Ali Khan, r/o Chaudhera, Post Khas, Parg. Pahamu, Teh: Khurja, Distt. Bulandshaher.

(Transferor)

(2) Smt. Usha Pandey, d/o Shri Prem Shanker, r/o Chaudhera, Post: Khas, Parg. Pahamu, Teh: Khurja, Distt. Bulandshaher.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Vill: Chaudhera, Parg. Pahamu, Teh: Khurja, Distt. Bulandshaher, sold for an apparent consideration of Rs. 32,000/-, fair market value of which exceeds more than 15% thereof.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Kanpur

Date: 22-5-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd May 1979

Ref. No. 876-A/PN/M-Nagar.—Whereas I, B. C. Chaturvedi.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at As per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

M. Nagar on 18-10-1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—:

- (1) Shri Kelavati w/o Bhawanar Singh, Samval Hedi Tchsil Devvand Post Rampur Distt. Saharanpur, (Transferor)
- (2) Shri Rajendra Singh, Kanwar Pal, Sher Singh s/o Mahendra Singh guardian Smt. Krishna Devi, Krishna Devi w/o Bhawar Singh, Naresh Kumar, Pratap Singh s/o Jagdish Singh guardian Shakuntala Devi w/o Jagdish Singh r/o Gogwan r/o Jalalpur Pargana Thana Bhawan Tah. Kairana Distt. Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Pipleda, Muzaffarnagar sold for an apparent consideration of Rs. 30,000/- the fair farket value of which has been determined at Rs. 80,800/-.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Kanpur

Date: 22-5-1979.

Seal;

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd May 1979

Rcf. No. 878-A/PN-M. Nagar,---Whereas I, B. C. Chaturvedi,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per scheduled situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kairana on 20-10-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
   and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ali Raja s/o Major Khan vill. Masani Post & Parg, Thana Bhawan Tahsil Kairana Distt, Muzaffarnagar.

(Transferor)

(2) Shri Badri Prasad s/o Jai Chandra, Sitaram s/o Chaudhari Ram vill. Masani Post & Parg, Thana Bhawan Tah. Kairana Distt. Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Kasha Thana Bhawan Patti Masavi sold for an apparent consideration of Rs. 26,000/-the fair farket value of which has been determined at Rs. 71,200-/.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Kanpur

Date: 22-5-1979.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur the 22nd May 1979

No. 882-A/PN/B. Shahar.—Whereas I, B. C. CHATUR-VEDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bulandshahar on 21-10-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
   of the transferor to pay tax under the said Act, in
   respect of any income arising from the transfer;
   and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Jamir-ul-islam, Masud Ahmad, Aftab Alam Ramshad Alam, Parvei Alam, Badakhed Alam s/o Ayub Khan r/o village Akbarpur Parg. Varan Distt. Bulandshahar

(Transferors)

(2) S/Shri Brijish Ahmad, Raisuddin Khan, Jamir Uddin Khan, Julfikar Ahmad Khan, Naushad Ahmad Khan s/o Iva Ullah Khan r/o village Maukhera Parg. Baran Distt. Bulandshahar

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Akbarpur sold for an apparent consideration of Rs. 60,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 45,000/-.

B. C. CHATURVEDI.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Kanpur.

Date :22-5-1979

 Smi, Biamha widow of Bhawar Singh r/o (kalhed) Pargana Dasna Tah, Hapur (Gaziabad)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) S'Shii Abdul Qaium, Ummed Ali r/o Ikalhedi Parg, Dasna Tah, Hapur Disti, Gaziabad.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur the 22nd May 1979

No. 891-A/PN/Hapur/Meerut.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Au bority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Re. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE clausted at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Hapur on 23-10-78

for an apparent consideration

which is less than the tair market value of the aforesaid property, and I have readen to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) Incilitating the concernment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Ikalhedi Parg. Dosana, Popus sold for an apparent consideration of ker. \$5.0367-(6) fair market volot of which has been determined at Rs. 92,5727-.

B. C. CHATURATE.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Laborate-tax.

Acquisition Long. Respur

Date :25-5-1979

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMIS-

### SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 29th May 1979

No. 207-A/Saharanpur/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hardwar on 9-10-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Thakur Prabhu Singh s/o Ram Narain, Om Prakash s/o Thakur Prabhu Singh r/o Deopura, Haridwar, Parg. Jwalapur Tah. Roorkee (Saharanpur)

(Transferors)

(2) S/Shri Anand Prakash Pancholi s/o Sri Ganga Pd. Pancholi r/o Noh Pora Heydian Jwalapur, Vijai Kumar Sharma s/o Shiv Kumar Sharma r/o Bara Jojopara, Haridwar, Tah. Roorki (Saharanpur) (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House property situated at Dayanand Nagari, Ahmadpur, Roorkee sold for an apparent consideration of Rs. 45,000/-the fair market value of which has been determined at Rs. 76,000/-.

B. C. CHATURVEDI, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date: 29-5-1979

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 29th May 1979

No. 213-A/PN/Saharanpur/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saharanpur on 12-10-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act,
  in respect of any income arising from the transfer;
   and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Bharteshwar Nath Jain, Chandreshwar Nath Jain sons of Late Sri Triloknath Jain r/o Saharanpur Chandranagar, Civil Lines, Saharanpur

(Transferor)

(2) Smt. Subhadra Devi w/o Pandit Nanak Chand village Chaurara, Mustafabad Distt. Bulandshahar through O.S. Vatsa ASTO 404 Bajoria Marg, Saharanpur.

(Transferces)

Objections, if any, to the accuisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House property situated at Chandra Nagar, Civil Lines, Saharanpur sold for an apparent consideration of Rs. 45,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 79,500/-.

B. C. CHATURVEDI, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date: 29-5-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur the 24th May 1979

No. Acq/396A/Bulandshaher/78-79.—Whereas f, B. CCHATURVEDI,

being the competent authority under section 269 of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Assoop Shaher on 21-10-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair protect value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than differen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1937 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

 S. Shri (1) Haroh Chandra, w/o Late Manohar Lal, (2) Narah Babu, (3) Smt. Shakuntala Devi, w/o Harish Chandra, (4) Heeralal, (5) Daya Shanker, sons of Harish Chandra, r/o Flat No. 31, Jagpur Nistar, New Delhi 110014.

(Transferor)

 S/Shri (1) Mangal Pal Gupta, w/o Gulab Rai,
 Jagdish Pd. Gupta, s/o Mangal Rai, (3) Smt. Rakesh Kumari, w/o Krishna Gupta, r/o Mohalla Mohadeo, Vill: Diwai, Parg. Diwai, Teh , Anoop Shoher, Distt. Bulandshaher.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House property situated at Mohalla Iiiipara, Vill: Diwai, Distt. Bulandshaher sold for an apparent consideration of Rs. 82,000/-, fair market value of which exceeds more than 15% thereof.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Kuppur.

Date: 24-5-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE. KANPUR.

Kanpur the 29th May 1979

No 661/Acg./Kpr./78-79.--Whereas I, B. C. CHATUR-VEDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in September, 1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the function to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the mainsteree for the purposes of the indian income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following person, namely:—

(1) Smt. Kamla Dubey w/o Jagdish Dubey r/o 108/1 A Gandhinagar, P. Road Kanpur.

(Transferor)

(2) Smt. Kamini Devi w/o Sri Stichand 108/1A Gandhinagar, Kanpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House property No. 108/1A Gandhinagar, Kaupur sold for an apparent consideration of Rs. 80,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 93,200/-.

B. C. CHATURNEDI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tra,
Acquisition Range Kanpur.

Date : 29-5-79